वर्ष 69 ▸▸ अंक 225 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, गुरुवार 14 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 12, विक्रम संवत् 2083
महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

मुझे लगता है कि लोगों से प्रेम करना ही सच्ची कला है।
–विंसेंट वॉन गॉग

संक्षिप्त खबरें

आज से तीन रुपये तक महंगा हुआ अमूल दूध

आज से ये हैं नई कीमतें

अमूल ताजा दूधः 1 लीटर पैक अब 55 रुपए की जगह 57 रुपए में मिलेगा।
अमूल गोल्ड दूधः 1 लीटर पैक 68 रुपए से बढ़कर 70 रुपए का हुआ।
टी स्पेशल दूधः 1 लीटर पैक की कीमत 63 रुपए से बढ़ाकर 66 रुपए की गई।
- अमूल शक्ति, गाय का दूध और भैंस के दूध के छोटे पैक पर भी 1 से 2 रुपए तक की बढ़ोतरी।

नई दिल्ली, जेएनएन। अमूल ने देशभर में दूध की कीमतों में 2 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। नई कीमतें 14 मई से लागू हो गई हैं। गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) के अनुसार, अमूल के अलग-अलग वेरिएंट और पैक पर कीमतों में 1 से 3 रुपए तक की वृद्धि की गई है। कंपनी का कहना है कि पशु आहार, पैकेजिंग, ट्रांसपोर्टेशन और ईंधन की बढ़ती लागत के कारण यह फैसला लेना पड़ा।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी
लेन ड्राइविंग का सिस्टम नहीं, ये हादसों की वजह

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने देश में बढ़ते सड़क हादसों पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा है कि भारत में लेन ड्राइविंग का कोई व्यवस्थित कॉन्सेप्ट नहीं है और यही दुर्घटनाओं की एक बड़ी वजह बन रहा है। अदालत ने सड़क सुरक्षा को लेकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कई अहम निर्देश जारी किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि सभी सार्वजनिक परिवहन वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (व्हीएलटीडी) और इमरजेंसी पैनिक बटन अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। अदालत ने कहा कि यह व्यवस्था खास तौर पर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्ग यात्रियों की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। यह टिप्पणी जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने की। अदालत 2012 की एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

गूगल-ऐप्पल करें पोर्न एप्स पर कार्रवाई: कोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली हाई कोर्ट ने पोर्नोग्राफी को बढ़ावा देने वाले मोबाइल एप्स पर कड़ा रुख अपनाते हुए गूगल और ऐप्पल को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि देश की पूरी पीढ़ी को बर्बाद होने की इजाजत नहीं दी जा सकती और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी है कि वे ऐसे कंटेंट के प्रसार को रोकें। कोर्ट ने टिप्पणी की कि गूगल प्ले स्टोर और एपल ऐप स्टोर पर उपलब्ध कई एप्स अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री को बढ़ावा दे रहे हैं। ऐसे में तकनीकी कंपनियों को केवल शिकायत मिलने के बाद ही नहीं, बल्कि ऐप अपलोड होने के समय ही सतर्कता बरतनी होगी।

आईपीएल में आज
पंजाब बनाम मुंबई
समय : रात 7.30 बजे से
प्रसारणः स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर
परिणामः बेंगलुरु ने कोलकाता को 6 विकेट से हराया।

सीबीएसई 12वीं का रिजल्टः 85.20 प्रतिशत स्टूडेंट पास, लड़कियों ने फिर मारी बाजी, त्रिवेंद्रम सबसे आगे

नई दिल्ली, जेएनएन। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 का रिजल्ट जारी कर दिया है। इस वर्ष कुल 85.20 फीसदी छात्र-छात्राएं परीक्षा में सफल हुए हैं। हालांकि यह पिछले वर्ष के मुकाबले करीब 3 प्रतिशत कम परिणाम है। बोर्ड के अनुसार इस बार 94,028 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं, जबकि 17,113 छात्रों ने 95 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

इस बार भी लड़कियों ने लड़कों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार लड़कियों का पास प्रतिशत 88.86 फीसदी रहा, जबकि लड़कों का परिणाम 82.23 फीसदी दर्ज किया गया। यानी लड़कियां लड़कों से 6.73 प्रतिशत आगे रहीं।

वहीं ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों का रिजल्ट 100 प्रतिशत रहा है, जिसे बोर्ड ने समावेशी शिक्षा की दिशा में सकारात्मक संकेत बताया है। क्षेत्रवार परिणामों में एक बार फिर त्रिवेंद्रम रीजन सबसे आगे रहा। यहां 95.62 फीसदी छात्र पास हुए। दूसरी ओर प्रयागराज रीजन का परिणाम सबसे कम 72.43 फीसदी दर्ज किया गया। पिछले साल भी यही स्थिति रही थी, जब त्रिवेंद्रम शीर्ष पर और प्रयागराज सबसे नीचे था।

मेरिट लिस्ट और टॉपर घोषित नहीं

सीबीएसई ने इस बार भी मेरिट लिस्ट जारी नहीं की है। बोर्ड ने कहा कि किसी छात्र को आधिकारिक रूप से 'टॉपर' घोषित नहीं किया जाएगा। सभी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि वे किसी विद्यार्थी को स्कूल, जिला या राज्य का टॉपर घोषित करने से बचें।

मप्र (भोपाल रीजन) का रिजल्ट 79.43%
डीपीएस के 17 स्टूडेंट के 97% से अधिक अंक

भोपाल, जेएनएन। भोपाल रीजन (मध्य प्रदेश) में 79.43 प्रतिशत विद्यार्थी 12वीं में पास हुए हैं, जबकि देशभर का औसत पास प्रतिशत 85.20 प्रतिशत दर्ज किया गया, यानी भोपाल रीजन राष्ट्रीय औसत से 5.77 प्रतिशत पीछे रहा। भोपाल रीजन में लड़कों का पास प्रतिशत 76.87 फीसदी दर्ज किया गया, जबकि लड़कियों का परिणाम 82.19 फीसदी रहा। भोपाल रीजन में चिंताजनक तथ्य भी सामने आया है। कुल परीक्षार्थियों में से 12.14 फीसदी छात्र ऐसे रहे, जो सभी विषयों में फेल हो गए। यह आंकड़ा शिक्षा व्यवस्था और विद्यार्थियों की तैयारी दोनों के लिए गंभीर चिंता का विषय माना जा रहा है। मध्य प्रदेश के 80,454 छात्रों ने परीक्षा में भाग लिया था।

जागरण सोशल वेलफेयर सोसायटी के अंतर्गत संचालित डीपीएस समूह के स्कूलों ने शानदार प्रदर्शन किया है। संयुक्त मेरिट सूची में दिल्ली पब्लिक स्कूल इंदौर की छात्रा अनूभूति अग्रवाल ने 99.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया है। प्रदेश में डीपीएस के 17 स्टूडेंट्स ने 97 फीसदी से अधिक अंक हासिल किए हैं।

डीपीएस समूह की मेरिट लिस्ट

रैंक	छात्र का नाम	प्रतिशत	स्ट्रीम	स्कूल
1	अनुभूति अग्रवाल	99.20%	बायो	डी.पी.एस. इंदौर
2	नित्य बर्दिया	98.80%	मानविकी	डी.पी.एस. भोपाल
3	पारस खड़ककर	98.40%	वाणिज्य	डी.पी.एस. कोलार
3	अर्नव सिसोदिया	98.40%	मैथ्स	डी.पी.एस. इंदौर
3	युग भुरा	98.40%	वाणिज्य	डी.पी.एस. इंदौर
6	अविशी टपाड़िया	98.20%	मानविकी	डी.पी.एस. इंदौर
7	मरीशा खान	97.80%	मानविकी	डी.पी.एस. भोपाल
7	विदुषी बिष्ट	97.80%	मैथ्स	डी.पी.एस. इंदौर
7	त्रिधा मिश्रा	97.80%	मानविकी	डी.पी.एस.इंदौर
10	आर्यमा मिश्रा	97.60%	मानविकी	डी.पी.एस. कोलार

तुअर समेत खरीफ की 14 फसलों की एमएसपी बढ़ाई
तुअर पर 450 रुपए और धान पर 72 रुपए की बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने किसानों को राहत देते हुए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बुधवार को यह फैसला लिया गया। सरकार का कहना है कि इस कदम से किसानों को उनकी उपज का बेहतर दाम मिलेगा और कृषि क्षेत्र को मजबूती मिलेगी।

कैबिनेट बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि धान की एमएसपी में 72 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। अब धान का नया न्यूनतम समर्थन मूल्य 2441 रुपए प्रति क्विंटल होगा। वहीं तुअर दाल की एमएसपी में सबसे ज्यादा 450 रुपए का इजाफा किया गया है, जिसके बाद इसकी नई एमएसपी 8450 रुपए प्रति क्विंटल तय की गई है। सरकार का मानना है कि एमएसपी बढ़ाने से किसानों को खरीफ सीजन में अधिक फसल उत्पादन के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। तुअर, उड़द और अन्य दलहनों की एमएसपी में वृद्धि से दाल उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है, जिससे भविष्य में आयात पर निर्भरता कम होगी।

कैबिनेट के तीन अन्य बड़े फैसले

- **कोयले से गैस बनाने की परियोजनाओं को मंजूरीः** कोयले और लिग्नाइट गैसीफिकेशन परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए 37,500 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य कोयले को गैस में बदलकर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाना है।
- **नागपुर एयरपोर्ट की जमीन की लीज बढ़ाईः** कैबिनेट ने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की उस जमीन की लीज अवधि बढ़ाने को भी मंजूरी दी है, जो मिहान इंडिया लिमिटेड को दी गई थी। अब यह लीज 6 अगस्त 2039 के बाद भी जारी रहेगी।
- **अहमदाबाद-धोलेरा सेमी हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट को मंजूरीः** रेल मंत्रालय के अहमदाबाद (सरखेज)-धोलेरा सेमी हाई-स्पीड डबल लाइन प्रोजेक्ट को भी मंजूरी दे दी गई है। इस परियोजना पर लगभग 20,667 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

सपा प्रमुख के छोटे भाई प्रतीक यादव का निधन

लखनऊ, जेएनएन। अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया। वह 38 वर्ष के थे। उन्हें सुबह गंभीर हालत में लखनऊ के सिविल अस्पताल लाया गया, लेकिन उससे पहले ही उनकी सांसें थम चुकी थीं। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सिविल अस्पताल के चीफ मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. डीसी पांडेय ने बताया कि जब प्रतीक यादव को अस्पताल लाया गया, तब उनकी पल्स पूरी तरह बंद थी और हृदय ने काम करना बंद कर दिया था। इसके बाद उनका शव पोस्टमॉर्टम के लिए किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी भेजा गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आया कि प्रतीक यादव की मौत कार्डिएक अरेस्ट के कारण हुई। डॉक्टरों के अनुसार उनके फेफड़ों में बड़ी मात्रा में खून के थक्के जम गए थे। इससे हार्ट और फेफड़ों ने काम करना बंद कर दिया।

मौत की वजह कार्डिएक अरेस्ट

(लग्जरी कार और बॉडी बिल्डिंग के शौकीन थे प्रतीक : पेज 12 पर)

प्रदेश की महिलाओं का सशक्तिकरण सरकार के लिए सर्वोपरिः मुख्यमंत्री
लाड़ली बहना योजना की 36वीं किश्त पात्रों के खातों में भेजी

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महिलाओं का सशक्तिकरण सरकार के लिए सर्वोपरि है। इस दिशा में राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। प्रदेश में 4 लाख से ज्यादा मध्यम श्रेणियों की ईकाईयां बहनों द्वारा संचालित की जा रही है। इसी तरह 34 लाख महिला किसानों को उन्नत कृषि और पशुपालन से जोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बातें बुधवार को नरसिंहपुर जिले के मुंगवानी में लाडली बहना योजना की राशि अंतरित करने के उपरांत जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कही। इस मौके पर उन्होंने सिंगल क्लिक से पात्र 1 करोड़ 25 लाख से ज्यादा बहनों के खातों में 1835 करोड़ से ज्यादा की राशि अंतरित की। सीएम ने कहा कि कांग्रेसी कहते थे कि लाड़ली बहना योजना केवल चुनाव तक है। हम मानते हैं कि जाकी रही भावना जैसी, प्रभू मूरत देखी तिन तैसी। कांग्रेसियों की भावना गलत है। उन्होंने कभी माता-बहनों का सम्मान नहीं किया। उनकी कोई मदद नहीं की। इसलिए आज पूरे देश में धीरे-धीरे कांग्रेस पार्टी गायब हो रही है,जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी लगातार मजबूत होती जा रही है। असम में तीसरी बार सरकार,पश्चिम बंगाल में हमारी प्रचंड जीत ने यह जता दिया है कि भाजपा को गंगोत्री से लेकर गंगा सागर तक मां गंगा का आशीर्वाद मिल रहा है।

सीएम ने कहा कि आज अलग प्रकार का समय चल रहा है। हमारी पार्टी जो कहती है,वो करके दिखाती है। बंगाल में गुंडा राज चल रहा था। ममता निर्ममता के साथ जनता के साथ अन्याय कर रही थी। जनता जर्नादन सारा हिसाब रखती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा सत्र के दौरान कहा था कि आधी आबादी माताओं -बहनों की है,उनको लोकसभा विधानसभा में 33 फीसदी आरक्षण दो,लेकिन कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी सहित पूरे विपक्ष ने नारी शक्ति का अपमान किया। प्रदेश में हमारी सरकार बनने के बाद हम अब तक लाड़ली बहनों के खातों में लगभग 46 हजार करोड़ की राशि डाल चुके हैं। हमारी पिछली सरकार को मिलाकर यह आंकड़ा 55 हजार करोड़ से ज्यादा है।

मध्य प्रदेश में शिक्षकों को टीईटी पास करना अनिवार्य
बिना पात्रता परीक्षा नहीं होगी नियुक्तिः सुप्रीम कोर्ट

भोपाल, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश में शिक्षकों की पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए साफ किया है कि अब बिना टीईटी पास किए किसी भी शिक्षक की नियुक्ति नहीं की जा सकती। अदालत ने कहा कि पात्रता परीक्षा में जो भी छूट दी जानी थी, वह पहले ही दी जा चुकी है। ऐसे में भविष्य की किसी भी भर्ती में राष्ट्रीय नियमों का पालन अनिवार्य होगा। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। पुनर्विचार याचिका मध्य प्रदेश सरकार के साथ-साथ प्रदेश और देशभर के कई शिक्षक संगठनों की ओर से दायर की गई थी।

डेढ़ लाख शिक्षकों पर असर संभव

सुप्रीम कोर्ट के 1 सितंबर 2025 के आदेश के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने 1998 से 2009 के बीच बिना टीईटी नियुक्त हुए शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा अनिवार्य करने के निर्देश जारी किए थे। मध्य प्रदेश में ऐसे शिक्षकों की संख्या डेढ़ लाख है। फैसले का असर इन शिक्षकों की नौकरी और भविष्य पर पड़ेगा।

पांच साल की राहत मिल चुकी

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वर्ष 2017 में नियम लागू होने के बाद शिक्षकों को पहले ही पांच साल की छूट दी जा चुकी है। अब और राहत देने का कोई आधार नहीं बनता। अदालत ने स्पष्ट किया कि एनसीटीई के नियम सभी राज्यों पर समान रूप से लागू होंगे।

रिटायर्ड जज की गर्भवती बहू ने लगाई फांसी
एम्स की मर्चुरी में मायके वालों का हंगामा, पति और ससुराल वालों पर प्रताड़ना के आरोप

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। भोपाल। राजधानी के कटारा हिल्स इलाके में रिटायर्ड जज के परिवार की गर्भवती बहू ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका के मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले को लेकर बुधवार को एम्स की मर्चुरी के बाहर परिजनों ने हंगामा किया और निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

पुलिस के मुताबिक 31 वर्षीय त्विसा शर्मा मूल रूप से नोएडा की रहने वाली थीं। उनकी शादी करीब एक साल पहले कटारा हिल्स निवासी रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के बेटे समर्थ सिंह से हुई थी। समर्थ पेशे से वकील हैं। मंगलवार रात करीब 10 बजे त्विसा ने कथित तौर पर घर में फांसी लगा ली। परिवार उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। नवविवाहिता की मौत होने के कारण मामले की जांच एसीपी मिसरोद को सौंपी गई है।

भाई से बोली- अब बर्दाश्त नहीं होता, मुझे ले चलो भैया

त्विसा के भाई हर्षित शर्मा भारतीय सेना में मेजर हैं। उन्होंने बताया कि बहन का आखिरी कॉल आया था। वह बोली- अब बर्दाश्त नहीं होता, मुझे घर ले चलो भैया। बहन के हाथ और कान पर चोट के नीले निशान हैं। उसके साथ मारपीट की गई है। मेजर भाई ने पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

हर्षित के आरोप

- भाई हर्षित का आरोप है कि त्विसा भोपाल में रहना चाहती थी इसलिए उसने नौकरी छोड़ दी। नौकरी छोड़ते ही ससुराल वालों का व्यवहार बदल गया। उसे नकारा कहकर ताने मारते थे। पति विवाद करता था।
- परिवार और परवरिश को लेकर अपमानित किया जाता था। इससे वह डिप्रेशन में थी।
- मार्च में त्विसा की अनप्लांड प्रेग्नेंसी हुई थी। वह बच्चे के लिए तैयार नहीं थी, लेकिन ससुराल पक्ष बच्चे के लिए दबाव बना रहा था।

पत्र मे लिखा- जिन पर गंभीर आरोप, पुलिस अधिकारी उनके चरण छू रहे

हर्षित ने पत्र में लिखा है कि सबसे शर्मनाक और पीड़ादायक यह है कि जिन लोगों पर गंभीर आरोप हैं, उन्हीं के सामने पुलिस अधिकारी झुकते और उनके चरण स्पर्श करते दिखाई दे रहे हैं, जबकि मेरी बहन के लिए न्याय मांगने वाला परिवार दर-दर भटक रहा है।

अपील पर अमल शाह-नड्डा समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों ने भी घटाई गाड़ियों की संख्या

मोदी ने घटाया काफिला, 2 गाड़ियों के साथ निकले

नई दिल्ली/ भोपाल/ लखनऊ, जेएनएन। पेट्रोल-डीजल की बचत को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील अब सरकार और राजनीतिक नेतृत्व के व्यवहार में भी दिखाई देने लगी है। बुधवार को प्रधानमंत्री अपने पारंपरिक बड़े काफिले की बजाय केवल दो गाड़ियों के साथ नजर आए। आमतौर पर प्रधानमंत्री के काफिले में 12 से 15 वाहन शामिल रहते हैं, लेकिन इस बार एक गाड़ी में प्रधानमंत्री स्वयं मौजूद थे, जबकि दूसरी गाड़ी में एसपीजी और सुरक्षा कर्मी थे। साथ ही केंद्र और राज्यों में कई नेताओं तथा सरकारों ने प्रतीकात्मक प्रशासनिक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। मोदी ने 10 मई को हैदराबाद और 11 मई को वडोदरा में लोगों से ईंधन की खपत कम करने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि जहां संभव हो, मेट्रो, इलेक्ट्रिक बस और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें।

बुधवार को पीएम पारंपरिक बड़े काफिले की बजाय दो गाड़ियों के साथ नजर आए।

ऊर्जा बचत, सार्वजनिक अनुशासन : भाजपा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पूर्व भाजपा अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने भी अपने काफिलों में वाहनों की संख्या कम कर दी है। भाजपा नेतृत्व इसे 'ऊर्जा बचत और सार्वजनिक अनुशासन' से जोड़कर देख रहा है।

दिल्लीः मंत्री मेट्रो व ई-रिक्शा से पहुंचे

दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने भी सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर संदेश देने की कोशिश की। वे दिल्ली मेट्रो से आईएनए से कड़कड़डूमा कोर्ट तक गए और फिर वहां से ई-रिक्शा में बैठकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे।

महाराष्ट्रः मंत्री का फ्रांस दौरा रद्द

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री आशीष शेलार ने इस साल फ्रांस में होने वाले कान्स फिल्म फेस्टिवल में शामिल नहीं होने का फैसला किया है।

ट्रैवलर से पहुंचे अफसर

उज्जैन। उज्जैन में सिंहस्थ कार्यों के निरीक्षण के लिए अफसर अलग-अलग वाहनों की बजाय एक ही गाड़ी में सफर कर रहे हैं। इनमें सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह आदि शामिल थे।

राजस्थानः मुख्यमंत्री के काफिले में अब सिर्फ 5 गाड़ियां

राजस्थान में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अपने काफिले में वाहनों की संख्या घटाने के निर्देश दिए हैं। पहले उनके काफिले में 14 से 16 गाड़ियां शामिल रहती थीं, लेकिन बुधवार को दिल्ली दौरे के दौरान उनके साथ केवल पांच वाहन नजर आए।

मध्य प्रदेशः वीआईपी काफिलों पर नियंत्रण

मध्य प्रदेश में भी वीआईपी काफिलों में गाड़ियों की संख्या सीमित करने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव को जेड+ सुरक्षा प्राप्त है और अब तक उनके काफिले में 13 वाहन शामिल रहते थे। नए निर्देशों के बाद भोपाल में स्थानीय दौरों के दौरान यह संख्या घटाकर 8 कर दी गई है। राज्य में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भोपाल में ई-स्कूटर से सरकारी कार्यक्रम में पहुंचे। वहीं मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस डीडी बंसल करीब 3 किलोमीटर साइकिल चलाकर हाईकोर्ट पहुंचे।

उत्तर प्रदेशः वर्चुअल बैठकें और वर्क फ्रॉम होम

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेट्रोल-डीजल बचत को लेकर सात बड़े फैसले किए हैं। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों के काफिलों में 50 प्रतिशत तक कटौती का फैसला लिया है।

सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल एक साल बढ़ा
राहुल गांधी ने चयन प्रक्रिया पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने सीबीआई डॉयरेक्टर प्रवीण सूद का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। सूद का मौजूदा कार्यकाल 24 मई को समाप्त होने वाला था। उनके कार्यकाल विस्तार के साथ ही चयन प्रक्रिया पर विवाद शुरू हो गया है। दरअसल, मंगलवार को पीएम आवास पर नए सीबीआई निदेशक के चयन के लिए बैठक हुई। इसमें पीएम, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सीजेआई सूर्यकांत शामिल थे।

बैठक के बाद राहुल गांधी ने चयन प्रक्रिया पर असहमति जताई और आरोप लगाया कि चयन के लिए जिन 69 अधिकारियों की सूची समिति के सामने रखी गई, उनकी पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई।

राहुल गांधी ने कहा कि सीबीआई निदेशक चयन प्रक्रिया को केवल औपचारिकता बनाकर रख दिया गया है। उन्होंने लिखा कि 'मैं इस पक्षपातपूर्ण प्रक्रिया का हिस्सा बनकर अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकता, मैं कड़ी असहमति दर्ज कराता हूं।'

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने बार-बार सीबीआई का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों और आलोचकों को निशाना बनाने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों की 'सेल्फ असेसमेंट रिपोर्ट' और '360 डिग्री मूल्यांकन रिपोर्ट' उपलब्ध नहीं कराई गई। राहुल का दावा है कि जब उन्होंने ये रिपोर्ट मांगीं तो उन्हें देने से इनकार कर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

अवैध परिवहन पर नियंत्रण के लिए लगे ई-चेक गेट

भोपाल। प्रदेश में अवैध खनिज परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण और राजस्व की चोरी रोकने के लिए राज्य शासन द्वारा लागू की गई ई-चेकगेट व्यवस्था एक महत्वपूर्ण तकनीकी नवाचार के रूप में सामने आई है। आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी आधारित निगरानी प्रणाली से लैस इस व्यवस्था से अब तक 20 जिलों में कार्रवाई करते हुए 139 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं और 4.12 करोड़ रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया जा चुका है। खनिज परिवहन की निगरानी के लिए प्रदेश के 23 जिलों में चिन्हित महत्वपूर्ण मार्गों के 40 स्थानों पर ई-चेक गेट स्थापित किए गए हैं। ई-चेकगेट्स से खनिज परिवहन करने वाले वाहनों की डिजिटल ट्रैकिंग, परिवहन अनुमति की जांच और परिवहन गतिविधियों की सतत निगरानी की जा रही है। ई-चेक गेट व्यवस्था के प्रभावी संचालन के लिए संचालनालय भोपाल में राज्य स्तरीय कमांड एवं कंट्रोल सेंटर स्थापित किया गया है। इसके साथ ही संबंधित 23 जिलों में जिला कमांड सेंटर भी संचालित किए जा रहे हैं, जहां से परिवहन गतिविधियों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है।

कांग्रेस का अल्पसंख्यक विभाग किया गया भंग

विंस, भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग को भंग कर दिया गया है। विभाग द्वारा जल्द ही प्रदेश से लेकर ब्लॉक स्तर तक नए सिरे से गठन किया जाएगा। अल्पसंख्यक विभाग के मध्यप्रदेश प्रभारी आबिद काजी द्वारा इस संबंध में पत्र जारी किया गया है,जिसमें कहा गया है कि विभाग के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की सहमति के बाद मध्यप्रदेश की प्रदेश की समस्त कार्यकारणी, सभी जिलो के अध्यक्ष,उनकी कार्यकारणी, विधानसभा क्षेत्रों के अध्यक्ष व दूसरे पदाधिकारियों की नियुक्ति समाप्त कर दी गई है।

देवड़ा नहीं लेंगे पायलट और फॉलो वाहन सुविधा

विसं भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने अपने कारकेड में उपलबध कराई गई फॉलो एवं पायलट वाहन सुविधामय स्टाफ सहित तत्काल लौटा दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की अपील केवल एक सुझाव नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण मंत्र है। पेट्रोलियम ईंधनों की बचत आज की अनिवार्य आवश्यकता है। यह न केवल सरकारी खजाने पर बोझ कम करेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

केंद्रीय संगठन में नहीं जाना चाहते प्रदेश सरकार के मंत्री-विधायक

मंत्री पद जाने का सता रहा डर इसलिए परेशान, कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल और राकेश सिंह को मिल सकता है दायित्व

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार के कुछ मंत्री इन दिनों परेशान बताए जा रहे हैं, उन्हें इस बात का डर है कि पार्टी उन्हें संगठन की राष्ट्रीय टीम में शामिल कर उनसे मंत्री पद छोड़ने को कह सकती है। इसी तरह पार्टी के कुछ वरिष्ठ सांसद भी राष्ट्रीय टीम में शामिल होने की बजाय मोदी कैबिनेट में स्थान पाना चाहते हैं, जिससे वे भी संगठन के दायित्व से दूर भाग रहे हैं। गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी के नए अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम कभी भी आकार ले सकती है। जिसमें मध्यप्रदेश से भी कई नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। लेकिन मध्यप्रदेश सरकार में शामिल कुछ मंत्री फिलहाल ऐसी किसी भी तरह के दायित्व से बच रहे हैं, क्योंकि यदि वे राष्ट्रीय टीम में शामिल होते हैं, तो उन्हें राज्य सरकार का मंत्री पद छोड़ना पड़ेगा। इन मंत्रियों ने अपनी इस मंशा से पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व को भी अवगत करा दिया है। पार्टी से जुड़े सूत्रों की मानें तो मध्यप्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राकेश सिंह और प्रहलाद पटेल के अलावा कुंवर विजय शाह का नाम भी राष्ट्रीय टीम की संभावित सूची में बताया जा रहा है। आदिम जाति कल्याण मंत्री शाह को लेकर कहा जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद यदि शाह का मंत्री पद नहीं बच पाता है, तो पार्टी उन्हें राष्ट्रीय संगठन में लेकर कोई बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है, जिससे

मध्यप्रदेश में पार्टी का आदिवासी वोट बैंक सधा रह सके। इसी तरह पार्टी तीनों वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल और राकेश सिंह को भी राष्ट्रीय राजनीति में वापस ले जाना चाहती है और उनका उपयोग अगले साल यूपी सहित दूसरे राज्यों के प्रस्तावित विधानसभा चुनाव के लिए कर सकती है। लेकिन ये सभी मंत्री फिलहाल मध्यप्रदेश सरकार में ही अपनी जिम्मेदारी उठाना चाहते हैं। बताया गया है कि पिछले दिनों इन सभी मंत्रियों ने अपनी बातें भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व के समक्ष रख दी है।

संसदीय बोर्ड और सीईसी पर नजर

कहा जा रहा है कि यदि केन्द्रीय संगठन इन मंत्रियों को समझाइश देकर टीम नितिन नवीन में काम करने के लिए मना लेता है,तो फिर इन नेताओं की नजर राष्ट्रीय महासचिव या फिर संसदीय बोर्ड और केन्द्रीय चुनाव समिति पर रहेगी। भाजपा में ये दोनों इकाईयां शीर्ष मानी जाती है,जो पार्टी के अहम फैसले लेती है। चर्चा है कि पार्टी नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और प्रहलाद पटेल को इन दोनों समितियों में स्थान दे सकती है,जिससे इन नेताओं का कद और मजबूत होगा और उससे उनका मध्यप्रदेश की राजनीति में भी प्रभाव बना रहेगा,साथ ही राज्य का राजनीतिक प्रभाव भी राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत होगा।

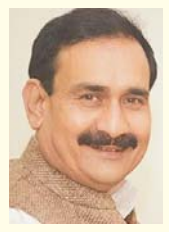

डॉ. नरोत्तम के नाम की भी चर्चा

इधर दतिया उपचुनाव के चर्चाओं के बीच वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का भी नाम राष्ट्रीय टीम की सूची में देखने को मिल सकता है। पार्टी उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जैसे पद पर बैठा सकती है। कहा यह भी जा रहा है कि मध्यप्रदेश की अगले महीने खाली हो रही तीन राज्यसभा सीट के लिए भी पार्टी डॉ. मिश्रा को मैदान में उतारकर पूरी तरह से केन्द्रीय राजनीति में सक्रिय कर सकती है। उनके अलावा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा का भी नाम सामने आ रहा है। हालांकि शर्मा के बारे में कहा जा रहा है कि वे संगठन की टीम से ज्यादा केन्द्र सरकार में शामिल होना चाहते है,लेकिन संगठन का उनके अनुभव के आधार पर यदि पार्टी उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी देगी,तो वे उसे इंकार नहीं करेंगे। पांच बार के सांसद गणेश सिंह का भी नाम राष्ट्रीय टीम की संभावित सूची में हो सकता है। लेकिन सिंह भी संगठन से ज्यादा केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में जगह को प्राथमिकता दे सकते हैं। इसी तरह मध्यप्रदेश से किसी महिला नेत्री को राष्ट्रीय महासचिव पद की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

तिवारी सहित दूसरे भी दावेदार

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जब भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री थे,तब उनके साथ मध्यप्रदेश से आने वाले गौरव तिवारी, राहुल कोठारी और भक्ति शर्मा ने राष्ट्रीय स्तर पर काम किया है। ऐसे में माना जा रहा है कि नवीन की टीम में गौरव तिवारी और भक्ति शर्मा को जगह मिल सकती है। कोठारी पहले से ही प्रदेश के महामंत्री है, ऐसे में उनका राष्ट्रीय टीम में शामिल होना मुश्किल लग रहा है।

प्रदेश को मिलेगा नया प्रभारी

मध्यप्रदेश भाजपा को जल्द ही अपना नया प्रभारी और सहप्रभारी मिल सकता है। कहा जा रहा है कि मौजूदा प्रभारी डॉ. महेन्द्र यादव अब अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव पर अपना पूरा फोकस करेंगे,जिससे उनके स्थान पर पार्टी मध्यप्रदेश में नया प्रभारी बना सकती है। इसी तरह सह प्रभारी सतीश उपाध्याय भी दिल्ली से विधायक है,जिससे उनका भी पूरा समय अपने क्षेत्र व पार्टी द्वारा सौंपी गई दूसरी जिम्मेदारियों पर रहेगा,जिससे मप्र के लिए किसी दूसरे नेता को सहप्रभारी के तौर पर भेजा जा सकता है।

अगले माह मप्र के प्रवास पर आएंगे राहुल गांधी, चुनाव के लिए देंगे टिप्स

अपने विधायकों के क्षेत्रों में राहुल और प्रियंका की सभाएं कराएगी कांग्रेस

विशेष संवाददाता भोपाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अगले माह मध्यप्रदेश के प्रवास पर आ सकते हैं। वे पार्टी के प्रशिक्षण शिविर में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को अगले चुनावों के लिए टिप्स देंगे। ये शिविर उज्जैन या रीवा में आहुत किया जाएगा। निकाय चुनाव की आहट से पहले कांग्रेस अपनी जमीनी पकड़ को और मजबूत बनाने के प्रयास में जुट गई है। पार्टी ने रणनीति बनाई है कि जहां पर कांग्रेस के विधायक हैं,वहां पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के लगातार दौरे लगाए जाए। इतना ही नहीं इन क्षेत्रों में भविष्य में राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी के दौरे और सभाएं भी कराई जाएगी। बताया गया है कि राहुल गांधी के उज्जैन और रीवा दौरे को लेकर कांग्रेस ने अपनी तैयारी भी शुरु कर दी है। राहुल अपने प्रवास के दौरान बूथ मैनेजमेंट और संगठन की ताकत बढ़ाने पर अपना पूरा फोकस रखेंगे।

आदिवासी क्षेत्रों पर भी नजर

पार्टी आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित सीटों पर भी फोकस बनाए हुए है। इसके लिए जहां आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधायक डॉ.विक्रात भूरिया को युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है,तो वहीं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी सभी सीटों पर निरंतर दौरे कर लोगों को पार्टी से जोड़ने के लिए काम करेंगे।

विस्थापन को बनाया जाएगा मुद्दा: कांग्रेस सिंगरौली और केन-बेतवा परियोजना को लेकर किए गए आदिवासियों के विस्थापन को मुद्दा बनाएगी। जिसे विशेष तौर पर आदिवासी अंचल में कांग्रेस द्वारा उठाया जाएगा। कांग्रेस आदिवासियों को यह बताने की कोशिश करेंगी कि भाजपा सरकार विकास के नाम पर आदिवासी वर्ग को सबसे ज्यादा प्रताड़ित कर रही है।

पार्टी बुलाएगी आदिवासी सम्मेलन: जानकारों की माने तो राहुल गांधी के प्रदेश प्रवास के दौरान कांग्रेस आदिवासी सम्मेलन आयोजित कर सकती है। जिसमें पूरे प्रदेश से आदिवासियों को बुलाया जाएगा। बताया गया है कि भोपाल में जल्द ही सम्मेलन को लेकर बैठक हो सकती है,जिसमें सम्मेलन की तैयारियों और उसकी रुपरेखा पर चर्चा की जाएगी।

66 सीटों पर कांग्रेस के विधायक

गौरतलब है कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 66 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी। इनमें से एक सीट विधायक के इस्तीफे के कारण पार्टी ने गंवा दी थी। पार्टी इन सभी सीटों को अगले चुनाव की दृष्टि से सुरक्षित करने के लिए प्रयास में अभी से जुटना चाहती है। इसलिए यहां पर पार्टी राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के दौरे करने पर विचार कर रही है।

> कांग्रेस समय-समय पर अपने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए ट्रेंनिग कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती है। अगले महीने प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाना है,जिसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी आ सकते है। यह शिविर उज्जैन या रीवा में आयोजित किया जाएगा।
>
> **डॉ.संजय कामले** संगठन महासचिव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी

युवाओं को रोजगार दिलाना सरकार की प्राथमिकता: टेटवाल

विसं, भोपाल। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने कहा कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण के साथ उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इस पर अधिकारियों को विशेष ध्यान देना होगा। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी अधिकारी विशेष नजर रखें। मंत्री टेटवाल बुधवार को संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क में विभागीय समीक्षा बैठक एवं कौशलम संवाद कार्यक्रम में अधिकारियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी के लिए प्रभावी एसओपी तैयार करने तथा राज्य स्तरीय टीम द्वारा प्रत्येक माह भौतिक निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। मंत्री ने साफ तौर पर कहा कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। टेटवाल ने कहा कि प्रदेश में कौशल विकास गतिविधियों को अधिक प्रभावी, परिणाममुखी और उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। विभाग के वरिष्ठ अधिकारी कौशल विकास गतिविधियों की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें। कार्यक्रम में संचालक कौशल विकास बसंत कुर्रे, सीईओ एसएसआर ग्लोबल स्किल्स पार्क गिरीश शर्मा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बच्चों के विकास के लिए विभागों में सामंजस्य जरूरी : भूरिया

कार्यशाला में बच्चों के विकास पर दिया गया बल

विशेष संवाददाता, भोपाल। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि प्रदेश के बच्चों के सर्वागींण विकास के लिए सरकारी विभागों में सामंजस्य बनाने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि सरकार के 19 विभाग जब बेहतर समन्वय के साथ काम करेंगे, तो बच्चों के विकास का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। मंत्री भूरिया बुधवार को महिला एवं बाल विकास विभाग तथा यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चाइल्ड बजटिंग इन मध्यप्रदेश विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि बच्चों का विकास केवल संबंधित बाल विकास विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। चाइल्ड बजट स्टेटमेंट में अब 19 विभागों को शामिल किया गया है। स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य और सामाजिक न्याय जैसे सभी विभागों को एक निर्धारित लक्ष्य अनुसार मिलकर काम करना होगा। विभागों के बीच जब बेहतर समन्वय होगा, तभी बजट का वास्तविक लाभ धरातल पर दिखेगा। प्रदेश के 55 जिलों की विविधता का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि हर जिले में बच्चों की आवश्यकताएं अलग हो सकती हैं। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास आयुक्त निधि निवेदिता ने कहा कि राज्य की लगभग 40 प्रतिशत आबादी 3 करोड़ बच्चे हैं। चाइल्ड बजट की रिपोर्टिंग को अधिक वैज्ञानिक और पारदर्शी बनाना अनिवार्य है।विभागों को केवल आंकड़ों पर नहीं, बल्कि साक्ष्यों पर ध्यान देना होगा कि उनकी योजनाओं का वास्तविक लाभ बच्चों तक कैसे पहुंच रहा है। यूनिसेफ मध्यप्रदेश के चीफ फील्ड स्टॉफ, विलियम हैनलोन ने कहा कि मध्यप्रदेश चाइल्ड बजटिंग के 5 सफल वर्ष पूरे कर चुका है और यह केवल खर्च की रिपोर्टिंग से आगे बढ़करपरिणाम-आधारित बजटिंग की ओर बढ़ रहा है। यूनिसेफ की सोशल पॉलिसी चीफ (दिल्ली) क्रिस्टीना पोपीवानोवा ने मध्यप्रदेश की इस पहल को संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार कन्वेंशन के अनुरूप बताया। संयुक्त संचालक अभिताभ अवस्थी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बाल बजट के अंतर्गत 75 हजार 587 करोड़ का प्रावधान किया गया है। यह राशि राज्य के कुल बजट का 19.4 प्रतिशत और सकल घरेलू उत्पाद का 4.1 प्रतिशत है।

ऑक्शन में प्रारंभिक न्यूनतम दर की तुलना में 35 प्रतिशत कम दर मिली

प्रदेश में पहली बार हुई ई-रिवर्स ऑक्शन

विसं, भोपाल । प्रदेश के सोलर पार्को की आतंरिक विद्युक निकासी प्रणाली के संचालन एवं संधारण के लिए पहली बार बुधवार को ई-रिवर्स ऑक्शन कराया गया,जिसमें प्रारंभिक न्यूतम दर की तुलना में 35 प्रतिशत कम दर प्राप्त हुई। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड द्वारा राज्य के विभिन्न सोलर पार्कों की आंतरिक विद्युत निकासी प्रणाली (उपकेन्द्र एवं उनसे संबंधित ट्रांसमिशन लाइनों) के संचालन एवं संधारण कार्य के लिये प्रदेश में पहली बार सफलतापूर्वक ई-रिवर्स ऑक्शन हुई। परियोजना के अंतर्गत लगभग 1930 एमवीए क्षमता के पूलिंग सब-स्टेशनों तथा लगभग 171 किलोमीटर लंबी 220 केवी ट्रांसमिशन लाइनों का संचालन एवं रख-रखाव किया जाएगा। तकनीकी मूल्यांकन के बाद वित्तीय बोली में प्राप्त प्रारंभिक न्यूनतम दर (बेस्ट कोट/एल-1 रेट) रुपये 1,34,93,280.97 थी। प्रतिस्पर्धात्मक बोली प्रक्रिया के परिणामस्वरूप अंतिम दर घटकर रुपये 88,43,280.97 प्राप्त हुई, जो प्रारंभिक एल-1 दर की तुलना में लगभग 35 प्रतिशत कम है। इस संबंध में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने बताया कि आरयूएमएसएल द्वारा अपनाई गई यह पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धात्मक निविदा प्रक्रिया सार्वजनिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा लागत में उल्लेखनीय बचत सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुलताई नपा अध्यक्ष भाजपा में शामिल

विशेष संवाददाता भोपाल। बैतूल जिले में आने वाली मुलताई नगर पालिका की अध्यक्ष नीतू परमार ने बुधवार को भाजपा में शामिल हो गई। भाजपा कार्यालय में उन्हें प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर अध्यक्ष ने कहा कि उनकी घर वापसी हुई है।

प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल ने नीतू और उनके पति प्रहलाद सिंह परमार को अंगवस्त्र पहनाकर उनका पार्टी में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन एक परिवार है।हम सभी कार्यकर्ता परिवार भाव से मिलकर संगठन को कार्यो को आगे बढ़ाऐं और सरकार के कार्यो को जनता तक पहुंचाएंगे। कांग्रेस पार्टी में जनता की सेवा करने वाले कार्यकर्ताओं के लिए कोई स्थान नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। देश

और प्रदेश की जनता लगातार भाजपा पर भरोसा कर रही है। भाजपा संगठन साफ सुधरी राजनीति करने वाले के लिए अनुकूलता प्रदान करना और मौका देने का काम करता है। इस मौके पर अपने संबोधन में नीतू परमार ने कहा कि मैं पहले भी भाजपा की सदस्य रही हूं। वर्षो तक भाजपा संगठन में एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह रहकर कार्य किया है। भाजपा मेरा परिवार है और मैं इसकी सदस्य हूं। मुलताई नगर पालिका क्षेत्र में रहने वाली जनता की सेवा और अधिक प्रभावी रुप से कर सकूं,इसलिए भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है।

नीट परीक्षा घोटाला युवाओं के भविष्य से खिलवाड़: पटवारी

विशेष संवाददाता भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार और आरएसएस युवाओं किसानो, आदिवासियों और देश के भविष्य के साथ विश्वासघात कर रही है। नीट परीक्षा घोटाला इसका जीता-जागता उदाहरण है। पटवारी ने कहा कि आज देश जिन दो बड़े संकटों से गुजर रहा है, उनमें पहला युवाओं के भविष्य से जुड़ा नीट घोटाला और दूसरा केन-बेतवा परियोजना के नाम पर आदिवासियों का शोष है। ये देश की आत्मा और भविष्य से जुड़े गंभीर प्रश्न हैं। पटवारी ने कहा कि लगभग 24 लाख विद्यार्थियों ने ने नीट परीक्षा दी,लेकिन एक बार फिर पेपर लीक और धांधली ने मेहनतकश विद्यार्थियों और उनके परिवारों के सपनों को तोड़ दिया। पटवारी ने कहा कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी वर्ष 2017,2021 सहित कई परीक्षाओं में इस प्रकार की घटनाएं सामने आती रही हैं। आरोप लगाया कि भाजपा की कार्यप्रणाली में राजनीतिक जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति शामिल है। हर बार सरकार और भाजपा नेताओं को बचाकर पूरा दोष कर्मचारियों और अधिकारियों पर डाल दिया जाता है। उन्होंने कहा कि जितनी भी बड़ी परीक्षा धांधलियां हुई हैं,उनमें किसी न किसी रूप में भाजपा से जुड़े लोग,कार्यकर्ता या राजनीतिक संरक्षण सामने आया है। भाजपा और आरएसएस की विचारधारा शिक्षा व्यवस्था में हस्तक्षेप कर अपने लोगों को विभिन्न संस्थानों में स्थापित करने का प्रयास करती है।

बदलाव

अब अस्थायी प्रमाणपत्र के जरिए पेंशन और सरकारी लाभ मिलेगा, पोर्टल में हुए बदलाव

दिव्यांगजन 19 लाख, लेकिन सर्टिफिकेट सिर्फ 10 लाख के पास

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश में लगभग 9 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को अब अस्थायी सर्टिफिकेट के जरिए पेंशन और सरकारी योजनाओं का लाभ देने की तैयारी कर ली गई है। इसके लिए सामाजिक न्याय विभाग ने अपने पोर्टल में बदलाव भी कर दिए हैं। एमपी में दिव्यांगजनों की कुल संख्या 19,08,875 मानी गई है, जबकि इनमें से केवल 10,06,620 के पास ही दिव्यांगता का प्रमाणपत्र है। इन आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में दिव्यांगजनों के केवल 52.73 फीसदी यूडीआईडी (यूनिक डिसेबिलिटी आईडी) ही जारी किए गए हैं। ऐसे में लाखों की संख्या में दिव्यांग अपनी पेंशन के लिए सरकारी दफ्तरों के महीनों से चक्कर लगा रहे थे। केंद्र सरकार के निर्देश पर 1 अप्रैल 2025 से सभी सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ उठाने के लिए यूडीआईडी कार्ड अनिवार्य कर दिया गया है। इस स्वावलंबन कार्ड के जरिए ही सरकारी योजनाओं, पेंशन, छात्रवृत्ति, रेलवे रियायत आदि का लाभ दिया जा रहा था। ऐसे में जिन दिव्यांगों के पास यह सर्टिफिकेट नहीं था, उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था।

तकनीकी बाधा के कारण अटक गई थी मदद

एमपी में सामाजिक न्याय विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा दिव्यांगों को सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए आवेदन को ऑनलाइन कर दिया गया था। इसमें केवल परमानेंट सर्टिफिकेट का नंबर डालने पर ही पेंशन और अन्य लाभ मिल पा रहे थे। पोर्टल में अस्थायी सर्टिफिकेट के लिए कोई कॉलम न होने के कारण पिछले कुछ महीनों से लाखों दिव्यांग परेशान थे। अब सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने साफ कर दिया है कि अस्थायी दिव्यांगता प्रमाणपत्र के आधार पर मिलने वाली पेंशन और अन्य योजनाओं के लाभ में कोई तकनीकी बाधा नहीं आएगी। संचालनालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, एनआईसी ने पेंशन पोर्टल पर तकनीकी अपडेट कर दिए हैं। अब अस्थायी दिव्यांगता प्रमाणपत्र के आधार पर भी पेंशन के लिए नए आवेदन किए जा सकेंगे और उन्हें ऑनलाइन मंजूरी दी जाएगी।

इन विशेष श्रेणियों पर रहेगी नजर

विभाग ने जिला स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यदि 4 विशेष श्रेणियों के अतिरिक्त किसी अन्य अस्थायी दिव्यांगता के आधार पर आवेदन दर्ज करने में कोई समस्या आती है, तो उसकी जानकारी तत्काल संचालनालय को दी जाए। इससे तकनीकी टीम तुरंत उस प्रकरण का परीक्षण कर हल करेगी। विभाग के उप संचालक डॉ. श्रवण कुमार पचौरी ने इस संबंध में प्रदेश के सभी कलेक्टरों, नगर निगम आयुक्तों, जिला पंचायत सीईओ और सामाजिक सुरक्षा अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश जारी कर दिए हैं। गौरतलब है कि प्रदेश में दिव्यांगजनों को सर्टिफिकेट और आईडी जारी करने का जिम्मा जिला अस्पतालों को सौंपा गया है, लेकिन वहाँ मेडिकल बोर्ड के अभाव या अन्य कारणों से दिव्यांगजनों के सर्टिफिकेट जारी करने की रफ्तार बेहद सुस्त है। यही वजह है कि अब भी प्रदेश में लाखों दिव्यांगजनों को यूडीआईडी जारी नहीं हो सका है।

फैक्ट फाइल

- राच्य की अनुमानित जनसंख्या - 8,58,00,000
- दिव्यांगजनों की अनुमानित जनसंख्या - 19,08,875
- कुल जारी यूडीआईडी कार्ड - 10,06,620
- यूडीआईडी कार्ड जारी होने का प्रतिशत- 52.73 प्रतिशत
- एक साल में जारी यूडीआईडी कार्ड - 78,926
- सबसे अधिक यूडीआईडी वाले 5 जिले - जबलपुर (50,367), बालाघाट (37,598), भिंड(36,813), छिंदवाड़ा (36,005), रतलाम (33,378)
- सबसे कम यूडीआईडी वाले 5 जिले - मऊगंज(61), मैहर (101), निवाड़ी(5,655), आगर-मालवा (6,740), अलीराजपुर (7,805)

एएसआई 20 और बाबू 10 हजार की घूस लेते गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। बुधवार को लोकायुक्त पुलिस की जबलपुर यूनिट ने सिवनी जिले में छापे मारकर रिश्वत लेते दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। टीम ने पहली कार्रवाई जिले के धनौरा विकासखंड स्थित ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर (बीईओ) के दफ्तर में की। यहां पदस्थ स्थापना शाखा के क्लर्क अरुण कुमार को देवेंद्र कुमार से 10,000 की घूस लेते गिरफ्तार किया है। देवेंद्र कुमार पूर्व में सिवनी जिले के ही भीमगढ़ में पदस्थ थे, जहां उन्हें निलंबित किया गया था। बहाली के बाद उनकी पदस्थापना धनौरा में हुई। निलंबन अवधि का जीवन निर्वाह भत्ता 1.65 लाख रुपये बकाया था। भुगतान के एवज में अरुण ने 32,000 मांगे थे। दोनों के बीच 25 हजार रुपये में सौदा तय हुआ। बुधवार को दफ्तर में ही रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 10,000 रुपये लेते हुए अरुण कुमार कुमरे को लोकायुक्त की टीम ने दबोच लिया।

चाय की दुकान पर रिश्वत लेते ही पुलिसकर्मी को दबोचा: दूसरा मामला सिवनी जिले के ही कोतवाली थाने का है। यहाँ भी लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने थाने में पदस्थ एएसआई दिनेश रघुवंशी को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। सिवनी जिले के छितापार निवासी नंदकिशोर चौरसिया के पुत्र के साथ नौकरी दिलाने और गाड़ी लगवाने के नाम पर हुई ठगी के मामले में कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। मामले की जांच कर रहे दिनेश रघुवंशी ने केस की सही रिपोर्ट बनाने और दस्तावेजों में फर्जी हस्ताक्षरों की जांच कराने के बदले में 30 हजार रुपये की डिमांड की थी। सौदेबाजी के बाद मामला 20,000 रुपये में तय हुआ। इसके बाद लोकायुक्त पुलिस ने जाल बिछाया और बुधवार को जैसे ही बस स्टैंड स्थित एक चाय की दुकान पर दिनेश ने 20 हजार के नोट हाथ में लिए, वैसे ही टीम ने उसे दबोच लिया। दिनेश के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7, 13(1)बी और 13(2) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जानकारी के अनुसार इस मामले में एसपी ने एएसआई को निलंबित भी कर दिया है।

दैनिक जागरण
भोपाल, 14 मई 2026

राजधानी जागरण

03

राजधानी का तापमान/मौसम
अधिकतम 39.8°c न्यूनतम 22.8°c
राजधानी में गर्मी शबाब पर है। आज भी तापमान बढ़ने के आसार हैं।

•11• राज्य •31• संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित
www.dainikjagranmpcg.com

नगर में आज

एक शाम मां के नाम
- **स्थान:** आई.टी.आई सभागार, गोविंदपुरा
- **समय:** शाम 4:00 बज से

आर्ट कैंप
- **स्थान:** ध्रुपद संस्थान
- **समय:** सुबह 9:30 बजे से

'माह का प्रादर्श'
- **निंगला पा-थोई:** एक अनुष्ठानिक परिधान
- **स्थान:** मानव संग्रहालय
- **समय:** दोपहर 12 बजे से

73 शलाका चित्र प्रर्दशनी
- **स्थान:** लिखन्दरा दीर्घा, जनजातीय संग्रहालय
- **समय:** दोपहर 12 बजे से

संक्षिप्त खबरें

पार्क में युवती के साथ बैठने पर चाकू से हमला

जागरण, भोपाल। बागसेवनिया क्षेत्र में पार्क में युवती के साथ बैठे युवक पर बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार 26 वर्षीय सत्यम प्रजापति मंडीदीप का रहने वाला है। वह मैग्नम कंपनी में काम करता है। जहां 19 वर्षीय युवती हर्षिता भी काम करती है। दोनों दोस्त हैं। मंगलवार को शाम साढ़े 8 बजे वह हर्षिता के साथ होशंगाबाद रोड स्थित एम्प्री पार्क के पास बैठा था। इस दौरान तीन युवकों ने उसके पास जाकर कहा कि लड़की के साथ क्यों बैठा है। जिसके बाद वे गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने चाकू से युवक पर हमला कर दिया। जिससे उसके गाल और दाहिने हाथ में गंभीर चोटें आई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। बाद में पीड़ति ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इलाके में सीसीटीवी फुटेज नहीं लगे होने की चलते आरोपियों पहचान नहीं हो पा रही है। मामले की जांच जारी है।

घर से 500 मीटर दूर कुएं में मिला महिला का शव

जागरण, भोपाल। नजीराबाद थाना क्षेत्र में 25 वर्षीय महिला की कुएं में गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने शुरुआती जांच में पानी भरने के दौरान हादसा होने की पुष्टि की है। कुआ महिला के घर से 500 मीटर की दूरी पर स्थित है। पुलिस के अनुसार 25 वर्षीय कुंती बाई पति करण बंजारा चोपन टोला में रहती है। वह गृहणी थी। जबकि उसका पति निजी काम करता था। उनके दो बच्चे है। मंगलवार शाम 6 बजे ग्रामीणों ने उसका शव कुएं में देख तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले में पुलिस का कहना है महिला ने आत्महत्या की है या फिर पैर फिसलने से हादसा हुआ यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। फिलहाल परिजन के आधार पर आगे की जांच कर रही है।

तेज गर्मी का असर, सूखने लगा बड़े तालाब का पानी

भोपाल। राजधानी में तेज गर्मी का दौर जारी है। तेजी से वाष्पीकरण होने से भोपाल की लाइफलाइन कहे जाने वाले बड़े तालाब का दायरा सिकुड़ने लगा है। एक माह पहले तक तालाब के बिशनखेड़ी वाले इलाके में लबालब पानी था, लेकिन अब दायरा सिमट गया है और यहां मैदान जैसा नजारा दिखने लगा है। बड़े तालाब का फुल टैंक लेवल 1666.80 फीट है। पिछले मानसून में तालाब अधिकतम स्तर तक भर गया था, लेकिन भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के कारण जलस्तर में तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है। किनारे के इलाकों में पानी पीछे हटने से तालाब का कैचमेंट एरिया अब धीरे-धीरे सूखे मैदान में तब्दील होने लगा है। *फोटोः- एचसी वर्मा*

युवक से मारपीट पर भड़के लोग, पुराने शहर में देर रात निकली भीड़, पुलिस वाहनों पर पथराव

पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया, पुराने शहर में धारा 144 लागू, 24 घंटे से पुलिस बल तैनात, 4 गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गोविंदपुरा के गौतम नगर में हिंदू युवती के साथ होटल में मिले मुस्लिम युवक से मारपीट और धार्मिक भावनाओं को आहत करने के मामले में मंगलवार देर रात पुराने शहर में युवा भड़क उठे। दो-ढाई हजार युवा भीड़ के रूप में निकले, जिससे तनाव की स्थिति बन गई। भीड़ को रोकने पुलिस पहुंची तो उनके वाहनों पर पथराव कर दिया। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर किया। उनके बीच कोई लीडर या जनप्रतिनिधि नहीं था।

भीड़ ताजुल मस्जिद, पीरगेट और इमामी गेट पर जमा थी। वह युवक के साथ मारपीट करने वाले लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट और गिरफ्तारी की मांग पर अड़े थे। देर रात दो बजे तक प्रदर्शन चला। इस बीच पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झूमाझटकी भी हुई। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने पुराने शहर में धारा 144 लागू कर दी। शहर काजी और हिंदू संगठनों ने शहर में शांति बनाए रखने की अपील की है। इस मामले में तलैया पुलिस ने अज्ञात के अलावा कुछ नामजद लोगों के खिलाफ पुलिस वाहनों पर पथराव समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर 4

लोगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, बीती 9 मई को गौतम नगर स्थित एक होटल में हिंदू संगठन से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं ने एक मुस्लिम युवक और हिंदू युवती को पकड़ लिया था। आरोप है कि युवक के साथ मारपीट की गई, उसके चेहरे पर स्याही और गोबर पोता गया तथा उसे अर्धनग्न हालत में पुलिस के हवाले किया गया। इस दौरान धार्मिक भावनाएं आहत करने वाली आपत्तिजनक टिप्पणियां भी की गईं, जिनके वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। घटना के विरोध में मंगलवार दोपहर को मुस्लिम समाज के सैंकड़ों लोग ताजुल मस्जिद के बाहर एकत्र हुए। इसके बाद शहर काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी, विधायक आरिफ मसूद और विधायक अतीक अकील ने पुलिस कमिश्नर संजय कुमार से मुलाकात कर आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस कमिश्नर ने आश्वासन दिया है कि कानून के तहत विधिसंगत कार्रवाई की जाएगी।

आरोपियों की हुई पहचानः इधर, गोविंदपुरा पुलिस ने मुस्लिम युवक से मारपीट और धार्मिक टिप्पणी करने के मामले में धारा 299 बीएनएस के तहत केस दर्ज किया है। वीडियों फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान रोहित सिंह, बृजेंद्र प्रजापति, जीतू कुशवाह, रंजीत सूर्यवंशी, लाला राम मीणा के रूप में हुई है। मामले में धारा 191(2),3(5) बीएनएस का इजाफा किया गया। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसमें एक नाबालिग शामिल है।

स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है : डीसीपी

रात 10 बजे के बाद लोग ताजुल मस्जिद से शाहजहांनाबाद पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस की कार्रवाई धीमी है। उन्होंने आरोपियों पर एनएसए लगाने, गिरफ्तारी के बाद जुलूस निकालने और बुल्डोजर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान जमकर नारेबाजी हुई। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रास्ते बंद किए। रात 12 बजे थानों से बल बुलाया गया। क्यूआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। भीड़ ने पुलिस वाहन पर पथराव किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। पूरे घटनाक्रम के बाद पुराने शहर के कई संवेदनशील इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। डीसीपी जोन-श्री आयुष गुप्ता ने बताया कि स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। पथराव करने वालों के खिलाफ तलैया थाने में एफआईआर की गई है। 3-4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

एकत्रित हुए युवाओं पर नाराजगी : भोपाल शहर काजी मुश्ताक अली नदवी ने कहा गोविंदपुरा मामले में प्रशासन ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, अल्लाह की शान में गुस्ताखी करने वालों के खिलाफ एकत्रित हुए युवाओं पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा ऐसी सियासत आइंदा न करें। सोशल मीडिया पर गलत खबरें ना फैलाएं, जिससे शहर का माहौल खराब हो। इधर, हिंदू उत्सव समिति व संस्कृति बचाओ मंच अध्यक्षह्लाचंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि भोपाल में लव जिहाद न फैलाएं। इसमें सुधार लाया जाए।

> पीरगेट और मोती मस्जिद के पास प्रदर्शन के नाम पर हंगामा करने और पत्थर फेंकने वाले एक दर्जन से अधिक लोगों पर एफआईआर दर्ज कर ली है। वीडियो के आधार पर पहचान कर आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।
>
> **संजय कुमार,** पुलिस कमिश्नर

रिटायर डिप्टी कमिश्नर के खाते से एक लाख उड़ाए

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। आदि जाति विभाग से रिटायर्ड डिप्टी कमिश्नर डॉ. बलवान सिंह के साथ एक लाख रुपए ठगी हो गई। उनके खाते से जालसाज ने यह रकम उड़ा ली। 81 वर्षीय डॉ. बलवान सिंह सीआई पार्क न्यू कालोनी में रहते हैं। उम्र च्यादा होने के कारण घर में उन्होंने एक केयर टेकर रखा है। जनवरी माह में उनकी तबीयत ठीक नहीं थी इसलिए वह अपने बैंक में पासबुक की एंट्री कराने के लिए नहीं जा पाए। पिछले दिनों तबियत में सुधार होने पर वह बेटे के साथ बैंक पहुंचे। यहां उन्होंने जब पासबुक में एंट्री कराई तो पता चला कि उनके खाते से फरवरी माह में यूपीआई के माध्यम से 1 लाख 2 हजार रुपए निकाले गए है। जबकि इस दौरान उन्होंने किसी भी तरह का कोई ट्रांजेक्शन नहीं किया था।

छत पर घूम रहे युवक को लगा करंट, मौत

जागरण, भोपाल। टीटी नगर थाना क्षेत्र में करंट लगने से युवक की मौत हो गई। घटना के वक्त वह छत पर घूम रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 56 वर्षीय मोहनलाल प्रजापति पंचशील नगर में रहते थे। वह निजी काम करते थे। मंगलवार रात को वह खाना खाने के बाद छत पर टहल रहे थे। जहां पड़ी खुली तार से उन्हें करंट का तेज झटका लग गया। जिससे वे बेसूध होकर जमीन पर गिर पड़े। बाद में परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे तो डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कालाबाजारी: मिलिट्री गैस एजेंसी का वाहन जब्त

खाद्य विभाग के अमले ने की कार्रवाई, जानकारी लगने के बाद आर्मी के मेजर भी पहुंचे मौके पर

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर में गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी के बीच खाद्य आपूर्ति विभाग के अमले ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए मिलिट्री गैस एजेंसी के कथित वाहन (एमपी 04 जीबी 4770) को जब्त कर 18 एलपीजी गैस सिलेंडर बरामद किए हैं, कलेक्ट्रेट के सामने अचानक हुई इस कार्रवाई के दौरान मौके पर भीड़ लग गई। बताया जा रहा है कि वाहन पर मिलिट्री गैस एजेंसी का पास चस्पा था। मामले को देखते हुए सेना के मेजर भी मौके पर पहुंचे और इस मामले की सैन्य स्तर पर जांच कराने की बात कही है। खाद्य आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि वाहन जानकारी मिलने के बाद कलेक्ट्रेट के सामने से गुजर रहे इस वाहन को रुकवाया गया तो इस पर मिलिट्री गैस

एजेंसी का पास चस्पा था। सामान्य नागरिक क्षेत्र में सैन्य वाहन की मौजूदगी पर संदेह होने पर अमले ने वाहन को रुकवाया था। पूछताछ के दौरान चालक ने बताया कि वह एसी लेकर आ रहा है, लेकिन वाहन की जांच करने पर अंदर 18 एलपीजी गैस सिलेंडर लदे मिले। जब चालक से इनका बिल मांगा गया, तो वह कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। जिसके बाद वाहन रुकवाकर इसकी जांच की गई। कार्रवाई के दौरान नाप-तौल विभाग की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। नाप-तौल की टीम जांच ने जांच के बाद बताया कि वाहन में 18 में से 9 सिलेंडर सील बंद होने के बावजूद उनमें 2 से 3 किलो गैस कम थी। इसके बाद प्रशासन ने कालाबाजारी की आशंका के तौर पर वाहन को जब्त कर लिया। संभवतः इन गैस सिलेंडरों को ब्लैक में बेचने के लिए ले जाया जा रहा होगा। सहायक आपूर्ति अधिकारी संदीप भार्गव ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सेना को सूचित किया गया, जिसके बाद आर्मी के मेजर मौके पर पहुंचे। खाद्य विभाग ने आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर वाहन और 9 सिलेंडर जब्त कर लिए हैं, शेष 9 सिलेंडर कम वजन मिलने के कारण नाप-तौल विभाग ने अपनी कस्टडी में लिए हैं। वहीं मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर जिला कलेक्टर को सौंपी जाएगी।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर बदमाशों ने किया हमला

जागरण, भोपाल। कोहेफिजा इलाके में चार बदमाशों ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने चार आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार मोहम्मद युसूफ खानूगांव में रहता था। वह सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। आरोपी उसके दोस्त है। कुछ समय पहले उसका समीर बब्बा नामक युवक से विवाद हुआ था। मंगलवार शाम 6 बजे उसने उसे मिलने के लिए बुलाया था। जहां समीर बब्बा और उसके साथी अब्दुल्लाह, फारूकी खड़े थे। जहां आपसी बातचीत के दौरान वे गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने मारपीट कर नुकीली चीज से हमला कर दिया। जिससे उससे हाथ में गंभीर चोट आई है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपी बब्बा, अब्दुल्लाह, फारूकी, अरशद व साथी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जयश्री गायत्री फूड्स के संचालक के खिलाफ ईडी ने दाखिल की चार्जशीट

मिलावटी दुग्ध उत्पाद और एक्सपोर्ट के लिए फर्जी दस्तावेज बनाने का आरोप

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल में मिल्क प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की मुश्किलें अब और बढ़ गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की भोपाल यूनिट ने कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर किशन मोदी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत स्पेशल कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। ईडी से मिली जानकारी के अनुसार, इस चार्जशीट पर कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संज्ञान भी ले लिया है। ईडी ने करोड़ों के इस काले कारोबार और हवाला के मुख्य आरोपी मैनेजिंग डायरेक्टर किशन मोदी को 13 मार्च को गिरफ्तार किया था। इसके बाद कंपनी के सीईओ सुनील त्रिपाठी को 20 अप्रैल को पकड़ा गया। फिलहाल ये दोनों न्यायिक हिरासत में जेल में हैं। ईडी इस मामले में शामिल कंपनी के अन्य अफसरों और कर्मचारियों की भूमिका की भी बारीकी से जांच कर रही है।

ईओडब्ल्यू की एफआईआर के बाद मारे थे छापे

इस मामले की शुरुआत भोपाल के हबीबगंज थाने और ईओडब्ल्यू में दर्ज उन एफआईआर से हुई थी, जिनमें कंपनी के निदेशकों और अधिकारियों पर धोखाधड़ी के आरोप लगे थे। जब ईडी ने मामले की गहराई से जांच की, तो चौंकाने वाले खुलासे हुए। जांच में पाया गया कि यह कंपनी डेयरी उत्पादों में असली दूध के फैट की जगह पाम ऑयल और अन्य हानिकारक चीजों की मिलावट कर रही थी। यह सिर्फ व्यापारिक धोखाधड़ी नहीं थी, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ भी था। इस मामले में पिछले साल ईडी के छापों के बाद कंपनी के संचालक की पत्नी ने जहर खाकर जान देने की कोशिश की थी और ईडी की रेड के लिए केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को जिम्मेदार ठहराया था।

अब तक 19 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच

ईडी ने चार्जशीट में दावा किया है कि कंपनी ने मिल्क मैजिक नाम के ब्रांड से बिकने वाले इन मिलावटी उत्पादों को बड़े पैमाने पर विदेश में भी एक्सपोर्ट किया। विदेश भेजने के लिए जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी करने के लिए कंपनी ने नामी लैबोरेट्रीज की फर्जी टेस्ट रिपोर्ट तैयार कीं। इन जाली रिपोर्ट्स को एक्सपोर्ट इंस्पेक्शन एजेंसी के सामने पेश किया गया ताकि एक्सपोर्ट क्लीयरेंस मिल सके। जब ईडी ने संबंधित लैबोरेट्रीज से इन रिपोर्ट्स की पुष्टि की, तो पता चला कि वे पूरी तरह फर्जी थीं। जांच में सामने आया है कि इन फर्जी रिपोर्टों के दम पर मिलावटी सामान बेचकर कंपनी ने करीब 19.69 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की। ईडी ने कानून की भाषा में इसे प्रोसीड्स ऑफ क्राइम यानी अपराध की कमाई माना है, जिसे कंपनी के बैंक खातों के जरिए घुमाया गया था। इस मामले में ईडी पहले ही कंपनी की लगभग 19 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच कर चुकी है।

अनदेखी भोपाल की ग्राम पंचायतों में नहीं उठ रहा कचरा, सरपंच बोले स्थानीय दुकानदार स्वच्छता में नहीं कर रहे सहयोग

ईंटखेड़ी में गंदगी के ढेर छिपाने के लिए लगाई ग्रीन नेट

जागरण संवाददाता, भोपाल। भोपाल ग्रामीण में स्वच्छता कार्य चरमराया हुआ है। ग्रामीण इलाकों में न तो समय पर कचरा उठ पा रहा है और न ही रोजाना नियमित सफाई का काम हो पा रहा है। नतीजतन कई जगहों पर कचरे के ढेर लगे हैं, जिन्हें छिपाने के लिए मुख्य मार्गों पर ग्रीन नेट लगाई जा रही है। यह समस्या केवल एक ग्राम पंचायत की नहीं है, बल्कि सभी जगहों पर यही स्थिति देखने को मिल रही है। इस विषय पर जब विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों से बात की गई तो उनका कहना है कि स्थानीय रहवासियों व दुकानदारों से समय पर स्वच्छता कर नहीं मिल पा रहा है, जिस कारण सफाई कार्य बाधित हो रहा है। अचारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया के पास स्थित ईंटखेड़ी ग्राम पंचायत में कई जगहों पर कचरे के ढेर लगे हुए हैं। भोपाल-बैरसिया मार्ग पर बाजार के ठीक सामने कचरे के ढेर के कारण

ईंटखेड़ी ग्राम पंचायत के मुख्य मार्ग पर स्थित बाजार के ठीक सामने हमेशा कचरे के ढेर लगे रहते हैं, जिन्हें ग्रीन नेट लगाकर छिपाया जा रहा है।

अस्थाई खंती ही बन गई है। इस इलाके में यह स्थिति हमेशा रहती है। पूर्व में कई बार स्वच्छता को लेकर प्रयास किए गए, लेकिन स्थिति नहीं सुधर सकी।

आयोजनों के दौरान गांवों में बने मैरिज गार्डन संचालक करते हैं गंदगी

शहर के बाहर बने मैरिज गार्डन में आयोजनों के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है। आयोजन के बाद इस सिंगल यूज प्लास्टिक को खुले में फेंका जाता है, जिससे इलाके में गंदगी बढ़ती है। इन गार्डन संचालकों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। इस गंदगी को मैरिज गार्डन संचालक आसपास के खेतों, नदी और पोखरों के ग्रीन बेल्ट के पास फेंक रहे हैं। जिससे ग्रामों में स्वच्छता अभियान प्रभावित हो रहा है। बैरसिया रोड स्थित गोलखेड़ी, मस्तीपुरा, रातताल खजूरी और आसपास की अन्य ग्राम पंचायतों में भी यही स्थिति है। कई बार शिकायत के बाद भी स्वच्छता कार्य में सुधार नहीं हो पा रहा है। इस संबंध में ईंटखेड़ी ग्राम पंचायत के सरपंच हरि सिंह सैनी का कहना है कि मुख्य मार्ग पर मौजूद दुकानों और मैरिज गार्डन संचालकों द्वारा स्वच्छता कर नहीं दिया जा रहा है, जिसके कारण ईंटखेड़ी व आसपास की अन्य ग्राम पंचायतों में कचरा फैल रहा है। इस संबंध में वे जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी को भी जानकारी दे चुके हैं।

www.dainikjagranmpcg.com
दैनिक जागरण
सप्तरंग
04
भोपाल 14 मई 2026, गुरुवार

अंतस और अध्यात्म का

बरगद की शरण में ध्यान और ज्ञान

पर्व संस्कृति

सद्गुरु
आध्यात्मिक गुरु

पेड़-पौधों का व्यक्तियों के साथ संवेदनशील संबंध होता है। वे हमारे लिए जीवन का वातावरण तैयार करते हैं। तभी तो बरगद जैसे संवेदनशील वट-वृक्षों की हमारे यहां पूजा होती है।

पेड़-पौधे आपकी भावनाओं और सोच के प्रति बहुत संवेदनशील होते हैं, विशेष रूप से कुछ पेड़-पौधे। माना जाता है कि फिक्स प्रजाति के पेड़- पौधे, जैसे बरगद का पेड़ और उस परिवार के और दूसरे पेड़ बहुत संवेदनशील होते हैं। यही वजह है कि उन्हें भारत में ध्यान के लिए चुना जाता है। उनकी पूजा भी होती है। अगर आप बरगद या ऐसे ही किसी वटवृक्ष के नीचे साधना करते हैं, तो यह आपके लिए ध्यान का माहौल तैयार कर देता है। यह स्वयं में एक ध्यान कक्ष बन जाता है।

आपके द्वारा उपजाई गई ऊर्जा के प्रति ये पौधे बहुत संवेदनशील होते हैं। जब हम ध्यानलिंग तैयार कर रहे थे, तब मैंने पाया कि कुछ पौधे उस माहौल के लिए प्रतिक्रिया देते हुए अपना सहयोग दे रहे थे। यह वास्तव में अद्भुत था। अगर आपके पास बहुत सारे पेड़ हैं और वहां ध्यान होता है तो उस क्षेत्र की ध्यानपरक विशेषता को बनाए रखना आसान होगा। क्योंकि पेड़-पौधे उस विशेषता को संजोए रखते हैं। कहा जाता है कि जब गौतम बुद्ध चलते थे तो बहुत सारे पौधे बेमौसम ही खिल उठते थे। हो सकता है कि यह काव्यात्मक अभिव्यक्ति हो, पर यह सच भी हो सकता है।

दक्षिण भारत, कर्नाटक के बिलिगिरिरंगा पहाड़ियों में डोडा संपिगे (चंपा) नामक पेड़ है। कहते हैं कि उसे अगस्त्य मुनि ने लगाया था। यह बहुत विशाल और विस्तृत हो गया है। इस संस्कृति में हजारों सालों से उन्हें जीवन और विवेक का रूप मानने की परंपरा रही है। पेड़ों को ऊंचा मानकर उनसे कुछ ज्ञान प्राप्त करने की परंपरा हमेशा रही है।

एक बार मैं यूरोप में इकोलाजी समिट में गया था । वहां एक प्रोफेसर ने मुझसे कहा, आप कही हैं ना, पौधे लगाने वाले अद्भुत इंसान? मैंने कहा, नहीं, मैं इंसानों को खिलाने का काम करता हूं। यदि हम पूरी समझ और जागरूकता के साथ खिलेंगे और पर्यावरण से जुड़ेंगे, तब हमें पता चलेगा कि हम और पर्यावरण अलग-अलग नहीं हैं। सीधे शब्दों में कहें तो जब आप सांस छोड़ रहे हैं तो पेड़ उसे ले रहे हैं। पौधे जो सांस छोड़ रहे हैं, उसे आप ले रहे हैं। मात्र आधा श्वसन तंत्र आपकी छाती में है।

आधा तो पेड़ पर है। अगर आपने उस आधे को नहीं संभाला तो बाकी आधे का वजूद खतरे में आ जाएगा। पारिस्थितिकी हमारा जीवन है। लोग सोच रहे हैं कि उनका शरीर ही जीवन है, इसलिए उन्हें केवल अपने में ही जीवन दिखता है। अगर आप आध्यात्मिक रूप से जागे हुए हैं, तो आपको पता होगा कि हर वस्तु में जीवन है। तब आपको कहना नहीं होगा कि आप पर्यावरण की रक्षा करें। पेड़, पौधों, जीवों की रक्षा करें।

मानस रोग

स्वामी मैथिलीशरण
संस्थापक अध्यक्ष,
श्री रामकिंकर
विचार मिशन

त्रिदोष निवृत्ति के लिए आवश्यक है संतुलन

जिस प्रकार हमारे शरीर में कफ, वात और पित्त का संतुलन आवश्यक है, उसी प्रकार हमारे मन में लोभ, म तथा क्रोध का संतुलन भी आवश् है । मानस रोग की इस श्रृंखला में आज पढ़ें मन में रहने वाले इन कफ-वात-पित्त से उपजे सन्निपात रोग और उसके निवारण के उपाय .....

काम बात कफ लोभ अपारा, क्रोध पित्त नित छाती जारा।
प्रीति करइ जो तीनिउ भाई, उपजै सन्निपात दुखदाई।।

श्रीरामचरित मानस में काकभुशुंड जी ने कहा कि काम वात है, अपार लोभ कफ है और क्रोध पित्त है जो सदा छाती जलाता रहता है। शरीर में कफ, वात और पित्त तीनों का संतुलन आवश्यक है। इसी प्रकार मन में लोभ, काम तथा क्रोध का संतुलन आवश्यक है। तीनों का बिगड़ जाना ही सन्निपात होता है, जो रामायण में रावण को हो गया था । शरीर और मन दोनों जब स्वस्थ होते हैं, तब समाज और घर, सब कुछ व्यवस्थित होता है। व्यक्ति के शरीर में कफ, वात, पित्त को त्रिदोष कहा जाता है। इनके असंतुलन से ही विकार (रोग) उत्पन्न होते हैं। विकार जब विकारी के जीवन में होता है, तब वह विकारयुक्त कहलाता है, अन्यथा ये विकार ही सृष्टि सृजन में सहायक होते हैं। यदि ये तीनों मिट जाएं तो शरीर ही समाप्त हो जाएगा और ये तीनों बिगड़ जाएं तो जीवन ही समाप्त हो जाएगा।

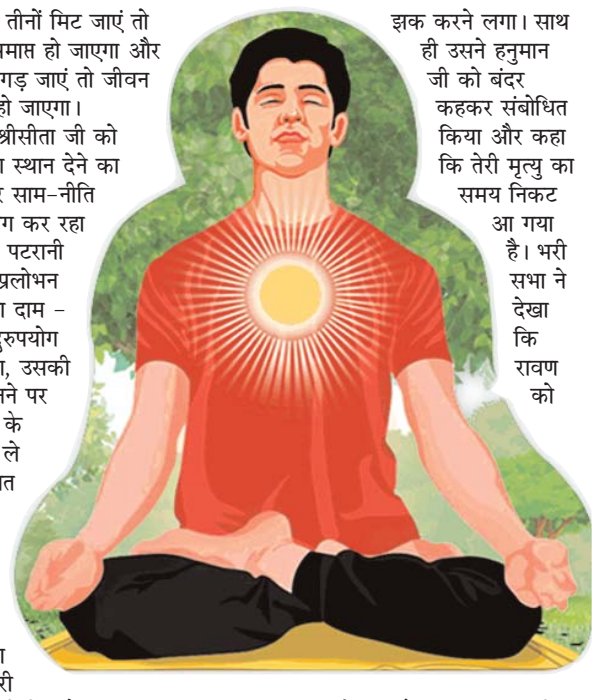

रावण श्रीसीता जी को मंदोदरी का स्थान देने का वचन देकर साम-नीति का दुरुपयोग कर रहा था। उनको पटरानी बनाने का प्रलोभन देकर रावण दाम - नीति का दुरुपयोग कर रहा था, उसकी बात न मानने पर एक महीने के अंदर प्राण ले लेने की बात कहकर रावण दंड-नीति का दुरुपयोग कर रहा था तथा मंदोदरी के सामने श्रीसीता के प्रति प्रणय निवेदन करके वह भेद नीति का दुरुपयोग कर रहा था। रावण का मानसिक संतुलन बिगड़ गया था, उसका कफ वात और पित्त तीनों विकृत हो गया था।

हनुमान जी ने उसे समझाया कि तुम तामसिक अहंकार छोड़कर श्रीसीता जी को श्रीराम को सौंप दो और फिर भगवान का भजन करके लंका के अचल राज्य के स्वामी जाओ। हनुमान जी की भक्ति, विवेक और वैराग्य से युक्त बात सुनकर रावण हनुमान जी झक करने लगा। साथ ही उसने हनुमान जी को बंदर कहकर संबोधित किया और कहा कि तेरी मृत्यु का समय निकट आ गया है। भरी सभा ने देखा कि रावण को सन्निपात हो गया है। जब हनुमान जी जैसे सदुरु की बात उल्टी लगने लगे तो समझ लेना चाहिए कि हनुमान जी की नहीं, रावण की ही मृत्यु निकट आ चुकी है। जब विकृत मानसिकता का व्यक्ति सत्ता और ऐश्वर्य पा लेता है तो वह सर्वप्रथम नीति विरोधी बातें बोलता है और जो सुनीति की बात करता है, उसी विभीषण पर चरण - प्रहार करता है।

सदैव अपनी बात मनवाने की इच्छा, अत्यल्प कार्य के बदले अधिक फल पाने की व्याकुलता, पूरा न होने पर दूसरों की प्रगति देखकर अपने शरीर में कष्ट का अनुभव करना, शरीर और व्यवहार में रूखापन आ जाना, हड्डियों और जोड़ों में दर्द होने लगना, यह वात रोगी के लक्षण हैं। रोगी जिस आधार पर खड़ा हुआ है, उसी में दोष निकालता है, अपनी इन विकृतियों के कारण वह अपने अंदर स्थिरता का अभाव पाता है।

लोभ मन का कफ रोग है। हमारे धर्मग्रंथों और श्रुति ने लाभ की वृत्ति को दोष नहीं बताया है, अपितु लाभ के विपरीत अतिशय लोभ को मानस रोग बताया है। काम की पूर्ति के लिए विवाह का विधान वेद सम्मत है, पर संसार में अनेक नारियों को अपनी रानी बनाने को काम की विकृत मानसिकता बताया गया है। मन - पित्त ही क्रोध है। क्रोध की वृत्ति यदि भविष्य में किसी सुधार को जन्म दे सके तो उसका उपयोग बहुत श्रेष्ठ है और उसका प्रयोग गुरुओं के द्वारा शिष्यों के प्रति और माता-पिता के द्वारा बच्चों के सुंदर भविष्य के लिए किया जाता है। पर यदि वही क्रोध की अग्नि रसोई से निकलकर पूरे घर में फैल जाए, तब तो पूरा घर ही लंका की तरह जलकर भस्म हो जाएगा।

श्रीरामचरितमानस में हनुमान जी ऐसे वैद्य हैं, जो विभीषण और सुग्रीव को संपूर्ण सांसारिक पद-प्रतिष्ठा-सत्ता सब कुछ दिलवाते हैं, पर वह लाभ भगवान के कृपा-प्रसाद के रूप में श्रुति- सम्मत लाभ है, श्रुति-विरोधी नहीं।

शरीर में सभी अंगों की उपयोगिता है। उनके सुसंचार की आंतरिक और बाह्य व्यवस्था को संचालित करने की व्यवस्था और विवेक ईश्वर सबको दिया है। समस्या जीवन में तब आती है, जब व्यक्ति मानसिक रोगी होकर जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अतिरेकवादी हो जाता है। रक्त का संचार जब कम या अधिक होता है, तभी वह रोग होता है। रक्त में लाल कण और श्वेत कण दोनों का किसी एक तरफ अतिरेक ही रोग है। श्रुति उसी के संतुलन का मार्ग बताती है, जिसे सत्संग कहते हैं। विभीषण और सुग्रीव ने हनुमान जी के सत्संग को धारण और शिरोधार्य किया, परिणामस्वरूप उन्हें सब कुछ प्राप्त हुआ। सत्संग में त्याग या संग्रहण नहीं सिखाया जाता है, अपितु दोनों के बीच संतुलन रखकर हम अपने जीवन में किस प्रकार श्रेय और प्रेय दोनों को प्राप्त कर धन्य हो जाएं, यह बताया जाता है। तुम्हरो मंत्र विभीषण माना, लंकेश्वर भए सब जग जाना। तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा, रण आर्काइव राम मिलाय राज पद दीन्हा। भगवान राम मोक्ष - पुरुषार्थ हैं, जो भक्ति - सीता के बिना कुछ नहीं कर सकते । भरत धर्म- पुरुषार्थ हैं, जो श्रद्धा रूपी मांडवी के बिना कुछ नहीं कर सकते थे। लक्ष्मण काम - पुरुषार्थ हैं, जो योग क्रिया रूपी उर्मिला के बिना भगवान से योग नहीं बनाए रख सकते थे। शत्रुघ्न अर्थ- पुरुषार्थ हैं, जो श्रुतिकीर्ति के रूप में दान व कल्याण वृत्ति के बिना भरत का अनुसरण कर संसार के भरण-पोषण में योगदान नहीं दे सकते थे। जो प्राप्त है, उसका संतुलित उपयोग ही समाज, शरीर तथा मन की स्वस्थता है।

क्रिया योग

स्वामी चिदानन्द गिरि
आध्यात्मिक गुरु

अनुकरणीय हो हमारा जीवन

माता-पिता अपने बच्चों में जिन गुणों को देखना चाहते हैं, स्वयं उनका आदर्श बनकर इन शिक्षाओं से अपने बच्चों का परिचय करा सकते हैं। आप बच्चों से यह नहीं कह सकते हैं, 'वह करो जो मैं कहता हूं, वह नहीं करो जो मैं करता हूं।' यह कथन कभी कार्य नहीं करता है। दूसरी ओर, वह व्यक्ति जो कुछ नहीं कहता है, किंतु दयालुता, गरिमा और दूसरों के लिए सम्मान और आत्म-संकल्प वाला जीवन जीता है, वह अपने बच्चों को प्रभावित करता है। उसका विचार होगा, 'निश्चय ही मेरा जीवन वैसा ही होगा, जैसा मैं स्वयं उसका निर्माण करूंगा'।अपनी मूल प्रकृति के अनुसार बच्चे सदैव सीखने का प्रयास करते हैं, इसलिए स्वयं माता-पिता को अपने बच्चों के लिए एक उदाहरण बनना चाहिए। सीखने और आत्मसात करने के लिए प्रारंभिक वर्षों में बच्चों में मस्तिष्क और तंत्रिकाओं की अत्यधिक क्षमता होती है। बच्चे का मन इतना लचीला, इतना नम्य होता है कि उसे अत्यंत सरलतापूर्वक नकारात्मक अथवा सकारात्मक ढंग से ढाला जा सकता है। मैं दृढ़तापूर्वक इसमें विश्वास रखता हूं, क्योंकि वर्तमान संसार में माता-पिता के उत्तरदायित्वों पर पर्याप्त बल नहीं दिया जाता है। यदि आप एक बच्चे को जन्म देने जा रहे हैं, तो आपको ही उसका उत्तरदायित्व स्वीकार करना होगा। इसका अर्थ यह नहीं है कि आपको सभी आधुनिकतम वीडियो गेम, कपड़े, अमुक फैशन और अमुक प्रकार के उपकरण आदि खरीदने की आवश्यकता है। ना ही आवश्यकता इस बात की है कि आप एक ऐसे व्यक्ति बनें, जिसे आपका बच्चा आदर और सम्मान की दृष्टि से देखे।भारत में (और संभवतः संपूर्ण विश्व में) मां परिवार का केंद्र होती है, जो निरंतर परिवार, पारिवारिक कर्तव्यों, आजीविका और हर प्रकार के उत्तरदायित्वों के मध्य संघर्ष करती रहती है। उसके कर्तव्यों की एक लंबी सूची है। मैं एक बात कहना चाहता हूं कि भारत और संपूर्ण विश्व के अधिक विकसित राष्ट्रों में स्त्रियों की वर्तमान परिस्थिति एक संक्रमणकालीन अवस्था है।

महिलाओं से इतने अधिक कार्य की अपेक्षा करना उस पीढ़ी की विरासत है, जिसमें स्त्रियां अधिक दबाव में रहती थीं और वे 'तुम केवल घर में ही रहोगी और भोजन बनाने और सफाई करने का कार्य करोगी' इत्यादि की धारणा के प्रभाव में उपेक्षित रहती थीं।यह एक क्रूर और पूर्वकालिक धारणा है। इसके साथ ही, हम एक प्रकार से मध्यवर्ती अवस्था में हैं, जहां स्त्रियां अपने व्यक्तिगत विकास और अपनी व्यक्तिगत रुचियों के विकास के लिए दूसरे मार्ग खोजने की योग्यता रखती हैं, और यह उचित भी है। परंतु पुरुषों और स्त्रियों के लिए एक संतुलित भूमिका का सम्मान करना तथा घर में और व्यावसायिक जगत में सामंजस्यपूर्ण जीवन का निर्माण करना ही एक यथार्थ आध्यात्मिक संतुलन का जीवन होगा। मैं इसे पूरी तरह से समझता हूं और मैं यह नहीं जानता कि स्त्रियां इसे कैसे सहन करती हैं।

सामान्य रूप से स्त्रियां पुरुषों से अधिक शक्तिशाली होती हैं, क्योंकि उन्हें इतने अधिक उत्तरदायित्व निभाने पड़ते हैं। स्त्रियों को यह सोचने की आवश्यकता नहीं है कि उनके लिए 'सब कुछ प्राप्त करना' आवश्यक है। कारपोरेट एक्जीक्यूटिव होना, दो या तीन सफल बच्चे, दो या तीन अच्छे और बड़े घर, एक आदर्श शरीर, आदर्श स्वास्थ्य इत्यादि।

राजधानी

जेके हॉस्पिटल में नवजात शिशुओं की जीवन रक्षा के लिए राष्ट्रीय अभियान

भोपाल। जे के हॉस्पिटल में नवजात शिशुओं की मृत्यु दर कम करने के उद्देश्य से नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम (एनएनएफ) इंडिया द्वारा देशभर में नियोनेटल रिससिटेशन प्रोग्राम (एनआरपी) दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नवजात पुनर्जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह अभियान एनएनएफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. ललन कुमार भारती के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य जन्म के तुरंत बाद जरूरत पड़ने पर नवजात शिशुओं को समय पर प्रभावी श्वास सहायता और पुनर्जीवन सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि मौतों को कम किया जा सके। विशेषज्ञों के अनुसार भारत में नवजात मृत्यु दर अब भी गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। इसका एक बड़ा कारण जन्म के समय शिशु का स्वयं सांस शुरू नहीं कर पाना है। चिकित्सकों का कहना है कि जन्म के बाद शुरुआती कुछ मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा समय पर दी गई सहायता हजारों नवजातों का जीवन बचा सकती है। एनएनएफ इंडिया द्वारा इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत पूरे देश में 998 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें करीब 20 हजार स्वास्थ्यकर्मी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण अभियान महानगरों के साथ ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाया जा रहा है। मध्यप्रदेश में भी विभिन्न केंद्रों पर एनआरपी प्रशिक्षण आयोजित किए गए, जिससे नवजात आपातकालीन देखभाल सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

लाइनों के रखरखाव के चलते भोपाल के कई इलाकों में आज होगी कटौती

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में गुरुवार को बिजली कंपनी द्वारा रखरखाव और मेट्रो परियोजना के निर्माण कार्य हेतु बिजली कटौती की जाएगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार शहर के कई रिहायशी इलाकों में सुबह से लेकर दोपहर तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी, जिससे नागरिकों को कुछ घंटों की परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। जानकारी के अनुसार मेट्रो निर्माण कार्य के चलते भैंसाखेड़ी, आकाश गार्डन, माधव आश्रम, बैरागढ़ मंडी और ओएंडएम एरिया में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक बिजली बंद रहेगी। वहीं लाइन मेंटेनेंस कार्य के चलते रोहित नगर फेज-1, फॉर्च्यून ग्लोरी (फेज 1-2), तिलक नगर, लक्ष्मी परिसर, प्रियदर्शिनी, गुजराती कॉलोनी, डीके कॉटेज, ड्रीम ग्लोरी और लोटस फेज-1 में सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक और बांसखेड़ी व उसके आसपास के क्षेत्रों में सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक विद्युत व्यवधान रहेगा। अंबर कॉम्प्लेक्स व आसपास सुबह 6 से 8 बजे तक रखरखाव कार्य चलेगा। चीचली गांव, डीपीएस स्कूल और आसपास सुबह 10 से दोपहर 12 बजे के बीच आंशिक रूप से बिजली प्रभावित रहेगी।

बिजली कनेक्शन काटने का डर दिखा बुजुर्ग से ऐंठे पौने आठ लाख रुपए

जालसाजी: खुद को एमपीईबी का अधिकारी बताकर मैसेज किया, बाद में भेजी थी लिंक

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बागसेवनिया इलाके में बिजली कनेक्शन काटने का डर दिखाकर एक बुजुर्ग से पौने 8 लाख रुपए ऐंठ लिए गए। जालसाज ने खुद को एमपीईबी का अधिकारी बताकर पहले मैसेज किया था। बाद में लिंक और एपीके फाइल डाउनलोड करवाकर बैंक खाते से रकम उड़ा ली। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बागसेवनिया निवासी 67 वर्षीय शिवचरण करोडे ने पुलिस को बताया कि 8 मई 2026 की शाम करीब सवा चार उनके मोबाइल पर वाट्सऐप मैसेज आया था। मैसेज में लिखा था कि पिछले महीने का बिजली बिल अपडेट नहीं होने के कारण रात साढ़े 9 बजे उनका बिजली कनेक्शन काट दिया जाएगा। मैसेज में खुद को दीपक अग्रवाल बताते हुए एक मोबाइल नंबर पर संपर्क करने को कहा गया। मैसेज पढ़ने के बाद बुजुर्ग ने दिए गए नंबर पर कॉल किया। सामने वाले व्यक्ति ने खुद को गोविंदपुरा बिजली कार्यालय का अधिकारी बताते हुए कहा कि उनका आईवीआरएस नंबर अपडेट नहीं है और यदि तुरंत अपडेट नहीं कराया गया तो कोलार स्थित फ्लैट का बिजली कनेक्शन काट दिया जाएगा। ठग ने इसके बाद एक वेबसाइट लिंक वाट्सऐप पर भेजी। लिंक खोलने पर शिवचरण से नाम, मोबाइल नंबर, आईवीआरएस नंबर सहित अन्य जानकारी भरवाई। कुछ देर बाद उन्हें मैसेज मिला कि उनका आईवीआरएस सफलतापूर्वक अपडेट हो गया है। अगले दिन फिर आरोपी का फोन आया और कहा गया कि नया आईवीआरएस नंबर अपडेट करना होगा। आरोपी लगातार अलग-अलग बैंक खातों की जानकारी और कोड बताकर प्रक्रिया पूरी करने को कहा। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने कोड बताकर अलग-अलग रकम दर्ज करवाई। बाद में बैंक मैसेज देखने पर पता चला कि उनके यूनियन बैंक खाते से आईएमपीएस, एनईएफटी, बिल-पे और पीओएस ट्रांजैक्शन के जरिए लाखों रुपए निकल चुके हैं। खाते से 4 लाख रुपए, 1 लाख रुपए, 84 हजार 310 रुपए, 1.50 लाख रुपए सहित अन्य रकम ट्रांसफर की गई। तकनीकी कारणों से की 2.46 लाख के एक आरटीजीएस ट्रांजैक्शन तकनीकी कारणों से वापस लौट आई। इतना ही नहीं, ठगों ने उनके खाते से ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म मिंत्रा पर भी ट्रांजैक्शन कर 12 हजार रुपए खर्च कर दिए। जब शिवचरण ने आरोपी को फोन कर पैसे कटने की जानकारी दी तो उसने कहा कि रकम वापस आ जाएगी, लेकिन बाद में फोन उठाना बंद कर दिया। ठगी का अहसास होने पर उन्होंने इसकी शिकायत की थी।

केवायसी अपडेट करने के नाम पर खाते से उड़े सवा चार लाख

कोलार रोड इलाके के सी-सेक्टर निवासी सोनाली साहू निजी कंपनी में नौकरी करती हैं। उन्हें इंटरनेट बैंकिंग में परेशानी आ रही थी। इसी दौरान उनके वाट्सऐप पर केवायसी अपडेट करने का मैसेज आया, जिसमें एक एपीके फाइल भेजी गई थी। सोनाली ने फाइल डाउनलोड कर बैंकिंग संबंधी जानकारी भर दी। पुलिस के मुताबिक, जानकारी अपडेट करते ही साइबर ठगों ने उनके मोबाइल का एक्सेस हासिल कर लिया और अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए उनके खाते से सवा चार लाख रुपए निकाल लिए गए। इधर, सागर ग्रीन होम्स निवासी प्रिया मीना घर से आनलाइन व्यापार संचालित करती हैं। उन्होंने फेसबुक पर एक सप्लायर का विज्ञापन देखकर संपर्क किया था। आरोपी ने खुद को कंपनी संचालक बताते हुए सामान सप्लाई करने का भरोसा दिलाया और एडवांस भुगतान ले लिया। प्रिया ने अलग-अलग किश्तों में करीब 4 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए, लेकिन न तो सामान मिला और न ही रकम वापस हुई। इस तरह की साइबर ठगी में पहले भी वह 60 हजार रुपए गंवा चुकी हैं।

सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को बाइक सवार ने मारी टक्कर, मौत

जागरण, भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र में सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को बाइक सवार युवक ने टक्कर मार दी। हादसे में बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 68 वर्षीय मूलचंद्र चिढ़ार गुना में रहते थे। वह पत्नी का इलाज करवाने भोपाल आए थे। जहां उनकी पत्नी सागर अस्पताल में भर्ती है। मंगलवार साढ़े 11 बजे सागर अस्पताल के सामने वह सामान लेकर रोड क्रॉस कर रहे थे। इस दौरान सामने से आ रही बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद बाइक चालक मौके फरार हो गया। राहगीरों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इधर, हबीबगंज इलाके में अज्ञात कार की टक्कर से बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार 82 वर्षीय चंद्रशेखर अरेरा कॉलोनी में रहते थे। 30 अप्रैल को वह घर के सामने स्थित पार्क में घूमने निकले थे। इस दौरान सामने से आ रही कार ने उन्हें टक्कर मार दी। जिससे उसके पैर और कमर में गंभीर चोटे आई। जहां एम्स अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने बुधवार को दम तोड़ की दिया। पुलिस अज्ञात चालक की तलाश में जुटी है।

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी: इधर, छोला मंदिर इलाके में 29 वर्षीय युवक का शव कमरे में लटका मिला। पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस के अनुसार प्रदीप लोवंशी शिव नगर बिहारी कॉलोनी में रहता था। वह सब्जी का ठेला लगाता था और शराब पीने का आदी था। उसकी पांच साल पहले शादी हुई थी। जिसके दो महीने बाद ही पत्नी मायके में चली गई थी और फिर कई बार मनाने के बाद भी वह दोबारा वापस नहीं लौटी। जिसके चलते वह अक्सर परेशान रहता था।

जीआरपी ने ट्रेनों से चोरी 21 लाख नकदी, जेवर व मोबाइल किए जब्त

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने रेल यात्रियों और उनके सामान की सुरक्षा के लिए अभियान चलाते हुए पिछले दो सप्ताह में कुल 21 लाख रुपये से अधिक की चोरी गई नकदी, मोबाइल और आभूषण जब्त किए हैं। जीआरपी जबलपुर ने स्टेशन और चलती ट्रेनों में चेकिंग के दौरान एक शातिर आरोपी को पकड़ा है। उसके पास से सोने का मंगलसूत्र, चेन, बाली और चांदी की पायल समेत लगभग 2 लाख 85 हजार रुपये के जेवर बरामद किए हैं। जबलपुर जीआरपी ने एक अन्य मामले में यात्रियों की भीड़ का फायदा उठाकर चोरी करने वाली एक महिला को भी गिरफ्तार कर उससे भी जेवर जब्त किए हैं। जीआरपी ग्वालियर ने ट्रेनों में पर्स और नकदी उड़ाने वाले एक गिरोह को हिरासत में लिया है। जीआरपी ने टेक्निकल एनालिसिस और लोकेशन ट्रैकिंग के जरिए इस चोर गैंग का

भंडाफोड़ कर इनके कब्जे से सोने-चांदी के जेवरात और नकदी सहित करीब 7 लाख 30 हजार रुपये का माल बरामद किया है। इसके अलावा जीआरपी इंदौर ने रेलवे स्टेशन से चोरी हुए एक ट्रॉली बैग के मामले का मात्र 24 घंटे के भीतर खुलासा किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 2 लाख 82 हजार रुपये का माल बरामद किया है। इसके अलावा इंदौर जीआरपी ने एक यात्री का ट्रेन में छूटा बैग भी सुरक्षित लौटाया। इस बैग में लगभग 8 लाख रुपये से अधिक के जेवरात थे।

आईसीएआर में चयन पर हिंदी अनुवादक सीमा को दी विदाई

जागरण, भोपाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय की हिन्दी अनुवादक सीमा का भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) में सहायक निदेशक पद पर चयन होने पर शैलकला भवन में विदाई दी गई। 13 वर्षों की सेवा के बाद उनके नए दायित्व के लिए प्रस्थान पर संग्रहालय परिवार ने उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी। समारोह में प्रशासनिक अधिकारी पी. शंकर राव, जनसंपर्क अधिकारी हेमंत बहादुर सिंह परिहार, राजभाषा अधिकारी राजेंद्र झारिया, सहायक क्यूरेटर सूर्य कुमार पांडे सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने सीमा के कार्यकाल को सराहते हुए कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और अनुवाद कार्यों में उल्लेखनीय योगदान दिया। जनसंपर्क अधिकारी ने कहा कि आईसीएआर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में उनका चयन संग्रहालय के लिए गर्व का विषय है। समारोह में उन्हें पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह और रिलीविंग पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

एनआईडी में वर्कशॉप के जरिए प्रतिभागियों ने सीखी डिजाइन थिंकिंग

डिजाइन शिविर 4.0 में युवाओं ने क्रिएटिविटी से रचे नए आइडिया

जागरण, भोपाल। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन में आयोजित 'डिजाइन शिविर 4.0' युवाओं के लिए रचनात्मकता और नवाचार को करीब से समझने का अनोखा मंच बनकर सामने आया। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को बेहतर संवाद और व्यावहारिक सीख देने के उद्देश्य से अलग-अलग समूहों में विभाजित किया गया, जहां उन्होंने डिजाइन की दुनिया को हैंड्स ऑन एक्टिविटीज के माध्यम से अनुभव किया। क्ले डिजाइन सत्र में अदिति शर्मा, धीरज चुघ और प्रमोद मार्शल के मार्गदर्शन में युवाओं ने मिट्टी को माध्यम बनाकर आकार, टेक्सचर, संतुलन और थ्री-डी फॉर्म्स की बारीकियों को समझा।

प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाओं को रचनात्मक मॉडल्स का रूप दिया। वहीं गेम डिजाइन वर्कशॉप में मयंक शर्मा, शुभम सौरभ और वैभव पाठक ने गेम्स के जरिए स्टोरीटेलिंग, यूजर इंटरैक्शन, टीमवर्क और प्रॉब्लम सॉल्विंग की तकनीकों को प्रैक्टिकल तरीके से समझाया। पूरे शिविर में युवाओं की जिज्ञासा, प्रयोगधर्मिता और नए आइडियाज को लेकर उत्साह देखने लायक रहा।

संक्षिप्त खबरें

विश्व संग्रहालय दिवस पर दुष्यंत संग्रहालय में दो दिवसीय आयोजन

जागरण, भोपाल। विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में 17 और 18 मई को दो दिवसीय विशेष आयोजन किया जाएगा। वर्ष 2026 की थीम 'विभाजित विश्व को एक करते संग्रहालय' पर आधारित इस कार्यक्र म में साहित्य और संग्रहालय संस्कृति से जुड़ी विविध गतिविधियां आयोजित होंगी। 17 मई को संग्रहालय की दुर्लभ पांडुलिपियों के साथ हॉबी ग्रुप के सदस्यों द्वारा संग्रहित पुरातात्विक महत्व की वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसमें उमेश कुमार गुप्ता, सुनील भट्ट, पद्मश्री डॉ. नारायण व्यास सहित कई संग्रहकर्ताओं की दुर्लभ वस्तुएं प्रदर्शित होंगी। 18 मई को संग्रहालय और साहित्य विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित होगी, जिसमें विभिन्न संग्रहालयों की टीमें हिस्सा लेंगी। विजेता टीमों को नगद पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। संग्रहालय के अध्यक्ष रामराव वामनकर और निदेशक करुणा राजुरकर ने साहित्य एवं संग्रहालय प्रेमियों से आयोजन में शामिल होने की अपील की है।

वन विहार के टाइगर बाजीराव को आईडीबीआई बैंक ने लिया गोद

जागरण संवाददाता, भोपाल। वन विहार नेशनल पार्क क टाइगर बाजीराव को आईडीबीआई बैंक ने गोद लिया है। बैंक ने अपनी सीएसआर एक्टिविटी के तहत पर्यावरण और

वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए एक नर बाघ को गोद लिया है साथ ही वन विहार प्रबंधन को दो बोलेरो कैम्पर वाहन भी सौंपे हैं। वन विहार में वर्ष 2009 से शुरू हुई इस अनूठी योजना के तहत अब तक कुल 107 वन्यप्राणियों को विभिन्न संस्थाओं और प्रकृति प्रेमियों द्वारा गोद लिया जा चुका है। इसके अलावा विभिन्न वन्य प्राणियों को समय पर भोजन प्रदान करने के लिए दो बोलेरो कैम्पर वाहन भी वन विहार को सौंपे गए हैं। बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम के तहत बैंक के महाप्रबंधक महेश चंद्र कारी ने वन विहार संचालक विजय कुमार को इन वाहनों की चाबियां सौंपी। इस दौरान वन विहार द्वारा बैंक को बाघ को गोद लिए जाने का प्रमाण पत्र भी सौंपा गया।

जेके हॉस्पिटल में नवजात शिशुओं की जीवन रक्षा के लिए अभियान

भोपाल। नवजात शिशुओं की मृत्यु दर कम करने नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम (एनएनएफ) इंडिया द्वारा देशभर में नियोनेटल रिससिटेशन प्रोग्राम (एनआरपी) दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नवजात पुनर्जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह अभियान एनएनएफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. ललन कुमार भारती के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य जन्म के तुरंत बाद जरूरत पड़ने पर नवजात शिशुओं को समय पर प्रभावी श्वास सहायता और पुनर्जीवन सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि मौतों को कम किया जा सके। विशेषज्ञों के अनुसार भारत में नवजात मृत्यु दर अब भी गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। इसका एक बड़ा कारण जन्म के समय शिशु का स्वयं सांस शुरू नहीं कर पाना है। चिकित्सकों का कहना है कि जन्म के बाद शुरुआती कुछ मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा समय पर दी गई सहायता हजारों नवजातों का जीवन बचा सकती है। एनएनएफ इंडिया द्वारा इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत पूरे देश में 998 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें करीब 20 हजार स्वास्थ्यकर्मी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण अभियान महानगरों के साथ ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाया जा रहा है। मध्यप्रदेश में भी विभिन्न केंद्रों पर एनआरपी प्रशिक्षण आयोजित किए गए, जिससे नवजात आपातकालीन देखभाल सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

मध्य भारत में कैंसर हीलर सेंटर का विस्तार, भोपाल में 28वां सेंटर शुरू

भोपाल। भारत में तेजी से बढ़ रहे कैंसर मामलों के बीच अब छोटे और बड़े शहरों में विशेषज्ञ कैंसर देखभाल की

जरूरत लगातार बढ़ रही है। मध्य प्रदेश में भी कैंसर गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनता जा रहा है। आईसीएमआर और एनसीडीआईआर के मुताबिक साल 2025 में राज्य में करीब 88 हजार नए कैंसर मरीज सामने आने का अनुमान है, जिनमें 43,097 पुरुष और 45,200 महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा तंबाकू सेवन, सेकेंड हैंड स्मोक, शराब, मोटापा और खराब लाइफस्टाइल जैसी वजहें भी कैंसर के खतरे को बढ़ा रही हैं। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए और मेट्रो शहरों से बाहर कैंसर देखभाल को आसान बनाने के उद्देश्य से कैंसर हीलर सेंटर ने भोपाल में अपना नया सेंटर शुरू किया है। यह भारत में 28वां सेंटर है। इस विस्तार का उद्देश्य भोपाल, मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को विशेषज्ञ कैंसर परामर्श, व्यक्तिगत इलाज की योजना, नियमित फॉलो-अप और लंबे समय तक देखभाल की सुविधा उपलब्ध कराना है। कई कैंसर मरीजों और उनके परिवारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती केवल इलाज नहीं, बल्कि सही समय पर सही सलाह, सेकेंड ओपिनियन, रिपोर्ट की जांच और लगातार मेडिकल सपोर्ट प्राप्त करना होता है।

पति ने पत्नी को चाकू से गोदा

भोपाल। खजूरीसड़क थाना क्षेत्र में आपसी विवाद के चलते पति ने पत्नी पर चाकू से गोद दिया। घटना के बाद आरोपी पति पत्नी को छोड़कर मौके से फरार हो गया। जिसके बाद राहगीरों ने महिला को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत नाजुक है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 34 वर्षीय सुनिता बाई पति पर्वत नाथ राजीव नगर में रहती है। उसका पति से आए विवाद होता रहता था। मंगलवार दोपहर वह पैदाल खदान में काम करने जा रही थी। इस दौरान पीछे से आए उसके पति ने चाकू से करीब 6 बार हमला किया।

अब ई-विकास पोर्टल से ही किसानों को मिलेगी खाद, 50 बोरी की सीमा तय

ई टोकन के बिना नहीं होगी सप्लाई, वीसी में संभाग आयुक्त ने कालाबाजारी रोकने जारी किए आदेश

जागरण संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में खाद की कालाबाजारी और अत्यधिक उपयोग पर लगाम लगाने के लिए अब किसानों को खाद का वितरण ई-विकास पोर्टल के जरिए ही किया जाएगा। इतना ही नहीं हर किसान के लिए खाद की सीमा भी तय कर दी गई है, किसानों को 50 बोरी प्रतिमाह से ज्यादा खाद नहीं मिल सकेगी। भले ही उसकी पात्रता 50 बोरी से अधिक ही क्यों न हो? यह निर्णय सभी किसानों को समान खाद वितरण करने, कालाबाजारी रोकने के लिए लिए गए हैं। बुधवार को संभाग आयुक्त संजीव सिंह ने संभागायुक्त कार्यालय में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए कि नए नियमों को सख्ती से लागू करवाएं। संभाग आयुक्त ने कहा कि खरीफ की फसल की बुआई से पहले खाद वितरण व्यवस्था पूरी तरह से पारदर्शी रहे। इसके लिए ई-टोकन लेने वाले किसानों को ई-विकास पोर्टल के जरिए ही खाद वितरण करवाएं। ताकि कालाबाजारी, असमान वितरण और कालाबाजारी पर लगाम लगाई जा सके। साथ ही नई व्यवस्था से किसानों को खाद के लिए घंटों तक लंबी कतारों में भी नहीं लगना पड़ेगा।

उर्वरक वितरण में 100 प्रतिशत डिजिटल व्यवस्था लागू हो जाने से कई परेशानियों से निजात मिलेगी। संभाग आयुक्त ने इस काम को तेजी के साथ खाद वितरण के पहले करवाने के आदेश दिए हैं। साथ ही कहा है कि इस काम में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संभाग आयुक्त ने बताया कि देवास सहित कई जिलों में 1 अप्रैल 2026 से ही खाद वितरण पोर्टल के माध्यम से ही किया जा रहा है। ई टोकन की समीक्षा के दौरान सामने आया कि कुछ निजी खाद विक्रेता बिना ई-टोकन के खाद बेच रहे हैं। जिस पर नाराजगी जताते हुए संभाग आयुक्त ने इन्हें शो कॉज नोटिस जारी करवाए। साथ ही कहा कि अब किसान अपनी आवश्यकता के अनुसार यूरिया या डीएपी के लिए ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं।

पोर्टल पर किसानों की सुविधा का रखा गया है ध्यान

- पोर्टल में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं और किसानों की सुविधा का ध्यान रखा गया है। शारीरिक रूप से अक्षम, वृद्ध और मृत किसानों के परिवारों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है जिनका नामांतरण लंबित है।
- यदि खाते के सदस्य शहर से बाहर या विदेश में हैं, तो वे किसी एक सदस्य को खाद लेने के लिए नामांकित कर सकते हैं।
- ऐसे किसान जो स्वयं भूमि स्वामी नहीं हैं, वे स्वामी की अनुमति से अधिकृत प्रतिनिधि बनकर खाद बुक कर सकेंगे।
- वन पट्टाधारी किसानों को एसडीएम या एसडीओ के सत्यापन के बाद पोर्टल से उर्वरक प्राप्त होगी।

इस तरह किसान प्राप्त कर सकेंगे खाद

खाद प्राप्त करने के लिए किसानों को ई-विकास पोर्टल पर अपनी आधार कार्ड संबंधी जानकारी, खसरा नंबर ओर बोई गई फसल का विवरण दर्ज करना होगा। एग्री स्टैक पोर्टल के जरिए प्रत्येक किसान की यूनिक फार्मर आईडी बनाई जा रही है। संभाग आयुक्त ने बैठक में सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे एग्री स्टैक पोर्टल पर अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन तेजी से कराएं। खरीफ सीजन के दौरान किसी भी किसान को खाद की किल्लत न हो और वितरण पूरी तरह पारदर्शी बनाए रखने के लिए किसानों से भी समय पर ई-विकास पोर्टल पर जाकर अपना टोकन बुक कराने को कहा गया है।

जेपी में शाम की ओपीडी से नदारद मिले 3 डॉक्टर

सीएमएचओ ने थमाया शो कॉज नोटिस

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजधानी के जयप्रकाश जिला चिकित्सालय में मरीजों को मिल रहे इलाज और अस्पताल की व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के लिए सीएमएचओ मनीष शर्मा बुधवार को अचानक ही शाम को अस्पताल परिसर पहुंचे और ओपीडी का औचक निरीक्षण किया। लगभग 15 मिनट तक अस्पताल की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के दौरान सीएमएचओ को तीन चिकित्सक अपनी कुर्सियों से गायब मिले। इस लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए तीनों डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि सीएमएचओ बुधवार शाम करीब 5.15 बजे बिना किसी पूर्व सूचना के जिला चिकित्सालय पहुंचे। उन्होंने शाम 5.30 बजे तक अस्पताल के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दंत रोग, नेत्र रोग, मानसिक रोग, अस्थि रोग, मेडिसिन विभाग, शल्य क्रिया, ईएनटी और त्वचा रोग ओपीडी का जायजा लिया।

इन चिकित्सकों पर गिरी गाज

निरीक्षण के दौरान तीन विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए। इनमें दंत चिकित्सक डॉ. नीलिमा सोनी, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. जय कुमार साहू और नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. नीलू गुप्ता शामिल हैं। इन चिकित्सकों के ओपीडी में न होने के कारण दूर-दराज से आए मरीजों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। सीएमएचओ ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधितों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

कार्य में लापरवाही बरतने वाले 3 मुख्य नपा अधिकारी निलंबित

जागरण संवाददाता, भोपाल। जनहित से जुड़े कार्यों और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में उदासीनता बरतने वाले तीन मुख्य नगर पालिका अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने बुधवार को शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने पर तीन मुख्य नगर पालिका अधिकारियों (सीएमओ) को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। निलंबन की कार्रवाई के दायरे में आए अधिकारियों में विजयपुर, भाण्डेर और बडौनी मुख्य नगर पालिका अधिकारी शामिल हैं। तीनों पर कार्रवाई आम लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध न कराने और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समय पर निराकरण न करने के कारण की गई।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों में ढिलाई बरतने के कारण नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त ने की कार्रवाई

इन अधिकारियों पर गिरी गाज

प्रभारी सीएम विजयपुर मनोज शर्मा को स्वच्छ जल अभियान में लापरवाही और दूषित पेयजल की शिकायतों के एल-4 स्तर तक पहुंचने के बाद समाधान न करने के कारण निलंबित किया गया। वहीं भांडेर सीएमओ हनुमंत भदौरिया को अमृत 2.0 योजना के क्रियान्वयन में अत्यधिक ढिलाई और संविदाकार को समय पर स्वीकृति पत्र जारी न करने करने के कारण हटाया गया। वहीं बडौनी सीएमओ यशवंत राठौर को स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के लक्ष्यों में पिछड़ने, हितग्राही मूलक योजनाओं में खराब प्रगति और विभागीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में बिना अनुमति अनुपस्थित रहने के कारण निलंबित किया गया। कार्रवाई के बाद आयुक्त ने कहा कि यह कार्रवाई केवल शुरुआत है। यदि आने वाले समय में विकास कार्यों की गति और जन-शिकायतों के प्रति रवैये में सुधार नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में अन्य लापरवाह अधिकारियों के विरुद्ध भी इसी प्रकार की कार्रवाई की जाएगी।

करोंद में चार मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, जनरेटर में शॉर्ट सर्किट से भड़कीं लपटें

इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के एसी और फर्नीचर जलकर राख

जागरण संवाददाता, भोपाल। करोंद स्थित पीपुल्स अस्पताल के सामने बुधवार को एक चार मंजिला व्यावसायिक इमारत में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दूर-दूर तक काला धुआं दिखाई देने लगा। हादसे में लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान है, हालांकि गनीमत यह रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। नगर निगम के फायर प्रभारी सौरभ पटेल के अनुसार प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह बिल्डिंग के पास रखे जनरेटर में शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जनरेटर में लगी आग देखते ही देखते विकराल हो गई और पास में स्थित क्रोमा इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के एयर कंडीशनर व फर्नीचर को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के दौरान बिल्डिंग में भीड़ कम थी, अन्यथा बड़ी दुर्घटना हो सकती थी।

दमकल कर्मियों की मुस्तैदी से टला बड़ा खतरा : आग लगने की सूचना मिलते ही सबसे पहले पीपुल्स हॉस्पिटल की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। तत्काल बाद नगर निगम की दमकलें भी घटना स्थल पर पहुंच गईं। दोनों टीमों ने मिलकर तत्परता से आग पर काबू पाया, जिससे लपटें ऊपर की मंजिलों तक नहीं पहुंच सकीं। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग में केएफसी का आउटलेट भी है, लेकिन दमकल कर्मियों की सक्रियता से उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा। आग की ऊंची लपटें देखकर क्षेत्र में दहशत फैल गई। आसपास के दुकानदार और रहवासी घरों से बाहर निकल आए, जिससे सड़क पर भारी जाम की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही निशातपुरा थाना पुलिस ने मोर्चा संभाला और भीड़ को नियंत्रित किया।

ट्रेन की चेपट में आने से युवक की मौत हत्या की आशंका

जागरण, भोपाल। गोविंदपुरा थाना क्षेत्र में ट्रेन की चेपट में आने से युवक की मौत हो गई। घटना रचना नगर अंडरब्रिज के ऊपर रेलवे ट्रैक की है। पुलिस के अनुसार अशोक बामने गौतम नगर में रहता था। वह मजदूरी करता था। अशोक की शादी नहीं हुई थी। मंगलवार रात में किसी लड़की को लेकर उसका पड़ोसी से विवाद हुआ था। उस समय अशोक नशे की हालत में था। आरोप है कि इसके बाद पड़ोसी ने रेलवे ट्रैक पर ले जाकर उसे ट्रेन के सामने धक्का दे दिया गया। बुधवार सुबह रचना नगर अंडरब्रिज के ऊपर रेलवे ट्रैक पर पुलिस को शव मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्त कर शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

सीबीएसई 12वीं परीक्षा का परिणाम जारी, सागर के सुरभि और हिरवा टॉपर

सागर और आईपीएस का परिणाम रहा 100 प्रतिशत

भोपाल। सीबीएसई द्वारा 12वीं बोर्ड के परिणाम घोषित किए जाने के बाद सागर पब्लिक स्कूल में उत्सव का माहौल है। भोपाल में फिर शीर्ष स्थान हासिल करते हुए, सागर पब्लिक स्कूल साकेत नगर के सागराइट्स सुरभि गुप्ता ने ह्यूमैनिटीज संकाय में 98.2 प्रतिशत प्राप्त कर स्कूल को गौरवान्वित किया। वहीं साकेत नगर स्कूल की कॉमर्स संकाय की छात्रा हिरवा पटेल ने 97.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर टॉपर रही। सागर पब्लिक स्कूल गाँधी नगर की रतिका काहंडेलवाल ने ह्यूमैनिटीज संकाय में 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। सागर पब्लिक स्कूल गांधी नगर दिव्यांश जायसवाल ने 96.4 प्रतिशत अंकों के साथ पीसीबी में शीर्ष स्थान प्राप्त किया और सागर पब्लिक स्कूल रोहित नगर की एस. श्राराधी ने पीसीएम में 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉप किया।। कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में सागर पब्लिक स्कूल के 85 विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में पूर्ण 100 अंक प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। विद्यालय ने लगातार उत्कृष्ट परिणामों की परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी 100 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया, परीक्षा में सम्मिलित विद्यार्थी सफलता के साथ उत्तीर्ण हुए। प्रिंसिपल और विद्यालय प्रबंधन ने विद्यालय के इन प्रतिभाशाली छात्रों और समाज के भावी स्तंभों को बधाई देते हुए अपनी अपार प्रसन्नता और खुशी व्यक्त की। स्कूल की प्रिंसिपल ने इन प्रतिभाशाली छात्रों और समाज के भावी स्तंभों को बधाई देते हुए अपनी अपार प्रसन्नता और खुशी व्यक्त की।

भोपाल। सीबीएसई द्वारा घोषित कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल (आईपीएस) ने निरंतर 22वां वर्ष 100 प्रतिशत सफलता के साथ पूर्ण किया है। इस वर्ष भी सभी संकायों के विद्यार्थी सफल रहे हैं। परिणामों में ह्यूमैनिटीज और कॉमर्स संकायों का दबदबा रहा। स्कूल के प्रिंसिपल ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया है। यह परिणाम विद्यार्थियों के अनुशासन और सीखने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। स्कूल चेयरमैन के अनुसार, संस्थान आधुनिक शिक्षा पद्धतियों और नैतिक मूल्यों के समन्वय के साथ विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण की दिशा में कार्य कर रहा है। विद्यालय परिवार ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को उनके आगामी भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

ये नाम मेरिट में शामिल

- भाव्या धार- 95प्रतिशत (ह्यूमैनिटीज) विद्यालय में संयुक्त रूप से प्रथम
- काक्षी धानिया- 95प्रतिशत (कॉमर्स) विद्यालय में संयुक्त रूप से प्रथम
- जिया भंडारी- 94.8प्रतिशत (ह्यूमैनिटीज)
- तन्वी शमा- 94.6प्रतिशत (ह्यूमैनिटीज)
- विबोध चौधरी- 94.2प्रतिशत (कॉमर्स)

पांच दिन से सड़क किनारे रात बिता रहे 30 परिवार

जागरण सांददाता, भोपाल। अयोध्या बायपास स्थित अर्जुन नगर झुग्गी बस्ती के विस्थापन का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। झुग्गियां तोड़े जाने के बाद पांच दिनों से आसमान के नीचे रहने को मजबूर करीब 30 परिवारों ने बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपनी व्यथा सुनाई। रहवासियों ने कलेक्टर प्रियंक मिश्रा से मुलाकात कर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान दिलाने की मांग की है। कलेक्टर ने दिया आश्वासन, एडीएम को सौंप कमान बस्तीवासियों की समस्या सुनने के बाद कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने तत्काल संबंधित एडीएम समित पाण्डे को मामले के निराकरण के निर्देश दिए। इसके पश्चात पीड़ितों ने एडीएम से भी मुलाकात की, जिन्होंने संबंधित एसडीएम और तहसीलदार को मौके पर जाकर रहवासियों की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा है। हालांकि, प्रशासन द्वारा पूर्व में जो वैकल्पिक स्थान बताया गया था, वहां कोई भी परिवार जाने को तैयार नहीं है।

भारतीय भाषा समर कैंप 2026 से डिजिटल माध्यम से जुड़े देशभर के शिक्षाविद और छात्र

मातृभाषा आधारित शिक्षा से ही संभव है बच्चों का सर्वांगीण विकास: संजय कुमार

जागरण, भोपाल। पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई) में बुधवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित 'भारतीय भाषा समर कैंप 2026' के शुभारंभ का सीधा प्रसारण देखा गया। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने मातृभाषा में शिक्षा की महत्ता पर जोर देते हुए इसे बच्चों के बौद्धिक विकास का मुख्य आधार बताया। संस्थान के अधिकारियों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि संजय कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 बहुभाषिक शिक्षा को प्रोत्साहित करती है। उन्होंने दिलचस्प आंकड़े साझा करते हुए बताया कि भारत में कुल 1369 भाषाएं अभिलेखित हैं। इनमें से 121 भाषाएं ऐसी हैं, जिन्हें बोलने वालों की संख्या 10 हजार से अधिक है। कार्यक्रम के दौरान भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष चामू कृष्ण शास्त्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक भारतीय भाषाएं सीखें, क्योंकि ये भाषाएं हमारी सांस्कृतिक शक्ति का प्रतीक हैं। वहीं, दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति और संचित ज्ञान का आधार है।

सात दिवसीय आयोजन में 10 हजार बच्चे शामिल

इस 'भारतीय भाषा समर कैंप 2026' के माध्यम से देशभर के लगभग 10 हजार बच्चे अपनी भाषाई जड़ों से जुड़ेंगे। सात दिनों तक चलने वाले इस शिविर का उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय भाषाओं की विविधता और उनकी वैज्ञानिकता से परिचित कराना है।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

नजर आ रहे हैं आर्थिक आपातकाल के आसार

क्या भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है? क्या आर्थिक आपातकाल के आसार हैं और भारत सरकार कुछ कड़े और बड़े फैसले ले सकती है? क्या कुछ पाबंदियां भी चस्पां की जा सकती हैं? क्या प्रधानमंत्री मोदी की अपील देश के आम आदमी के लिए ही है? नेताओं की जमात के लिए 'बचत' अपरिहार्य क्यों नहीं है? देश की आर्थिक सेहत का मूल्यांकन करने वाली संस्थाओं-रिजर्व बैंक, मूडीज, एसएंडपी, विश्व बैंक, फिच और एशियन डवलपमेंट बैंक-ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर घटा दी है। जाहिर है कि हमारी अर्थव्यवस्था में संकुचन आया है। वैसे भी भारत अब विश्व की चौथी नहीं, छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसमें और भी गिरावट के आसार हैं।

दरअसल, यह मूल्यांकन आसन्न आर्थिक संकट का पहला संकेत है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माना है कि कोरोना महामारी वैश्विक संकट थी, तो ईरान युद्ध इस दशक का सबसे बड़ा संकट है। उन्होंने आर्थिक संकट और पेट्रो उत्पादों की कमी के कारण देश से अपील नहीं की है। वह न ही किसी तरह के 'दान' के पक्ष में हैं। प्रधानमंत्री आयात कम करने के पक्षधर हैं, ताकि विदेशी मुद्रा को बचायी जा सके। अमेरिका -ईरान युद्ध की शुरुआत में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 720 अरब डॉलर का था, लेकिन युद्ध के करीब 75 दिन के बाद यह भंडार घट कर 690 अरब डॉलर हो गया है, लिहाजा प्रधानमंत्री ने उन खर्चों को कम करने की अपील की है, जिनमें डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। करीब 80 फीसदी कच्चे तेल और 70 फीसदी से अधिक सोने के आयात डॉलर में ही किए जाते हैं।

डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा 'रुपए' में 95.28 तक की ऐतिहासिक गिरावट ने संकट को और गहरा दिया है। इस समय 'रुपया' दुनिया की दूसरी सबसे कमजोर मुद्रा है, जिसमें 12 फीसदी अवमूल्यन हुआ है। प्रधानमंत्री ने एक साल तक सोना न खरीदने की अपील की है, लेकिन भारत सरकार ने विदेशों से 168 टन सोना खरीदा है। अब भारत के पास सोने का कुल भंडार 880 टन का है। इसे 'राष्ट्रीय सुरक्षा' से जोड़ कर आंका जा रहा है।

दरअसल हमारा बुनियादी सवाल सरकारी व्यवस्था और नेताओं की जमात से है। देश में प्रधानमंत्री, मंत्री, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और आम अति विशिष्ट चेहरे भी लंबे-चौड़े काफिलों के साथ चलते हैं। यदि वाकई संकट के हालात हैं, तो मुख्यमंत्री और मंत्री सरकारी हेलीकॉप्टर पर सवार क्यों रहते हैं? क्या हवाई उड़ानें 'पानी' से चलती हैं? हमारे जन-प्रतिनिधि रेलगाड़ी के विशेष कक्ष में सफर क्यों नहीं कर सकते? यदि सार्वजनिक परिवहन नेताओं के लिए 'असुरक्षित' हैं, तो रेलवे में असंख्य यात्रियों की सुरक्षा दांव पर क्यों लगा रखी है? हम प्रधानमंत्री को अपवाद के तौर पर छोड़ देते हैं, क्योंकि वह देशहित में, देश के लिए ही, सर्वोच्च कार्यकारी अधिकारी के तौर पर 'विशेष वाहन' का इस्तेमाल करते हैं और अब मई में ही 5 देशों की यात्रा पर जाएंगे, लेकिन हम 'रोड शो' पर सवाल और आपत्ति जरूर करेंगे। दरअसल युद्ध और होर्मुज जलमार्ग बंद होने के कारण ऊर्जा-संकट दुनिया भर में है। कच्चा तेल महंगा मिलने के कारण भारत को हररोज 1619 करोड़ रुपए अतिरिक्त खर्च करने पड़ रहे हैं। आयात बिल में खाद्य तेल पर 1.86 लाख करोड़ और खाद पर 1.38 लाख करोड़ रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बाजार में यूरिया, डीएपी की कीमतें दोगुनी बढ़ा दी गई हैं। इसके अलावा, सरकार को खाद पर करीब 2 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी किसानों को देनी पड़ रही है। नतीजतन बुनियादी ढांचे और विकास पर किया जाने वाला पूंजीगत खर्च कम करना पड़ रहा है। चालू खाते का घाटा बढ़ सकता है। तमाम आयातों पर विदेशी मुद्रा खर्च होती है। लिहाज जरूरी है कि हमारा राजनीतिक नेतृत्व पहल करे, बचत के नए आयाम स्थापित करे, आम जन-प्रतिनिधि बने, तो यह देश भी उसका अनुसरण करेगा।

प्रसंगवश

परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने कड़े कदम जरूरी

देश भर में हर साल लाखों विद्यार्थी इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। मगर उनकी उम्मीदें तब धुंधली पड़ जाती हैं, जब परीक्षा में अनियमितता की बातें सामने आती हैं या फिर पेपर लीक हो जाने की वजह से परीक्षा रद्द हो जाती है। इस बार भी मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी-2026 'में पेपर लीक के गंभीर आरोप लगे हैं, जिस कारण राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) ने तीन मई को आयोजित परीक्षा को रद्द कर दिया है। साथ ही इस मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी गई है।

निस्संदेह, इस फैसले ने उन लाखों छात्रों को निराश ही किया है जो महीनों से परीक्षा की तैयारी में लगे थे। अब उन्हें नये सिरे से परीक्षा की तैयारी करनी होगी। नीट प्रवेश परीक्षा स्थगित किए जाने के बाद तमाम विपक्षी दलों ने एनटीए व केंद्र सरकार पर तीखे हमले बोले हैं। कहा जा रहा है कि एनटीए में सुधार नहीं, बल्कि अब पूरी संरचना को ही बदलने की जरूरत है। एक संसदीय समिति की रिपोर्ट का हवाला देकर कहा जा रहा है कि एनटीए के बुनियादी पुनर्गठन की जरूरत है। राजनेता पेपर लीक व प्रश्नपत्रों में गलती सामने आने को छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बता रहे हैं। साथ ही पूरी परीक्षा प्रणाली को बदलने की मांग की जा रही है। इतना ही नहीं, इसके साथ ही एनटीए के उद्देश्य और कार्यक्षमता को लेकर शंका जतायी जा रही है।

दरअसल, सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस तरह की प्रवेश परीक्षाओं में बार-बार गड़बड़ियों के मामले सामने क्यों आ रहे हैं? एनटीए का दावा है कि प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर उसे संबंधित परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने में पूरी गोपनीयता बरती जाती है और जरूरी सुरक्षा मानदंडों का भी कड़ाई से पालन किया जाता है, फिर क्या वजह है कि परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र चुनिंदा विद्यार्थियों तक पहुंच जाता है! आखिर एनटीए और जांच एजंसियां उस सिरे को क्यों नहीं ढूंढ पा रही हैं, जिसकी वजह से इस तरह की गड़बड़ियों का सिलसिला जारी है।

गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है, जब एनटीए की ओर से आयोजित की जाने वाली किसी प्रवेश परीक्षा में गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों से इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं। वर्ष 2024 में नीट की परीक्षा देने वाले कुछ अभ्यर्थियों ने शिकायत की थी कि उन्हें दूसरी भाषा के प्रश्नपत्र दिए गए।

इसके बाद एनटीए की ओर से क्षतिपूर्ति के तौर पर प्रभावित परीक्षार्थियों को दिए गए कृपांक को लेकर भी गंभीर सवाल उठे थे। इससे पहले वर्ष 2021 में भी कुछ छात्रों को गलत प्रश्नपत्र दिए जाने और कई केंद्रों पर परीक्षा में अनुचित साधनों के उपयोग की शिकायतों से विवाद हुआ था। सरकार ने वर्ष 2018 में एनटीए की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय स्तर की पात्रता परीक्षाएं आयोजित करना है, जिनमें नीट, जेईई, यूजीसी और नेट भी शामिल हैं। दरअसल, प्रवेश परीक्षाओं की प्रक्रिया को पारदर्शी, कुशल और निष्पक्ष बनाना एनटीए की बुनियादी प्राथमिकता है। मगर, इनमें जिस तरह से एक के बाद एक विसंगतियां सामने आ रही हैं, उससे इस एजंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। नीट यूजी 2026 परीक्षा में करीब 23 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे। एनटीए का दावा है कि इस परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र तैयार करने में पूरी गोपनीयता बरती गई और इन्हें 'जीपीएस-ट्रैकिंग' वाले वाहनों में ले जाया गया था। परीक्षा केंद्रों की निगरानी एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से एआइ-सहायता प्राप्त सीसीटीवी के माध्यम से की गई थी। सुरक्षा के इन तमाम प्रबंधों के बावजूद अगर प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही कुछ विद्यार्थियों तक पहुंच जाता है, तो यह वास्तव में बहुत ही गंभीर मसला है।

जाहिर है कि परीक्षा के आयोजन से संबंधित संस्था और अन्य संगठनों की पर्चाफोड़ माफिया से मिलीभगत के बिना यह संभव नहीं हो सकता। सरकार को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि विद्यार्थी इन परीक्षाओं के लिए कितनी मेहनत करते हैं, महंगी कोचिंग के लिए कई परिवार तो अपनी जमीन गिरवी रख देते हैं, तो कोई बैंक से कर्ज लेता है। इसलिए जरूरी है कि प्रवेश परीक्षाओं में गड़बड़ियों पर रोक लगाने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं, ताकि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो।

सियासत

तमिलनाडु में बैसाखियों के सहारे चल रही विजय सरकार ने पास की पहली बड़ी परीक्षा

सितारे का होगा सियासी चुनौतियों से सामना

एस श्रीनिवासन

बॉक्स ऑफिस पर कई हिट फिल्में दे चुके अभिनेता सी जोसेफ विजय ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी और बुधवार को फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। वोटिंग के वक्त सदन में 171 विधायक मौजूद थे। इनमें 144 ने टीवीके सरकार का समर्थन किया। यह तो महज शुरुआत है, क्योंकि अल्पमत सरकार का नेतृत्व करते हुए उन्हें अभी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

सिनेमा की दुनिया में तो सुपरस्टार विजय उन कहानियों से परिचित होते होंगे, जिनमें एक नौजवान को निर्णायक विजय से पहले कई लड़ाइयां लड़नी पड़ती हैं, मगर उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी कि राजनीति में कदम रखने पर असली दुनिया में भी उन्हें उसी तरह जूझना पड़ेगा। सिने-जगत में चकाचौंध खत्म होते ही सितारा तुरंत अपने असली रूप में लौट सकता है, लेकिन सियासत में ऐसी सुविधा नहीं होती। एक बार राजनीति की दौड़ में शामिल होने के बाद पीछे मुड़ना लगभग नामुमकिन होता है।

विजय को इन कटु सच्चाइयों का अनुभव हो रहा होगा। 4 मई को उनकी पार्टी 'तमिलगा वेट्री कषगम' (टीवीके) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। कांग्रेस द्वारा पांच विधायकों के सशर्त समर्थन का वादा करने और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों व 2029 के संसदीय चुनावों में साझा भविष्य की कल्पना के अगले दिन से ही विजय के लिए हालात बिगड़ने लगे। कार्यवाहक राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने विजय द्वारा पेश दावे का पत्र पढ़ा, जिसमें चुनाव के बाद गठबंधन के रूप में कांग्रेस के समर्थन का उल्लेख था, मगर तत्काल उन्हें न्योता नहीं दिया। सरकारिया आयोग के दिशा-निर्देश, बोम्मई मामले समेत सुप्रीम कोर्ट की विभिन्न पीठों के फैसलों में यह साफ कहा गया है कि सत्ता हस्तांतरण का मौका सबसे बड़ी पार्टी को दिया जाना चाहिए। बहुमत का परीक्षण विधानसभा में होना चाहिए, न कि राजभवन में, जिसे अब लोकभवन कहा जाता है।

गैर-भाजपा शासित राज्यों में राज्यपालों की भूमिका सत्ताधारी दल के साथ टकराव वाली रही है, इसलिए अर्लेकर के फैसलों को भी विजय के मुख्यमंत्री बनने की राह में एक बाधा के रूप में देखा गया। दरअसल, भाजपा नेतृत्व को सबसे ज्यादा गुस्सा कांग्रेस के साथ टीवीके के गठबंधन से आया। यह तमिलनाडु के साथ केरल, पुडुचेरी, यहां तक ??कि आंध्र प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में भी भाजपा के लिए एक खतरे की घंटी थी, जहां विजय के काफी अधिक समर्थक हैं।

इन छह दिनों के भीतर एक वक्त ऐसा भी आया, जब सत्ता से बेदखल हुई द्रमुक पार्टी सक्रिय हो गई। कांग्रेस के गठबंधन से बाहर निकलने से नाराज द्रमुक ने विजय को मुख्यमंत्री बनने से रोकने के लिए विकल्पों की तलाश शुरू कर दी। एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि अन्नाद्रमुक के प्रस्ताव पर मुखर प्रतिक्रिया देने लगे थे। अन्नाद्रमुक के नेता ई पलानीसामी (ईपीएस) अस्तित्व के संकट का सामना कर रहे थे, क्योंकि 2021 में मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद से ही वह लगातार हार का सामना करते आ रहे हैं।

चुनावी नतीजे के बाद ईपीएस को अन्नाद्रमुक में संभावित असंतोष की चिंता सताने लगी थी और इसलिए उन्होंने राज्यपाल द्वारा मुहैया कराए गए इस अवसर का लाभ उठाते हुए किसी भी तरह से सरकार बनाने की संभावनाएं टटोलनी शुरू भी कर दी। द्रमुक के एक गुट ने अन्नाद्रमुक को समर्थन देने की पूरी तरह से बेतुकी संभावना पर विचार करना भी शुरू कर दिया, मगर पार्टी के समझदार लोगों ने इस कदम की गंभीरता को समझते हुए कहा कि अगर ऐसा किया गया, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं, क्योंकि चुनाव परिणामों ने द्रविड़ दलों की चुनावी अपील पहले ही काफी कम कर दी थी। इन दोनों द्रविड़ दलों ने थोल थिरुमावलवन के नेतृत्व वाली दो सदस्यीय पार्टी वीसीके को बाहर से समर्थन देने की संभावना पर भी गौर किया। इसके पीछे तर्क यह ढूंढ़ा गया कि दलितों की इस पार्टी को समर्थन देना एक मास्टरस्ट्रोक साबित हो सकता है और इससे नवगठित टीवीके को मात दी जा सकती है, मगर एक बार फिर इन दोनों पार्टियों के समझदार लोगों ने ऐसे जोखिम भरे रास्ते को न अपनाने की सलाह दी और इसके खतरे बताए।

वामपंथी दलों को फैसला लेने में दो दिन लग गए, पर इसका असर वीसीके और आईयूएमएल पर भी नैतिक रूप से दिखने लगा। सीपीआई और सीपीएम के राष्ट्रीय नेतृत्व ने जनता के फैसले को सही ढंग से समझा और किसी भी तरह के जोखिम भरे कदम न उठाने की सलाह दी। जब द्रमुक को समझ आ गया कि उसके पास कोई विकल्प नहीं बचा है, तब उसने अपने सहयोगी दलों- सीपीआई, सीपीएम, वीसीके और आईयूएमएल -को निर्देश दे दिए कि वे टीवीके को बाहर से समर्थन दे सकते हैं और कुछ हद तक स्वायत्तता बनाए रख सकते हैं, साथ ही 'सांप्रदायिक ताकतों' को दूर रख सकते हैं। यह सुझाव इन दलों को रास आया और शनिवार तक उन्होंने टीवीके को बिना शर्त अपना समर्थन दे दिया। तस्वीर का दूसरा रोचक पहलू यह है कि अन्नाद्रमुक के लिए हालात ज्यादा खराब हो रहे हैं, क्योंकि उसके 47 में से दो-तिहाई विधायकों ने ईपीएस के नेतृत्व पर अविश्वास जताते हुए बगावत का झंडा उठा लिया है।

बहरहाल, अब जब विजय मुख्यमंत्री के रूप में सत्ता संभाल चुके हैं, तो उनके सामने कम से कम पांच बड़ी चुनौतियां हैं। सबसे पहली चुनौती तो सरकार की स्थिरता सुनिश्चित करना है, क्योंकि यह बेहद कम बहुमत पर टिकी है। दूसरी, अपने समर्थक दलों को जोड़े रखना और अनुभवहीन मंत्रिमंडल का नेतृत्व करना। तीसरी, केंद्र सरकार और राज्यपाल के साथ कठिन और कुछ हद तक पेचीदा संबंधों को संभालना, जो विजय के लिए कई तरह की मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। चौथी, जनता की बढ़ी उम्मीदों को पूरा करना, क्योंकि उन्होंने बड़े-बड़े वादे किए हैं और उनको पूरा करने के लिए संसाधनों की उन्हें व्यवस्था करनी होगी और पांचवीं, हार से भड़की द्रमुक पार्टी को संभालना।

तमिलनाडु के चुनावी नतीजे साफ बताते हैं कि जन-आकांक्षाएं चरम पर हैं। मुख्यमंत्री विजय पर एक अतिरिक्त जिम्मेदारी यह भी है कि आने वाले वर्षों में अपनी पार्टी को अन्य पार्टियों की तरह बनने से बचाकर रखें, जैसा दिल्ली में आम आदमी पार्टी के साथ हुआ है। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि पारंपरिक राजनीतिक वर्ग के गुस्से को उन्हें शांत करना होगा, जिसने अभी तक जनादेश को पूरी तरह से स्वीकार नहीं किया है।

खुला मंच

फुल गब्बरमय हो गई है अब पॉलिटिक्स

आलोक पुराणिक

ट्रंप ने एलियनों से जुड़ी फाइलें जारी कीं। एक फाइल छिपा ली गई है। इसके मुताबिक ट्रंप से मिलने एलियन आया तो ट्रंप ने कहा कि मुझे नोबल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करो। एलियन यह सुनकर भाग लिया। एलियन अब इंडिया आने की सोच रहे हैं, क्योंकि यहां तो लोग सिर्फ झालमुड़ी मांग रहे हैं।

खैर, कइयों को चीफ मिनिस्टर बनवाने वाले प्रशांत किशोर अपना एक विधायक भी न बनवा पाए बिहार में। तो क्या हुआ। ऐसे भी कई देखे हैं जिनकी कोचिंग से कई आईएएस बन गए, पर वो खुद तहसीलदार भी नहीं बन पाए।

ठीक ऐसे ही बंगाल में दो मुख्यमंत्री माने जा सकते हैं। एक नैतिक जीत वाला, दूसरा राजनीतिक जीत वाला। या फिर देश में मुख्यमंत्री, नैतिक जीत का पद भी बनाया जा सकता है। जहां इतने तरह के मुख्यमंत्री पहले ही हैं–भूतपूर्व,अभूतपूर्व,भावी, दावेदार, कार्यवाहक वगैरह-वगैरह। वहां एक और मुख्यमंत्री का पद बन जाए तो क्या फर्क पड़ जाएगा। वर्ष 2025 की आईपीएल चैंपियन टीम रॉयल चैलेंजर बंगलुरु के विराट कोहली ने अपने टीम मेंबर से कहा– ट्रॉफी को हम छिपाकर दुबई में रख देते हैं। इस बार यदि फाइनल में हम हार जाते हैं तो हम कह देंगे कि हम हारे ही नहीं हैं, हमें तो हरा दिया गया है। ट्रॉफी हम देंगे नहीं, तो इस बार भी चैंपियन हम ही माने जाएंगे। सही है, इसे जीत का ' ममता प्लान' माना जा सकता है।

आपरेशन सिंदूर की सालगिरह पर विदेश मंत्री ने विदेशी राजनयिकों को हिंदी में ऑपरेशन सिंदूर समझाया–एक होता है सिंदूर, मतलब सिर्फ सिर पर लगाते हैं। एक होता है सिंदूर–खेला, इसमें बहुत सारे ठिकानों को सिंदूरी कर देते हैं। फिर एक होता है सिंदूर-ठेला, इसमें हर आतंकी को उल्टा टांग कर फुल बॉडी सिंदूर चेक होता है। ऑपरेशन सिंदूर के वक्त पाक आर्मी जनरल ने कहा था कि रुहानी ताकतों ने उनकी मदद की थी। अब एक पाकिस्तानी नेता ने कहा कि हम इंडिया के बांध पर हमला करेंगे। इंटरनेशनल भिखारी पाकिस्तान की तरफ से रुहानी ताकतें यानी भूत जिन्ना टोपी पहनकर हमला करेंगे। तमिलनाडु में कांग्रेस पार्टी ने स्टालिन की पार्टी के साथ मिलकर विजय थलपति के खिलाफ चुनाव लड़ा। स्टालिन हारे तो दोस्ती खलास, अब कांग्रेस विजय के साथ है, जिसके खिलाफ चुनाव लड़ा था। कौन किसके साथ है तमिलनाडु में, यह समझना मुश्किल है। मतलब कुछ यूं हो रहा है जैसे शोले फिल्म में बसंती वीरू के साथ भी खुश हो, और गब्बर सिंह के साथ भी मस्त रहे। पॉलिटिक्स फुल गब्बरमय हो गई है।

चिंतन शिविर

सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह सभी हितधारकों को एक साझा मंच पर लाता है चिंतन शिविर

हाशिये से मुख्यधारा में आ गया भारत में खेल

पुलेला गोपीचंद

दो चिंतन शिविरों का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त करने के बाद मैं भरोसे के साथ कह सकता हूं कि यह आज भारतीय खेल जगत की सबसे सामयिक और असरदार पहलों में से एक है। हम अपने राष्ट्र की खेल यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं, एक ऐसा मोड़ जहाँ इरादा, निवेश और प्रेरणा अभूतपूर्व रूप से एक साथ मिल रहे हैं।

पिछले एक दशक में, भारत में खेल हाशिये से मुख्यधारा में आ गया है। इसके महत्व के प्रति भी साफ तौर पर राष्ट्रीय जागरूकता देखी जा सकती है, न केवल एक प्रतिस्पर्धी गतिविधि के रूप में, बल्कि स्वास्थ्य, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव के साधन के रूप में भी। आज, हम एक विशाल और विविध तंत्र देख रहे हैं, जहां राज्य सरकारें, गैर-सरकारी संगठन, निगम, संघ और ज़मीनी स्तर के संस्थान सभी मिलकर खेलों के विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।

चिंतन शिविर की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह सभी हितधारकों को एक साझा मंच पर लाता है। खेल अपने आप में कई क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है, जिनमें विनिर्माण, मनोरंजन, फिटनेस, मीडिया और शिक्षा शामिल हैं। यह शिविर इन सभी क्षेत्रों को एक साथ लाने में मदद करता है, जिससे एक साझा दृष्टिकोण बनता है, जो दीर्घकालिक सफलता के लिए बेहद ज़रुरी है। यह देश के सामूहिक दृष्टिकोण को सामने लाता है और साथ ही विभिन्न राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करता है, जिससे अनुकरण और नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलता है।

चिंतन शिविर महज एक सम्मेलन से कहीं बढ़कर, एक शिक्षण तंत्र है। यह इसमें शामिल होने वाले लोगों को विचारों का आदान-प्रदान करने, चुनौतियों को समझने और मिलकर समाधान विकसित करने का अवसर देता है। यह एक शक्तिशाली प्रेरक के रूप में भी काम करता है, सफलता की तमाम कहानियों को सामने लाता है और इस विचार को और पुख्ता करता है कि भारत में खेल महज़ विशिष्ट पदकों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भागीदारी, समावेशिता और राष्ट्र निर्माण भी शामिल है। फिट इंडिया मूवमेंट जैसी पहल, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन और साइक्लिंग प्रतियोगिताओं जैसी सामुदायिक गतिविधियों ने खेल के प्रति हमारे नज़रिए को नया रूप दिया है।

श्रीनगर में शिविर का आयोजन करने से इसका महत्व और भी बढ़ गया है। इस शहर की शांत सुंदरता खेलों की विचारधारा के लिए एक मनोरम पृष्ठभूमि प्रदान करती है। इस चिंतन शिविर का एक अहम केंद्र बिंदु श्रीनगर खेल संकल्प को अपनाना था। यह संकल्प महज एक आशय का दस्तावेज नहीं, बल्कि यह एक ऐसा एकीकृत ढांचा है, जो भारतीय खेल जगत के सभी हितधारकों की आकांक्षाओं को एक साथ जोड़ता-बांधता है। यह एक ऐसा रोडमैप तैयार करता है, जो विखंडन के बजाय सहयोग को प्रोत्साहित करता है।

श्रीनगर खेल संकल्प की असली ताकत विभिन्न भागीदारों—सरकारों, संघों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज को एक मंच पर लाने की क्षमता में निहित है। यह इस विचारधारा को और पुख्ता करता है कि भारत के खेल जगत का उत्थान अलग-थलग प्रयासों से नहीं हो सकता। इसके बजाय, इसे एक समन्वित, सहयोगात्मक दृष्टिकोण से संचालित किया जाना चाहिए, जहां संसाधनों व विशेषज्ञता को एक साथ लाया जाए।

भारत को 2036 तक ओलंपिक खेलों में शीर्ष 10 देशों में शामिल होने की अपनी दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा को प्राप्त करने के लिए यह समन्वय बेहद महत्वपूर्ण है। विश्व स्तरीय एथलीट तैयार करने के लिए न केवल प्रतिभा की जरुरत होती है, बल्कि एक सुचारू तंत्र की भी महती आवश्यकता होती है, जिसमें जमीनी स्तर पर पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचा, उत्कृष्ट कोचिंग, प्रतिस्पर्धा का अनुभव और निरंतर वित्तीय एवं संस्थागत समर्थन शामिल हैं। इन वार्ताओं से जो बात सबसे अधिक उभरकर सामने आई है, वह है इस व्यवस्था में मौजूद आशावाद। सभी का यह मानना है कि भारत का खेल भविष्य उज्ज्वल है और सहयोग से हम एक सशक्त, समावेशी और उच्च प्रदर्शन वाली खेल संस्कृति का निर्माण कर सकते हैं।

चिंतन शिविर कई मायनों में एक अनूठा प्रयोग है, लेकिन यह पहले से ही सफल साबित हो रहा है। यह संवाद, समन्वय और आपसी समझ के महत्व को दर्शाता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश के लिए, ऐसे मंच न केवल लाभकारी हैं, बल्कि आवश्यक भी हैं। अगर हम वैश्विक खेल मंच पर अपनी महत्वाकांक्षाओं को सही मायने में साकार करना चाहते हैं, तो इन संवादों का जारी रहना और इन्हें सामूहिक कार्रवाई से मदद मिलना भी जरुरी है। श्रीनगर खेल संकल्प हमें वह दिशा प्रदान करता है। चिंतन शिविर हमें वह मंच प्रदान करता है। ये दोनों मिलकर भारत को अपनी खेल संबंधी आकांक्षाओं-महत्वाकांक्षाओं को स्थायी ओलंपिक सफलता में बदलने के लिए एक सशक्त आधार प्रदान करते हैं।

(लेखक बैडमिंटन टीम के मुख्य कोच हैं)

जीवन दर्शन

एक समुदाय नहीं, समूची मानवता का धर्म है प्रेम

यह कोई विचारधारा नहीं, एक जीवन-पद्धति है। इसे मानना नहीं, जीना होता है। और जब हम इसे जीते हैं, तब हमारा जीवन एक नृत्य बन जाता है, एक ऐसा नृत्य जिसमें कोई दीवार नहीं, कोई सीमा नहीं, केवल प्रेम का विस्तार है। यदि हमारा धर्म प्यार है, तो नियम बहुत सरल हो जाएगा- जो भी करो, प्रेम से करो। चाय बनानी है? प्रेम से बनाओ। बहस करनी है? प्रेम से करो। गुस्सा आ गया? थोड़ा रुककर प्रेम से संभालो। यानी धर्म कोई भारी ग्रंथ नहीं, बल्कि दैनिक जीवन का हल्का-फुल्का अनुशासन बन जाएगा। और हां, परीक्षा भी रोज होगी, हम खुद अपने परीक्षक होंगे। प्रेम का धर्म किसी एक समुदाय का नहीं, समूची मानवता का धर्म है, मानव होने का धर्म है। धरती का मंदिर सबका है। हृदय का ग्रंथ सब पढ़ सकते हैं। और दयालुता की प्रार्थना हर कोई कर सकता है...

विनम्रतापूर्वक क्षमा मांग लेना भारतीय संस्कृति का अभिन्न भाग है। क्षमा मांग लेना और क्षमा कर देना तभी संभव होता है जब प्रेम हमारा धर्म बन जाए, हमारा पूरा अस्तित्व ही प्रेममय हो जाए। प्रेम अगर हमारा धर्म बन जाए तो दुनिया ही बदल जाती है क्योंकि हमारा नजरिया बदल गया, सोच बदल गई, सोचने-समझने का तरीका बदल गया। हम किसी भी कोण से देखें, दुनिया बदल जाती है।

न्यूरोसाइंस बताती है कि जब हम प्रेम और करुणा का अनुभव करते हैं, तब मस्तिष्क में ऑक्सीटोसिन, डोपामिन और सेरोटोनिन जैसे रसायन सक्रिय होते हैं। ये रसायन न केवल हमें सुख का अनुभव कराते हैं, बल्कि सामाजिक बंधन को भी मजबूत करते हैं। इस प्रकार प्रेम केवल आध्यात्मिक आदर्श नहीं, बल्कि मानव विकास की एक जैविक आवश्यकता है। जब हम कहते हैं कि हमारा धर्म प्रेम है, तब हमें किसी संकीर्ण पहचान की आवश्यकता नहीं रह जाती। हम सिर्फ इनसान हो गए और इनसानियत हमारा व्यवहार हो गया। इसी तरह जब हम धरती को मंदिर मानते हैं, तब हम उस पर हिंसा नहीं कर सकते। हम उसे दूषित नहीं करते। हम ऐसा समझेंगे तो विभाजन नहीं रह जाएगा। हम धर्म के नाम पर लडने की बजाय प्रेम के नाम पर जुड़ेंगे। यदि हमारा धर्म प्रेम है, तो हम किसी को पराया नहीं मानेंगे। तब जाति, भाषा, पंथ के भेद गौण हो जाएंगे।

जब हम धरती को ही मंदिर मान लें तो तब हमें अपने ईश्वर को दीवारों में बंद करने की जरूरत नहीं रह जाती। आकाश हमारा गुंबद है, वृक्ष हमारे स्तंभ हैं, नदियां हमारा शंखनाद हैं, और जीवन नृत्य हो जाता है, जीवन उत्सव बन जाता है। प्रेम को धर्म मान लिया और धरती को मंदिर मान लिया और हृदय को ग्रंथ मान लिया तो करुणा हमारी प्रार्थना बन जाती है, पूजा-अर्चना बन जाती है। जब हम किसी भूखे को भोजन देंगे, जब हम किसी दुखी को सहारा देंगे, जब किसी शत्रु को क्षमा करेंगे- वही हमारी प्रार्थना होगी। तब हम पाएंगे कि प्रार्थना मंदिर में सीमित नहीं, जीवन में प्रवाहित है। हम सब एक ही धरती के पुत्र हैं और यही हमारा मंदिर है। इसकी रक्षा करना, इसे प्रदूषण से बचाना, यही हमारी पूजा होगी।

प्रमोद निर्वाण

गीता ज्ञान

श्लोक

यथा चित्तं तथा वाचो यथा वाचस्तथा क्रियाः।
चित्ते वाचि क्रियायांच साधुनामेक्रूपता॥

भावार्थ

अच्छे लोगों के मन में जो बात होती है, वे वही वो बोलते हैं और ऐसे लोग जो बोलते हैं, वही करते हैं। सज्जन पुरुषों के मन, वचन और कर्म में एकरूपता होती है।

नवंबर 2027 तक संत हिरदाराम नगर की हर गली को बनाया जाएगा पक्का

महापौर, विधायक और एमआईसी सदस्य ने किया विकास कार्यों का भूमि पूजन

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर के बाशिंदों के लिए आगामी डेढ़ साल सौगातोंभरा होने वाला है जहां 25 करोड़ की लागत से फाटक रोड पर बने रहे रेलवे ओवर ब्रिज की सौगात इसी साल मिलेगी वहीं नवम्बर 2026 तक सिक्स लेन फ्लाइ ओवर का काम भी पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। इतना ही नहीं जहां जहां जरूरी होगा, वहां सीवेज सिस्टम को बदला जाएगा साथ ही पानी की पाइप लाइने भी बिछाई जाएंगी। इसके बाद नवम्बर 2027 तक यहा की हर गली एवं सड़क को पक्का किया जाएगा, उक्त जानकारी महापौर मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा एवं एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी द्वारा वार्ड 4 में 2 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यो के भूमि पूजन के दौरान आम जनता को दी गई। काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों को सम्बोधित करते हुए महापौर मालती राय ने कहा कि आम नागरिकों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं को जो भी निर्माण कार्य होता है, उस पर निगरानी रखना चाहिए क्योंकि महापौर या विधायक अथवा अधिकारी तो कभी कभी आते हैं, लेकिन स्थानीय निवासी चूंकि चैबीस घंटे यही रहेंगे ऐसे में सड़क का काम गुणवतापूर्ण हो रहा है, कि नही उस पर नजर रखें और कहीं कोई गलती दिखे तो हमारे ध्यान में लाया जाए। स अवसर पर विधायक रामेश्वर शर्मा ने अधिकारियों को मंच के सामने बुलाकर यह निर्देश दिए कि जहां जहां सीवेज व पानी की लाइन डाली जानी है, वहां सयुंक्त रूप से सर्वे करें जहां सीवेज नहीं डलनी है, वहां सड़कों का काम प्रारंभ किया जाए। सीवेज कब तक डालेगा इसका मैप तैयार करें क्योंकि नवम्बर 2027 तक यहां की सभी गलियों को पक्का किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शेड व स्वागत द्वार बनाने की कोई जरूरत नहीं है, पार्षद का डेढ़ व डेढ़ करोड़ नगर निगम मुख्यालय दे इस तरह तीन चार करोड़ से सभी सड़कों का सीमेंट कांक्रीट किया जाए। उन्होंने कहा जो काम करेगा उसकी गाली भी खा लेंगे लेकिन जो अधिकारी काम नहीं करेगा उसको सस्पेंड किया जाएगा, यह हमारा नहीं हमारी पार्टी की कार्यकारिणी का वादा है। रेलवे ओवर ब्रिज को बारिश से पहले चालू करने का भी विधायक ने भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि बिजली पानी सड़क की सुविधा आम जनता को देना हमारी प्राथमिकता है। जहां सड़कें बन रही हैं, वहां इस बात का ध्यान दें कि बरसात का पानी दुकानों के भीतर न घुसे, दुकानों के सामने भले ही छोटी पर नाली बनाएं ताकि बरसात के पानी की निकासी आसान हो।

सड़क पर नाली नहीं

हालांकि बुधवार को वार्ड 4 में 1.50 करोड़ की लागत से तीन सड़कों के सीमेंट कांक्रीट का काम तो प्रारंभ हुआ, लेकिन तीनों सड़कों के किनारे नाली का कोई प्रावधान नहीं किया गया है। जो तीन सड़कें जर्जर हो गई, उसकी वजह भी पूर्व में भारी का भराव रहा है, लेकिन इस बार भी नालियों का कोई प्रावधान नहीं किया गया है, हालांकि विधायक ने पूर्व में बनी नालियों को खोलने की बात कही है लेकिन अगर उन्हें खोले बिना या नई नाली बनाए बिना ही सड़कों का सीमेंट कांक्रटी किया जाता है, तो तीनों सड़कों का भविष्य फिर खतरे में पड़ने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता।

जरूरी थी तीन सड़कें

इस मौके पर एकमात्र सिंधी भाषी एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी ने कहा कि जिन तीन सड़कों का निर्माण प्रारंभ हो रहा है, उनका कायाकल्प बहुत ही जरूरी था क्योंकि वे बहुत ही खराब हो गई हैं। एक माह के पहले ये तीनो सड़कें बनकर तैयार हो जाएंगी। इसी तरह गिदवानी पार्क का बाउंड्रीवाल भी बनाया जा रहा है। बेहटा गांव विश्रामघा एवं मंदिरों में भी काम करवाया जा रहा है। इस तरह कुल दो करोड़ की राशि खर्च की जा रही है। समारोह में जिला भाजपा उपाध्यक्ष राम बंसल रैनवाल, विनय दादलानी, हुजूर विधान सभा के प्रभारी चन्द्रप्रकाश इसरानी, युवा नेता राहुल राजपूत, कपड़ा एसोसियेशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी, मण्डल अध्यक्ष मनीष बागवानी, पूर्व अध्यक्ष कमल वीधानी, नरेन्द्र लालवानी, रमेश जनयानी, राजेश बेलानी, सर्राफा व्यापारी संघ के अध्यक्ष नरेश तोलानी, वरिष्ठ पदाधिकारी प्रकाश दादलानी, किरण वाधवानी, किशन अच्छानी, हीरो इसरानी, पूर्व पार्षद माखन सिंह राजपूत, नारायणदास लालवानी, लीला राजपूत सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थिति थे। इस मौके पर कामगारों को किट भी प्रदान की गई।

अंधेरे के कारण शाम ढलने के बाद घरों से नहीं निकल पा रहीं महिलाएं

संत हिरदाराम नगर में स्मार्ट सिटी की स्ट्रीट लाइट के बुरे हाल

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। राजधानी के भाजपा एवं व्यापारिक बाहुल्य इलाके संत हिरदाराम नगर जहां से नगर निगम को टेक्स की सर्वाधिक वसूली होती है, वहां पर अनेक मोहल्लों में इन दिनों स्ट्रीट लाइट का बुरा हाल है। जहां जहां भी स्मार्ट सिटी पर इसके रखरखाव का दायित्व है, वह उसमें बुरी तरह से नाकाम रहा है।

घरों में दुबकी महिलाएं

वैसे तो जहां भी स्मार्ट सिटी की स्ट्रीट लाइट लगी है, वहां किसी तरह का रखरखाव नहीं हो रहा है, लेकिन वार्ड 5 में विद्या सागर पब्लिक स्कूल के समीप की निर्मल नर्सरी कालोनी के बहुत ही बुरे हाल हैं। यहां इतनी गर्मी में भी शाम ढलने के बाद मोहल्ले की महिलाएं एवं बच्चे केवल इस वजह से घरों से बाहर नहीं निकलते कि कहीं अंधेरे में उनके साथ कोई वारदात न हो जाए। शिकायत मिलने के बाद जब यह प्रतिनिधि इस मोहल्ले में रात 8 बजे पहुंचा तब, किसी के घर तक जाना भी कठिन था क्योंकि इतना अंधेरा था कि अगर किसी महिला के साथ कोई वारदात हो जाए, तो आरोपी का चेहरा तक दिखाई नहीं देगा। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से ओल्ड डेयरी फार्म से लेकर विद्या सागर स्कूल के आस पास एवं निर्मल नर्सरी कालोनी में अंधेरा है। महिलाओं ने बताया कि भय के मारे वे घरों से बाहर नहीं निकल पा रही हैं।

समन्वय का अभाव

इस बावत जब पड़ताल की गई तो पता चला कि निर्मल नर्सरी मोहल्ला नगर निगम के स्मार्ट सिटी शाखा के अन्तर्गत आता है, ऐसे में इसी मोहल्ले के समीप की स्ट्रीट लाइट की देखरेख नगर निगम विद्युत शाखा करती है, उसे शिकायत की गई, तब उसके प्रभारी ने बताया कि हम स्मार्ट सिटी की स्ट्रीट लाइट में हस्तक्षेप नहीं कर सकते इस तरह नगर निगम की ही दोनो शाखाओं मे आपसी समन्वय के अभाव का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रता है। इसकी शिकायत जब वार्ड 5 के कांग्रेसी पार्षद अशोक मारन से की गई, तब उन्होंने समस्या का समाधान करने के बजाया स्मार्ट सिटी स्ट्रीट लाइट प्रभारी का मोबाइल नम्बर वाट्स अप पर भेज दिया। अब जनता जाए तो जाए कहां।

विधायक हुए नाराज

संत हिरदाराम नगर में कुछ जगहों पर स्मार्ट सिटी की स्ट्रीट लाइट के रखरखाव पर ध्यान नहीं दिए जाने एवं आम जनता की शिकायतों का निराकरण नहीं होने पर विधायक रामेश्वर शर्मा ने गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए महापौर मालती राय से जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल हटाने का आग्रह किया है।

फोटोः- निर्मल नर्सरी मोहल्ला जो सात दिनों से अंधेरे में डूबा है।

विधायक खत्री ने किया 285 लाख की नवनिर्मित सड़क का लोकार्पण

जागरण, कलारा। बैरसिया विधानसभा क्षेत्र के ग्रामवासियों के लिए गुरुवार का दिन विकास के नए अध्याय के रूप में यादगार बन गया। क्षेत्र के ग्राम झिरनिया कांकड़ से कचनारिया तक निर्मित नवीन सड़क मार्ग का लोकार्पण क्षेत्रीय विधायक विष्णु खत्री द्वारा किया गया। करीब 285 लाख रुपये की लागत से तैयार इस सड़क की कुल लंबाई 3.2 किलोमीटर है। इस मार्ग के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी, साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि कार्यों से जुड़े लोगों को भी सीधा लाभ मिलेगा। लोकार्पण कार्यक्रम शाम 5 बजे ग्राम झिरनिया कांकड़ में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक विष्णु खत्री ने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता है। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य के लिए खुशी जाहिर करते हुए इसे क्षेत्र की प्रगति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस नई सड़क से आसपास के गांवों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और विकास को नई गति मिलेगी।

SUDOKU 35

4				1				2
	2			7			1	
		1		2		5		
	8		5		3		2	
2	9			8			5	
	1		7		2		6	
		8		3		6		
	6			5			3	
9				6				5

SOLUTIONS 34

9	3	5	2	1	6	7	8	4
7	6	4	3	8	9	1	2	5
8	2	1	7	4	5	9	6	3
1	4	7	9	3	2	8	5	6
5	9	3	1	6	8	2	4	7
6	8	2	5	7	4	3	9	1
4	1	6	8	9	3	5	7	2
2	7	8	4	5	1	6	3	9
3	5	9	6	2	7	4	1	8

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

विकास, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और सीएसआर पर बनी रणनीति

जागरण, मंडीदीप। औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार को प्रशासन और उद्योग जगत के बीच समन्वय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली। एसोसिएशन ऑफ ऑल इंडस्ट्रीज, मंडीदीप के सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने जिले के प्रमुख उद्योगपतियों से सीधा संवाद किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं का समाधान, ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना और कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के माध्यम से जनहितकारी कार्यों को गति देना रहा। बैठक के दौरान उद्योग प्रतिनिधियों ने मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों को प्रशासन के समक्ष रखा। इनमें बुनियादी सुविधाओं, अधोसंरचना सुधार और औद्योगिक संचालन में आ रही दिक्कतों जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। कलेक्टर ने समस्याओं पर गंभीरता से विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर कलेक्टर विश्वकर्मा ने देश की ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को लेकर केंद्र सरकार की सोच साझा की। उन्होंने उद्योगपतियों से अपील की कि भविष्य में गैस, डीजल और पेट्रोल पर निर्भरता कम कर वैकल्पिक एवं नवाचारी ऊर्जा स्रोतों को अपनाया जाए। उनका कहना था कि उद्योग क्षेत्र यदि सौर ऊर्जा, हरित ईंधन और ऊर्जा दक्ष तकनीकों की ओर कदम बढ़ाए, तो इससे न केवल उत्पादन लागत कम होगी, बल्कि देश भी ऊर्जा क्षेत्र में अधिक मजबूत बनेगा।

राशिफल

मेष : आज खुशियों की हल्की-हल्की दस्तक आपके दिन को खास बना सकती है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को मनचाही खबर मिल सकती है। बेवजह के विवादों से बचें।

वृषभ : आज मन किसी बात को लेकर थोड़ा बेचैन रह सकता है, लेकिन आपकी मेहनत आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में मदद करेगी।

मिथुन : आज सफलता आपके कदम चूम सकती है। मेहनत का फल धीरे-धीरे मिलना शुरू होगा। खर्च बढ़ने से थोड़ी चिंता हो सकती है।

कर्क : आज का दिन थोड़ी उलझनों के साथ आगे बढ़ सकता है, इसलिए हर फैसला सोच-समझकर लें। परिवार के मुद्दों को प्यार और समझदारी से सुलझाने की जरूरत होगी।

सिंह : आज आर्थिक मामलों में किस्मत आपका साथ देती नजर आएगी। रुके हुए काम पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। निवेश के नए मौके मिल सकते हैं, लेकिन जल्दबाजी से बचें।

कन्या : आज बड़े सपनों को हकीकत में बदलने की शुरुआत हो सकती है। किसी जरूरतमंद की मदद करके आपको आत्मिक खुशी मिलेगी।

तुला : आज सतर्कता ही आपकी सबसे बड़ी ताकत होगी। विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन समझदारी से आप हर स्थिति संभाल लेंगे।

वृश्चिक : आज परिवार और सेहत दोनों पर खास ध्यान देने की जरूरत है। जीवनसाथी के साथ छोटी नोकझोंक हो सकती है, लेकिन प्यार से बात करेंगे तो रिश्ता और मजबूत होगा।

धनु : आज आपका प्रभाव और सम्मान दोनों बढ़ते नजर आएंगे। सरकारी कामों में प्रगति मिलने की संभावना है। मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

मकर : आज अधूरी इच्छाएं पूरी होने के संकेत हैं और मेहनत रंग लाती दिखाई देगी। बॉस आपकी कार्यशैली से खुश रहेंगे।

कुंभ : आज लाभ और नए अवसर आपके आसपास मंडराते दिखाई देंगे। नया काम शुरू करने का विचार फायदेमंद साबित हो सकता है।

मीन : आज मन में चल रहा संशय आपको थोड़ा उलझन में डाल सकता है। कोई महत्वपूर्ण डील आखिरी समय में अटक सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें।

आज का पंचांग: 14 मई गुरुवार 2026। **दिशाशूल :** दक्षिण दिशा में रहेगा। **पर्व एवं त्योहार :** प्रदोष व्रत। **विशेष :** पंचक (रात्रि 10.34 पर समाप्त), बुध वृष में शुक्र मिथुन में। विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की द्वादशी तत्पश्चात त्रयोदशी रेवती नक्षत्र तत्पश्चात अश्वनी नक्षत्र प्रीति योग 17 घंटे 54 मिनट तक तत्पश्चात आयुष्मान योग मीन में चंद्रमा 22 घंटे 34 मिनट तक तत्पश्चात मेष में।

धाकड़ समाज की पहल, पौधरोपण के लिए भेंट की राशि

ओबेदुल्लागंज। खुमान सिंह पटेल की धर्मपत्नी एवं राकेश पटेल, अखिलेश पटेल, रजनीश पटेल बृजेश पटेल की माता स्व. फूलवती नागर (इशरदा) ग्राम इकलामा की आत्म शांति हेतु पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिजनों ने जन्म से लेकर मोक्ष तक पौधारोपण अभियान चलाने वाले संतोष नागर को एक सो एक पौधरोपण के लिए राशि भेंट कर अनुकरणीय पहल की। समाज के बारिष्ठ जनों एवं शोकाकुल परिजनों के साथ विधायक मनोज पटेल, भाजपा नेता जयप्रकाश शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर परिवार को लाल चंदन का पौधा भेंट किया गया।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम अब सुभाष बूलचंदानी पुत्र स्वर्गीय श्री रूपचंद बूलचंदानी निवासी-03, आशियाना आंगन बावड़ियाकलाँ, शाहपुरा थाना के पास भोपाल (म.प्र.) है। पूर्व में मेरा नाम सुभाष कुमार बूलचंदानी था जिसे मैंने बदलकर सुभाष बूलचंदानी रख लिया है । मेरे समस्त शासकीय दस्तावेजों जैसे-आधार कार्ड/पैन कार्ड एवं बैंक में अब मेरा नया नाम सुभाष बूलचंदानी ही लिखा हुआ है।

आज से मुझे सुभाष बूलचंदानी के नाम से जाना व पहचाना जाये।

: : आम सूचना : :

सर्व साधारण को यह सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारा श्रीमती कोमल दान्दवानी पत्नी श्री अनिल कुमार दान्दवानी, निवासी-11, स्टेट बैंक कॉलोनी, ईदगाह हिल्स, भोपाल से भूमि खसरा क्रं.- 138/1/1 (क), 138/1/1 (ग) एवं खसरा क्रं.-138/1/7 (एस) 1/क, कुल रकबा - 7.70 एकड़ में से रकबा-0.25 एकड़ अर्थात् 10890 वर्गफिट, स्थित-ग्राम पलासी, तहसील हुजूर, जिला भोपाल के संबंध में मेसर्स श्याम इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपर्स द्वारा प्रो. मनेन्द्र शर्मा पुत्र गुरु प्रसाद शर्मा, निवासी-एल.आई.जी. - 160, विश्वकर्मा नगर, फेस-2, बैरसिया रोड, भोपाल नें नोटराईजड 'कृषि भूमि बयाना विक्रय अनुबंध पत्र' का निष्पादन दिनांक-23/06/2025 को किया था, इसी प्रकार से मेरी पक्षकारा नें मनेन्द्र शर्मा के पक्ष में एक नोटराईजड मुख्तार - नामा दिनांक - 29/07/2025 को निष्पादित किया था, उक्त अनुबंध पूर्ण ना हो पाने के कारण मेरी पक्षकारा ने प्राप्त बयाना राशि का वापिसी भुगतान दिनांक- 03/08/2025 को मनेन्द्र शर्मा को एन.ई.एफ.टी. के माध्यम से कर दिया था तथा उसी समय मेरी पक्षकारा द्वारा उक्त 'कृषि भूमि बयाना विक्रय अनुबंध पत्र' एवं 'मुख्तार - नामा' को निरस्त व शून्य घोषित कर दिया था, तब से मनेन्द्र शर्मा का उक्त भूमि से कोई वास्ता व सारोकार नहीं हैं, अत: सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि उक्त भूमि के संबंध में मनेन्द्र शर्मा पुत्र गुरू प्रसाद शर्मा से मुख्तार - नामा या अनुबंध पत्र के आधार पर कोई किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार नहीं करें तथा इस संबंध में कोई भी संव्यवहार मेरी पक्षकारा पर बंधकारी नहीं होगा, कोई यदि संव्यवहार करता हैं, तो वह अवैध व शून्य माना जायेगा।

सुनील कुमार जैन (अधिवक्ता)
कार्यालय- 'आर. के. जैन लॉ चेम्बर' 67, आदर्श हॉस्पिटल के पास, थाना रोड, शाहजहानाबाद, भोपाल-462001 (म.प्र.) मो.नं. 9131859720

: : आम सूचना : :

एल.आई.जी. भवन क्रं. - पी-32, बी.डी.ए.कॉलोनी, टीलाजमालपुरा, तहसील हुजूर, जिला भोपाल के संबंध में :-

सर्व साधारण को यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती सरिता आहूजा पत्नी श्री पी.डी. आहूजा, निवासी- एल.आई.जी. - पी - 32, टीलाजमालपुरा, भोपाल के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक किता एल.आई.जी. भवन क्रं.- पी-32 जो कि बी.डी.ए. कॉलोनी, टीलाजमालपुरा, तहसील हुजूर, जिला भोपाल में स्थित है, उक्त भवन का कुल क्षेत्रफल (प्लाट साईज) 945 वर्गफिट अर्थात् 87.82 वर्गमीटर हैं, जिसे क्रय करने हेतु मेरे पक्षकार ने बयाना राशि अदा कर सौदा पक्का किया है, उक्त संपत्ति पर यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, सोसायटी, समिति, बैंक, वित्तीय संस्थान, शासकीय/अशासकीय विभाग का हित व अधिकार, गिरवी या बंधक हो तो वह इस प्रकाशन से 07 दिवस के भीतर मेरे नीचे उल्लेखित पते पर अपनी आपत्ति दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ स्वयं या अपने अभिभाषक के साथ प्रस्तुत करें अन्यथा मेरा पक्षकार उपरोक्त संपत्ति का पंजीयन अपने पक्ष में करवाने हेतु स्वतंत्र रहेगा व समयावधि पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी, इति।

सुनील कुमार जैन (अधिवक्ता)
कार्यालय- 'आर. के. जैन लॉ चेम्बर' 67, आदर्श हॉस्पिटल के पास, थाना रोड, शाहजहानाबाद, भोपाल-462001 (म.प्र.) मो.नं. 9131859720

आम सूचना
डुप्लेक्स मकान क्र. बी-न्यू-1/2 स्थित न्यू बी-वार्ड, बैरागढ़, भोपाल

मेरी पक्षकारा, कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड, भोपाल के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती दिव्या तोलानी पत्नी श्री नरेश तोलानी निवासी-289, वन ट्री हिल्स, संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) सर्कल, भोपाल (म.प्र.) ने उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं अधिपत्य का एक किता डुप्लेक्स मकान जो भूखंड क्र. बी-न्यू-1/2 क्षेत्रफल 867.60 वर्गफीट पर निर्मित होकर खसरा क्र.-27/1 का अंशभाग है, जो न्यू बी-वार्ड, बैरागढ़, भोपाल, ग्राम-बेहटा, तहसील हुजूर, जिला भोपाल (म.प्र.) में स्थित है, को मेरी पक्षकारा बैंक के पक्ष में बंधक रखने एवं ऋण सुविधा प्राप्त किये जाने हेतु आवेदन किया है । उपरोक्त भवन स्वामिनी ने व्यक्त किया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित पट्टा विलेखा दिनांक 27.07.1981 जो पुस्तक क्र.-अ-1, दस्तावेज क्र.-2212 की मूल प्रति कही खो गयी है, जिसे मूल स्वामिनी ने कही भी ऋण/भार स्वरूप जमा/बंधक नही किया है । यदि उक्त पट्टा विलेखा दिनांक 27.07.1981 किसी भी व्यक्ति/संस्था/बैंक के पास ऋण/भार स्वरूप जमा/बंधक हो तो वह अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेजों के साथ इस सूचना पत्र प्रकाशन से 03 दिवस की अवधि के अंदर मुझे, मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। उपरोक्त समयावधि निकल जाने के पश्चात् किसी भी प्रकार का दावा, स्वत्व या आपत्ति मेरी पक्षकारा बैंक पर बंधनकारी नहीं होगा और मेरी पक्षकारा बैंक उपरोक्त भूखंड एवं उस निर्मित मकान को बंधक रखने हेतू अग्रिम कार्यवाही करने के लिए स्वतंत्र होगी।

भवदीय
सुरेश चौधरी अधिवक्ता
सुनील चौधरी
कार्यालय-एम.02, लिबर्टी चेम्बर, प्लाट नंबर-18, जोन-1, ज्योति टॉकीज चौराहा, एम.पी.नगर, भोपाल
9303130659, 9977995922

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र.-1, नर्मदापुरम (म.प्र.)

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

निविदा सूचना क्र. 22/2026/e-Tender/N.Puram दि. 09/05/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है :-

स. क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानती राशि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2026_PWDRB_506319	नर्मदापुरम	भवन कार्य	कलेक्टर बंगला नर्मदापुरम में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य।	प्रथम	19.99	39980/-

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेन्ट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 23/05/2026 सायं 17:30 बजे निर्धारित है । विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा । पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाईन ही प्राप्त किए जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री,
लो.नि.वि. संभाग नर्मदापुरम

जी-12799/26

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.

निविदा आमंत्रण सूचना

नि.सू.क्र. 8/2026-27/लेखा/का.यं./लो.स्वा.यां. खंड/राजगढ़/दि. 08.05.2026

निम्न कार्यों हेतु निविदा ऑनलाईन वेबसाईट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर आमंत्रित की गई है। राजगढ़ जिले के विकास खण्ड राजगढ, ब्यावरा, खिलचीपुर, जीरापुर, नरसिंहगढ], सारंगपुर में नलकूपों के सर्वे कार्य निविदा निम्नानुसार आमंत्रित है।

निविदा क्र./दिनांक	सिस्टम क्रमांक	उपखण्ड	ग्राम का नाम	निविदा की कुल लागत रु. लाख में	धरोहर राशि रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि	रिमार्क
8/26-27 दि. 08.05.26	2026_PHED_505887_pack 1	राजगढ़	राजगढ़ जिले के उपखण्ड राजगढ़ के अंतर्गत विकास खण्ड राजगढ़, ब्यावरा, खिलचीपुर, जीरापुर नरसिंहगढ़, सारंगपुर में 100 नग हेण्डपंप के रजिस्टीविटी सर्वे कार्य की निविदा	01.77 लाख	3540.00	1000.00	12 माह	

ऑन लाईन निविदा क्रय करने की अंतिम तिथि - 18.05.2026
ऑन लाईन निविदा दर खोलने की अंतिम तिथि - 20.05.2026

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड
राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.

जी-12777/26

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, म.प्र. लोक निर्माण विभाग, (भ./स.) सीधी संभाग सीधी

Website - www.mppwd.gov.in/pwdmp, email-eepwdsidhi@mp.nic.in

नि सू क्र. 03/2026-27 सीधी, दिनांक 11.05.26

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्यों हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा समस्त संशोधनों सहित के आधार पर, प्रपत्र - 'अ' में निविदाकारों, जो केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हों, से आमंत्रित की जाती है :-

ग्रुप क्र.	टेंडर आई.डी.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि (रु. लाख में)	1. अमानत राशि 2. नि. प्रपत्र का मूल्य	1. निविदा आमंत्रण क्रमांक 2. कार्यावधि
1	2	3	4	5	6
1	2026_PWDRB_505911	उपसंभाग चुरहट एवं सीधी अन्तर्गत चुरहट अमिलिया सिहावल (एम.डी.आर) मार्ग लं. 23.00 किमी. में P.B.M.C. कार्य। लो.नि.वि., सड़क एस.ओ.आर. 11.04.2025	380.20	1. 380200 2. 15000	1. द्वितीय आमंत्रण 2. 12 माह वर्षाकाल सहित
2	2026_PWDRB_505914	उपसंभाग चुरहट अन्तर्गत कंधवार ग्राम पहुंच मार्ग लम्बाई 1.00 कि.मी., कंधवार वार्ड 01 से 08 पहुंच मार्ग लम्बाई 2.00 कि.मी., हटवा बढोना मार्ग लम्बाई 1.65 एवं बड़ी मऊ कैमोर पहाड़ मार्ग लम्बाई 3.00 कि.मी कुल लम्बाई 7.65 कि. मी में बी. टी. नवीनीकरण कार्य। लो.नि.वि., सड़क एस.ओ.आर. 11.04.2025	69.29	1. 69290 2.10000	1. द्वितीय आमंत्रण 2. 04 माह
		योग:-	449.49		

1. ऑन लाइन पोर्टल http://mptenders.gov.in के माध्यम से निविदा प्रपत्र क्रय करने, डाउनलोड एवं निविदा डालने का समय एवं दिनांक 14.05.2026 सुबह 10.00 से 30.05.2026 शाम 6.00 तक है।
2. अमानत राशि, केन्द्रीयकृत पी.डब्लू.डी. पंजीयन, शपथ पत्र, जी.एस.टी.एन. एवं अन्य तकनीकी विड से संबंधित अभिलेख (लिफाफा-अ एवं ब), स.क्र. 01 हेतु सिर्फ ऑनलाइन अपलोड किये जा सकते है।
3. निविदा से संबंधित सशोधन, समय परिवर्तन आदि की सूचना केवल बेवसाइट के माध्यम से दी जावेगी।
4. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है।
5. उक्त कार्यों का भुगतान शासन से प्राप्त आवंटन के अधीन होगा।

(अनामिका सिंह)
कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संभाग सीधी (म.प्र)

जी-12782/26

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

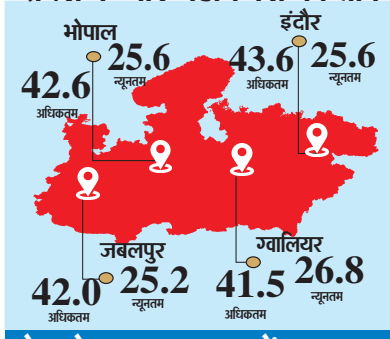

देश के चार महानगरों का तापमान

दिल्ली		मुंबई	
39.0 अधिकतम	27.6 न्यूनतम	34.4 अधिकतम	27.0 न्यूनतम
चेन्नई		**कोलकाता**	
38.0 अधिकतम	21.4 न्यूनतम	34.6 अधिकतम	26.3 न्यूनतम

सूर्यास्त	चन्द्रोदय
6:53 PM	2.13 PM
सूर्योदय	**चन्द्रास्त**
5:41 AM	2:22 AM

बोत्सवाना से लाई मादा चीता को कूनों में छोड़ा

जागरण, श्योपुर। कूनो नेशनल पार्क में बुधवार को तीसरी बोत्सवाना मादा चीता को खुले जंगल में छोड़ा गया। इसी के साथ कूनो में खुले जंगल में विचरण करने वाले चीतों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। वन विभाग और चीता मॉनिटरिंग टीम की ओर से इन चीतों की लगातार निगरानी की जा रही है, उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए एडवांस रेडियो टेलीमेट्री सिस्टम और विशेष फील्ड टीमें तैनात की गई हैं। अफसरों के मुताबिक सभी चीते स्वस्थ हैं और जंगल के वातावरण में अच्छी तरह से सामंजस्य स्थापित कर रहे हैं। चीता प्रोजेक्ट के तहत चीतों को प्राकृतिक वातावरण में स्वतंत्र रूप से विचरण करने के लिए लगातार खुले जंगल में छोड़ा जा रहा है। कूनो नेशनल पार्क में चीतों की बढ़ती संख्या वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों को दर्शाती है। एपीसीसीएफ एवं फील्ड डायरेक्टर, चीता प्रोजेक्ट मध्यप्रदेश ने बताया कि चीतों की सुरक्षा और सफल अनुकूलन सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों की टीम लगातार निगरानी कर रही है। वन विभाग का मानना है कि यह परियोजना भारत में चीतों की पुनर्स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे पहले, 11 मई को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दो मादा चीतों को जंगल में छोड़ा था।

विदिशा में बालिका और शिवपुरी में डिलीवरी के बाद महिला की मौत का मामला

नवजात की मौत के बाद परिजनों और डॉक्टरों में झड़प, थाने पहुंचा मामला

प्रसव के बाद नवजात को बताया था स्वस्थ फिर नौ दिन रखा भर्ती, 12 यूनिट रक्त चढ़ाने के बाद भी नहीं बची जान

जागरण, विदिशा/ शिवपुरी। प्रदेश के विदिशा और शिवपुरी में इलाज में लापरवाही को लेकर परिजनों का हंगामा सामने आया है। विदिशा में एक नवजात बालिका शिशु की मौत होने पर परिजनों ने मेडिकल कॉलेज में हंगामा किया। वहीं शिवपुरी के एक निजी अस्पताल में महिला की डिलीवरी के बाद मौत हो गई। परिजनों ने इसे लेकर कलेक्टर से शिकायत की है। विदिशा अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय मेडिकल कॉलेज में बुधवार को बालिकाकी मौत के बाद परिजनों और डॉक्टरों में झड़प हुई। परिजनों का आरोप है कि प्रसव के बाद जच्चा-बच्चा को स्वस्थ्य बताया था, लेकिन बाद में नवजात को भर्ती रखा और 9 दिन में 12 यूनिट रक्त चढ़ाया लेकिन बच्ची की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। हंगामें के बाद जूनियर डॉक्टर एकजुट होकर कोतवाली थाने पहुंचे। यहां आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। मालूम हो कि कुछ दिन पूर्व राजपूत कॉलोनी के रहने वाले विक्रम राजपूत अपनी पत्नी अनुराधा को प्रसव के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे थे। प्रसव के बाद डॉक्टरों ने मां और बच्ची दोनों को स्वस्थ बताया था। अगले ही दिन नवजात बच्ची की तबीयत बिगड़ गई जिसके बाद उसे एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कराया। 9 दिन तक बच्ची का इलाज चलता रहा और बुधवार को बच्ची की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टरों ने समय पर सही निर्णय नहीं लिया और न ही परिवार को बच्ची की वास्तविक स्थिति की पूरी जानकारी दी गई। उनका कहना है कि अस्पताल प्रबंधन लगातार स्थिति को सामान्य बताता रहा, जबकि बच्ची की हालत गंभीर बनी हुई थी। परिजनों का यह भी आरोप है कि जब उन्होंने डॉक्टरों से सवाल पूछे तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

शिवपुरी : लापरवाही से गई पत्नी की जान, पति ने कलेक्टर से की शिकायत

शिवपुरी के निजी सुखदेव हॉस्पिटल के खिलाफ कलेक्टर अर्पित वर्मा से शिकायत की है। सर्वोदय नगर कॉलोनी निवासी गगन अग्रवाल ने आरोप लगाया है कि उपचार में लापरवाही के कारण पत्नी निधि अग्रवाल की मौत हो गई। शिकायत में मेडिकल कॉलेज की गाइनोकॉलोजिस्ट डॉ. शिखा जैन, जिला अस्पताल के एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. आरपी सिंह और सुखदेव हॉस्पिटल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के अनुसार, निधि अग्रवाल को 28 मार्च 2026 को डिलीवरी के लिए सुखदेव हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। यहां डॉ. शिखा जैन ने उनका सिजेरियन ऑपरेशन किया। गगन अग्रवाल का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद निधि की तबीयत लगातार बिगड़ती रही, लेकिन समय पर उचित उपचार और निगरानी नहीं मिली। परिजनों का कहना है कि महिला को लगातार ब्लीडिंग हो रही थी और यूरिन भी नहीं आ रहा था, लेकिन डॉक्टरों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। इससे उनकी हालत और बिगड़ गई। बाद में निधि अग्रवाल को मेडिकल कॉलेज रेफर किया , जहां कुछ घंटों बाद उनकी मौत हो गई। गगन अग्रवाल ने आरोप लगाया कि शासकीय ड्यूटी पर रहते हुए निजी अस्पताल में ऑपरेशन करना नियमों का उल्लंघन है। शिकायतकर्ता ने सुखदेव हॉस्पिटल का लाइसेंस रद्द करने, मामले की निष्पक्ष जांच कराने और संबंधित डॉक्टरों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की मांग की है। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने मामले की जांच के बाद उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

केन बेतवा लिंक परियोजना आदिवासी के घर चली जेसीबी

ग्रामीणों का आरोप अंदर था परिवार, लहूलुहान घायलों का वीडियो बनाया, गाड़ियों पर पथराव

जागरण, छतरपुर। प्रदेश के छतरपुर जिले के धोड़न में केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम ने आदिवासी परिवार के मकान पर बुलडोजर चला दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि परिवार घर के अंदर मौजूद था, इसके बावजूद जेसीबी चलाई गई। मलबे में दबने से दंपत्ति और दो बच्चे घायल हो गए। ग्रामीणों के मुताबिक, कार्रवाई के लिए जेसीबी मशीनें और भारी पुलिस बल तैनात किया था। इसी दौरान आदिवासी ग्रामीण आजाद के मकान पर भी कार्रवाई शुरू कर दी गई। इससे परिवार घायल हो गया। हालांकि, कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने कहा- ग्रामीणों ने कलर लगाया है। वह खून से लहूलुहान नहीं हुए हैं। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन के वाहनों में पथराव और तोड़फोड़ की है। चश्मदीदों के अनुसार, मकान गिरते ही चीख-पुकार मच गई। परिवार के सदस्य मलबे में दब गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी खून से लथपथ हालत में मिले, जबकि एक बच्चा बेहोश हो गया था। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें घायल परिवार मदद की गुहार लगाता दिखाई दे रहा है। परिवार के घायल होने की खबर फैलते ही गांव में तनाव बढ़ गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और पथराव कर दिया। पथराव में एएसपी की गाड़ी, तहसीलदार का वाहन और एक जेसीबी मशीन समेत करीब आधा दर्जन वाहनों में तोड़फोड़ हुई।

अफसरों ने घटना को नकारा बोले- खून नहीं कलर है

ग्वालियर में मीजल्स से पीड़ित आठ बच्चे भर्ती

जागरण, ग्वालियर। प्रदेश के ग्वालियर में मीजल्स बीमारी की दस्तक ने चिंता भी बढ़ा दी हैं। दरअसल आठ बच्चों को शहर के जयारोग्य अस्पताल में भर्ती कराया है। इसमें एक की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इन बच्चों को अस्पताल के बाल रोग विभाग में संदिग्ध लक्षणों के आधार पर भर्ती किया है। सभी बच्चे अलग-अलग इलाकों से आने के चलते संक्रमण फैलने का खतरा है। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस बीमार के कुछ लक्षण हैं, जिसे बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें। इन लक्षणों में तेज बुखार के साथ लगातार खांसी और जुकाम का होना, आंखों का अत्यधिक लाल होना और उनसे लगातार पानी आना, चेहरे से शुरू होकर पूरे शरीर पर लाल दाने या चकत्ते पड़ना तथा मुंह के अंदर सफेद या लाल रंग के धब्बे दिखना शामिल हैं।

युवक ने पेट्रोल डालकर किया आत्मदाह, जिंदा जला

जागरण, टीकमगढ़। प्रदेश के टीकमगढ़ जिले में 23 साल के युवक ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसे युवक को प्राथमिक इलाज के बाद छतरपुर रेफर किया। यहां उसकी मौत हो गई।घटना बीती रात पलेरा थाना क्षेत्र के महेंद्र महेवा गांव की है। पलेरा थाना प्रभारी प्रीति भार्गव के मुताबिक, युवक का नाम राजाराम कुशवाहा था। उसने घर से कुछ दूरी पर यह कदम उठाया। आग की लपटें देखकर आसपास मौजूद ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल आग पर काबू पाया और गंभीर रूप से झुलसे युवक को पलेरा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां से उसे छतरपुर भेजा था। युवक के पिता कालीचरण ने बताया कि बेटा तीन दिन से शराब पी रहा था। शराब के नशे में ही उसने खुद को आग लगा ली। उसका किसी से कोई विवाद नहीं था। उसने नशे में यह कदम उठाया।

पटाखा फैक्ट्री में हुआ विस्फोट, एक की मौत

जागरण, टीकमगढ़। जिले में दिगौड़ा कस्बे के मेन मार्केट में पटाखा व्यापारी के घर पर जोरदार धमाका हुआ, यहां अवैध रूप से पटाखा फैक्ट्री संचालित की जा रही थी। पटाखा व्यापारी प्रभू दयाल कायस्थ के मकान में अचानक जोरदार विस्फोट के बाद तीसरी मंजिल में भीषण आग लग गई, हादसे में व्यापारी का छोटा बेटा बंटी उर्फ जितेंद्र और एक मजदूर रोशन गंभीर रूप से झुलस गए। बंटी को इलाज के लिए झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई मौके पर पहुंचे, पुलिस और प्रशासन सभी पहलुओं पर जांच कर रहे हैं। घटना के बाद दिगौड़ा पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि तीन दिन पहले पुलिस ने इसी मकान पर छापा मार कार्रवाई की थी और केवल 3 हजार के पटाखे बरामद होना बताया था। जबकि ग्रामीणों का दावा है कि मकान में बड़े पैमाने पर पटाखे बनाने का काम किया जाता था और वहां भारी मात्रा में बारूद रखा था।

बालाघाट : दो मासूमों को गमछे से बांधकर पिता ने लगाई कुएं में छलांग, तीनों की मौत

जागरण, बालाघाट। प्रदेश में बालाघाट जिले के कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम जराहमोहगांव में पिता के खौफनाक कदम उठाने सनसनी फैल गई। पिता ने बेटे और बेटी के साथ कुएं में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों बच्चों के शव पिता के शरीर से गमछे में बंधे थे। पुलिस ने शवों को पीएम के लिए भेज जांच शुरू कर दी है। मौत से पहले मृतक श्याम नागेंद्र ने इंस्टाग्राम पर स्टेटस लगाया- जिसमें उसने लिखा है कि नहीं है जीने की आरजू। हालांकि आत्महत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस के मुताबिक जरामोहगांव का रहने वाला 36 साल का श्याम नागेंद्र एलआईसी एजेंट था। मृतकों में उसका पांच साल का बेटा वंश और तीन साल की बेटी भूरि भी शामिल हैं। श्याम मंगलवार रात दोनों बच्चों के साथ घर से निकला था। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई तो उसकी तलाश शुरू की। गांव में पट मैदान के पास उसकी बाइक खड़ी मिली, कुछ दूरी पर बिना मुंडेर वाले कुएं के पास श्याम की चप्पलें मिलीं। इसके बाद बुधवार सुबह कुएं से पुलिस ने तीनों के शव बाहर निकाले।

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL (M.P.)
ZONE NO. 10
Notice Inviting e-Tenders

N.I.T. NO.: 65//ES/BMC/2026 dated 04.05.2026

Online percentage/item rate bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria:

S. No.	Tender ID	Name of Work	Probable Amount of Contract (Rs. in lakh)	Earnest Money Deposit (EMD) (In Rs)	Cost of Bid Document (In Rs)	Period of Completion (In Months)	SOR
1	2026_UAD_493540_2	ASPHALTING OF ROAD FROM CARE HOSPITAL TO AMBEDKAR BHAWAN MULTI W50 Z10	1,268,455.00	12685.00	2000.00/-	03 Months	MPUADD ISSR 2021

1. Interested bidders can view the NIT on website **https://www.mptenders.gov.in/**
2. Amendments to NIT, if any, would be published on website https://www.mptenders.gov.in/ only, and not in newspaper.

T.N.168/026/027

Assistant Engineer
Municipal Corporation Bhopal
District Bhopal

M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
Office of General Manager (City) Cricle, Old Kisan Bank Building Sultaniya Road, Bhopal- 462001
Phone : 0755-2678226, E-mail : secitybhopal@gmail.com, secitypur@gmail.com

TENDER NOTICE

E-tenders are invited from eligible bidders for supply & Installation of following items

Tender Description	Particulars	Approx. Value (In Lakh)	Tender Fee (Rs.) GST@18% extra	Tender Submission Last Date	Date of Opening of Bids Online
GM/CC/Pur/26-27/206 Dtd. 11.05.2026	Procurement of Furniture (Table's) for Newly Constructed City Circle Office Near Bansal Hospital Shahpura, MPMKVVCL Bhopal	3.81	590/-	01.06.2026 Up to 15:00 Hrs.	02.06.2026 at 15:30 Hrs.
GM/CC/Pur/26-27/210 dtd. 11.05.2026	Procurement of Furniture & Other Material for Newly Constructed City Circle Office Near Bansal Hospital Shahpura, MPMKVVCL Bhopal	2.83	590/-	04.06.2026 Up to 15:00 Hrs.	05.06.2026 at 15:30 Hrs.

Other details, terms and conditions are available on company **website : https://portal.mpcz.in & https://mptenders.gov.in** or the under signed office.

M.P. Madhyam/125758/2026 GENERAL MANAGER (CITY)

बिजनेस प्लस

डिजिटल धरा की थीम से आयोजित हुआ सिस्टेक रातीबड़ का टेक्नो-कल्चरल फेस्ट

भोपाल। सागर इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (सिस्टेक) रातीबड़ में आयोजित एनुअल वार्षिक टेक्नो-कल्चरल फेस्ट सागर यूफोरिया 2026 इस वर्ष डिजिटल धारा थीम पर उल्लास और उत्साह से सम्पन्न हुआ। फेस्ट में युवाओं की ऊर्जा, नवाचार, संस्कृति, रचनात्मकता और प्रतिभा का भव्य संगम देखने को मिला। फेस्ट का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता, कलात्मक कौशल और नवाचारी सोच को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करना रहा जो आज के डिजिटल परिवर्तन की भावना को प्रतिबिंबित कर रहा है। फेस्ट के दौरान पूरे कैंपस में उत्साह का माहौल देखने को मिला जहां 2000 से अधिक युवाओं ने विभिन्न तकनीकी एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में सहभागिता की। प्रमुख आकर्षणों में रंग धारा, चित्रण, आर्ट एवेन्यू, रोबो रश, स्टूडेंट ऑफ द ईयर, इको-इको इंस्ट्रुमेंटल, डांस फॉर धरा, वाइब मार्केट, चिल जोन, छात्र परिषद, ऑनलाइन गेमिंग एरीना, वोकल वाणी, रैंप वॉक तथा रोबो सॉकर जैसी प्रतियोगिताएँ एवं गतिविधियां शामिल रहीं जिसमे युवाओं ने ट्क्नोलोजी, रणनीति और टीमवर्क का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया। फेस्ट के प्रमुख आकर्षणों में प्रतिष्ठित सिस्टेक तेजोमय अवॉर्ड्स 2026 वैश्विक सतत विकास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली संस्थाओं को सम्मानित किया गया।

एसबीआई लाइफ कर रहा है मां के अंतरमन की शक्ति का सम्मान

भोपाल। कुछ बातें कहनी नहीं पड़तीं, खास तौर पर जब बात मां की हो रही हो। खामोशी में छिपी चिंता, मुस्कान के पीछे की हिचकिचाहट, किसी सपने की नाजुक शुरुआत, वे वह इन सबको भांप लेती हैं, अक्सर तब भी जब ये पूरी तरह से जाहिर भी नहीं हुए होते। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस अपनी मदर्स डे फल्म 'बिन समझाए, सिर्फ माँ समझती है' के जरिए इस शक्तिशाली सच को जीवंत रहा है। यह उस मौन भावनात्मक संवेदनशीलता का सम्मान है, जो मां को हर परिवार में सांत्वना, आत्मविश्वास और विश्वास का पहला स्रोत बनाती है। यह फिल्म मां की सहज भावनात्मक समझ पर रोशनी डालती है और उसे परिवार के भीतर विश्वास, दिलासे और आत्मविश्वास की धुरी के रूप में पेश करती है। यह फिल्म बारीक और गहरी समझ वाली कहानी के ज़रिए, ब्रांड के इस विश्वास को मज़बूत करती है कि वह लोगों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने में मदद करता है, एक ऐसी शांत लेकिन ज़बरदस्त शक्ति के सहारे, जो हमेशा मौजूद रहती है, ठीक मातृत्व की तरह। यह फिल्म दो माताओं के बीच मार्मिक संवाद के ज़रिए आगे बढ़ती है। एक युवती है, जो नई-नई माँ बनी है और मातृत्व अवकाश के बाद काम पर लौट रही है। वह ऐसे भावनात्मक विचारों में उलझी हुई है, जिन्हें वह शब्दों में बयाँ नहीं कर पाती।

मजबूत बिजनेस के साथ लोन बुक में 26.6 प्रतिशत की सालाना वृद्धि

बेंगलुरु। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (बीएसई 542904, एनएसई उज्जीवनएसएफबी) ने मार्च 2026 को समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणाम जारी किए। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के बिजनेस प्रदर्शन का सार-वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 26 डिपॉजिट्स 21.4 प्रतिशत सालाना और 8.2 प्रतिशत तिमाही वृद्धि के साथ 45,668 करोड़ रुपए रहे। सीएएसए 35.9 प्रतिशत सालाना वृद्धि के साथ 13,062 करोड़ रुपए रहा, जबकि सीएएसए अनुपात 28.6 प्रतिशत पर पहुंचा। रिटेल टीडीट्ट + सीएएसए 19.8% बढ़कर 31,955 करोड़ रुपए रहे और कुल डिपॉजिट्स में इनकी हिस्सेदारी 70.0 प्रशिशत रही। वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में सीओएफ 7.0% रहा, जो सालाना आधार पर 63 बेसिस पॉइंट कम है, जबकि पूरे वित्त वर्ष 26 में सीओएफ 7.2% रहा, जिसमें 35 बेसिस पॉइंट की कमी दर्ज की गई। ग्रॉस लोन बुक (जीएलबी) 26.6 प्रतिशत सालाना और 9.7 प्रतिशत तिमाही वृद्धि के साथ 40,655* करोड़ रुपए रही।

बरगी हादसा : अफसरों को पता था-क्रूज खराब है, फिर भी चलाया

जागरण, जबलपुर। प्रदेश में जबलपुर के बरगी में हुए क्रूज हादसे को लेकर मप्र पर्यटन विकास निगम की बड़ी लापरवाही सामने आई है। हादसे के बाद अब मैकल रिसोर्ट के नाम से पर्यटन निगम को लिखा पत्र सामने आया, जिसमें इंजन बंद होने का जिक्र है। इसमें 1 मार्च को ही निगम को बता दिया था कि क्रूज खराब है। अफसरों ने लापरवाही की और इसके बावजूद क्रूज को बंद नहीं किया। पत्र में लिखा है कि क्रूज पानी में उतारने लायक नहीं है। हालांकि, पर्यटन निगम के सलाहकार राजेंद्र निगम ने कहा- कौन-सा पत्र वायरल हो रहा है, इसकी उन्हें फिलहाल जानकारी नहीं है। किसी ने वह पत्र उन्हें भेजा जरूर था, लेकिन उन्होंने अभी उसका परीक्षण नहीं किया है। राजेंद्र निगम ने कहा- दिसंबर माह से मैकलसुता क्रूज प्रतिदिन पांच-पांच चक्कर लगा रहा था। रविवार को यह संख्या बढ़कर 10 राउंड तक पहुंच जाती थी, जिसकी जानकारी लॉगबुक में दर्ज है। उन्होंने स्वीकारा कि दूसरा क्रूज 'रेवा' खराब होने के कारण खड़ा किया था, लेकिन मैकलसुता क्रूज पूरी तरह संचालित स्थिति में था। उनका कहना है कि मैकलसुता के इंजन को बदलने की योजना जरूर चल रही थी।

रिसोर्ट ने 1 मार्च को पत्र में लिखा था- दोनों इंजन बदलना चाहिए

भोपाल सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित भोपाल
(हबीबगंज डेयरी प्लांट भोपाल)
(म.प्र. सहकारी सोसायटीज अधिनियम 1960 के अधीन पंजीकृत)
(पंजीयन क्रमांक/बी.पी.एल./एच.ओ./159 दिनांक 9.12.1977)
हबीबगंज डेयरी संयंत्र हबीबगंज भोपाल-462024 म.प्र. (भारत)

क्रमांक/3063/प्रशा/दुसंभो/26 दिनांक 13.05.2026

जाहिर सूचना

भोपाल सहकारी दुग्ध संघ के सीधी भर्ती के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल द्वारा समूह-2 उपसमूह-3 के अंतर्गत वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक एवं डेयरी डॉक सहायक के विज्ञापित अनुसूचित जनजाति के रिक्त पदों पर म.प्र. की विशेष आदिम जनजाति बैगा, सहारिया तथा भारिया के अभ्यर्थियों से प्राप्त आवेदन पत्रों के परीक्षण उपरांत चयनित/प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन **दिनांक 26.05.2026** को किया जाना है। उक्त दस्तावेज सत्यापन की सूचना चयनित/प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को उनके निवास स्थान के पते पर रजिस्टर्ड डाक से प्रेषित की गई है, साथ ही भोपाल सहकारी दुग्ध संघ की वेबसाइट **www.sanchibhopal.com** एवं एमपीसीडीएफ की वेबसाइट **www.sanchidairy.com** पर भी दस्तावेज सत्यापन की सूचना अपलोड कर संबंधितों को सूचित किया जा चुका है।

अत: उक्त अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि दस्तावेज सत्यापन में वेबसाइट पर अपलोड जीवन वृत्त (बायोडाटा) को दो प्रतियों में पूर्ण रूप से भरकर उनके द्वारा आवेदित पद हेतु प्रस्तुत आवेदन में उल्लेखित शैक्षणिक योग्यता, जन्मतिथि, जाति प्रमाण-पत्र, भूतपूर्व सैनिक/विकलांग प्रमाण-पत्र, स्थायी निवासी प्रमाण-पत्र, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन, फोटोयुक्त आईडी आदि दस्तावेजों का मूल दस्तावेजों से मिलान/सत्यापन कराने हेतु निर्धारित दिनांक को प्रात: 11.00 बजे एम.पी. स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लि. में स्थित भोपाल सहकारी दुग्ध संघ के प्रशिक्षण केन्द्र, आईएसबीटी के सामने, हबीबगंज, भोपाल में उक्त वांछित मूल दस्तावेजों, उनकी छायाप्रतियों (दो सेट) एवं पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो (दो प्रति) सहित स्वयं उपस्थित होवें। निर्धारित दिनांक एवं समय पर समस्त वांछित दस्तावेजों के साथ उपस्थित न होने की स्थिति में उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर दी जावेगी जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।

म.प्र. माध्यम/125753/2026 मुख्य कार्यपालन अधिकारी

कार्यालय नगर पालिक निगम सागर

क्र./नामा. शा./न.नि./2026-27/8 -:: सूचना ::- सागर दिनांक 12/5/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, नगर पालिक निगम सागर सीमान्तर्गत नीचे दिए गए भवन/प्लाटों पर नाम दर्ज करने हेतु आवेदन प्राप्त हुए हैं। अत: इस संबंध में जिन व्यक्तियों को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी लिखित आपत्ति सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के अन्दर आयुक्त, नगर पालिक निगम सागर के नाम से प्रस्तुत कर सकते हैं।

क्र.	प्र.क्र.	वार्ड का नाम भवन/प्लाट	किस आधार पर	नाम बेचवार/वसीयनामा/दानदाता/वंशानुक्रम	जिस व्यक्ति का नाम दर्ज होना है
1	141/26-27	शिवाजी	वसीयत, रजि. बैनामा, शपथपत्र	स्व. गायत्री पति भोलाराम तिवारी	विकास पिता भोलाराम तिवारी
2	142/26-27	बाघराज	रजि, बैनामा, शपथपत्र	वीरेन्द्र पिता बाबूलाल कोरी	संध्या पति राजकुमार जोगी
3	143/26-27	बाघराज	रजि, बैनामा, शपथपत्र	अनिल पिता कुंवर सिंह यादव	मनीषा पति पंकज जैन
4	144/26-27	भगतसिंह	रजि. बैनामा, शपथपत्र	बेटी बाई पति हरिराम चौधरी	केशरबाई पति शम्भू प्रसाद पटेल
5	145/26-27	वृन्दावन	रजि. बैनामा, शपथपत्र	विमलेश पति शंकरलाल पटवा	चारूलता पति विनोद कुमार दीक्षित
6	146/26-27	बाघराज	रजि. बैनामा, शपथपत्र	सुखलाल पिता स्व. रामनाथ पटेल	पूजा पति मनीष कुमार रैकवार
7	147/26-27	शास्त्री	रजि. बैनामा, शपथपत्र	दीपक पिता हरिराम नामदेव	स्वर्णकान्त पिता नेमीचन्द जैन
8	148/26-27	शास्त्री	रजि. बैनामा, शपथपत्र	कैलाश पिता किशोरीलाल सिंह	सुनील पिता रामदास राय
9	149/26-27	शास्त्री	रजि. बैनामा, शपथपत्र	पुष्पाबाई पति गुलाब सेन	रजनी पति अमित राय
10	150/26-27	दयानन्द	मृत्यु-प्रमाण पत्र शपथपत्र	स्व. अहमद वल्द स्व.मुं. खाँ	सईद अहमद वल्द स्व. अहमद खाँ

कृते-आयुक्त
नगर पालिक निगम, सागर

सोना व चांदी पर आयात शुल्क 6 से बढ़कर 15 प्रतिशत हुआ

अब 10 ग्राम सोने पर करीब 27,000 रुपए देना होगा टैक्स

नई दिल्ली, जेएनएन। सरकार ने सोने के साथ ही चांदी पर भी कस्टम ड्यूटी बढ़ा दी है। सरकार के इस कदम से अब सोना-चांदी और अन्य कीमती धातुओं का आयात महंगा होगा। सोना और चांदी पर आयात शुल्क 6 फीसदी से बढ़ाकर सरकार ने अब 15 प्रतिशत कर दिया है। इसका मतलब है कि अब 10 ग्राम सोने पर करीब 27,000 रुपए तो सिर्फ टैक्स देना होगा। सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर 10 प्रतिशत बेसिक कस्टम ड्यूटी लगाई है। इस पर 5 प्रतिशत सेस लगाया है। जबकि एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस (एआईडीसी) को 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस मिलाकर कस्टम ड्यूटी 15 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया है।

वित्त मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक नई दरें 13 मई 2026 से लागू हो गई हैं। मोदी सरकार के इस कदम को सोने का आयात कम करने, गिरते रुपये को संभालने और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम करने की कवायद से जोड़कर देखा जा रहा है। कस्टम ड्यूटी में इस इजाफे से भारत में सोने-चांदी और अन्य कीमती धातुओं की मांग पर असर पड़ सकता है। सरकार के इस फैसले के बाद देश में गोल्ड और सिल्वर की कीमतों में

तेजी आने की संभावना जताई जा रही है। दरअसल, विदेशों से सोना मंगाना अब महंगा हो जाएगा, जिसका सीधा असर बाजार और ग्राहकों दोनों पर पड़ेगा।

सोना 9,039 रुपए तो चांदी 17,938 महंगी : बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में ऐतिहासिक तेजी देखी गई। सुबह 10 बजे ही सोने में 9,039 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी और चांदी में 17,938 रुपये प्रति किलो का जोरदार उछाल दर्ज किया गया। सुबह 10.30 बजे के आसपास 24 कैरेट वाले सोने का भाव 1,62,425 रुपये प्रति 10 ग्राम पर चल रहा है, जो पिछले स्तर से 8,983 रुपये अधिक है। बाजार में भारी उतार-चढ़ाव के बीच सोने ने अब तक 1,54,851 रुपये का निचला स्तर (लो) और 1,64,497 रुपये का उच्चतम स्तर (हाई) बनाया है। वहीं चांदी की बात करें तो सुबह 10.35 बजे एमसीएक्स में 1 किलो चांदी का दाम 2,95,692 रुपये दर्ज किया गया, जिसमें 16,630 रुपये प्रति किलो की तेजी रही। चांदी ने अब तक 2,90,224 रुपये का निचला स्तर और 2,79,062 रुपये का हाई स्तर देखा है। कीमतों में यह अचानक आया उछाल केंद्र सरकार द्वारा आयात शुल्क (इंपोर्ट ड्यूटी) में की गई वृद्धि के बाद देखा जा रहा है।

रुपया ऑल टाइम लो: 1 डॉलर की कीमत 95.75 रुपए पहुंची

मुंबई, जेएनएन। भारतीय रुपया बुधवार को डॉलर के मुकाबले 19 पैसे गिरकर 95.75 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान के बाद रुपया में यह गिरावट आई है। दरअसल, ट्रम्प ने ईरान के साथ संघर्ष विराम को कमजोर बताया है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। ब्रेंड कूड ऑयल के दाम बढ़कर 105 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। इससे पहले सोमवार को यह 95.31 पर बंद हुआ था। पिछले हफ्ते ही रुपए ने 95.43 का निचला स्तर छुआ था, जो अब टूट चुका है। साल 2026 की शुरुआत से ही रुपया दबाव में है। पिछले साल दिसंबर 2025 में पहली बार रुपया 90 के स्तर के पार गया था। सरकार अवमूल्यन रोकने का प्रयास कर रही है।

एयर इंडिया ने 100 फ्लाइट रद्द कीं

नई दिल्ली, जेएनएन। होर्मुज जलडमरूमध्य संकट के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल का असर अब विमानन क्षेत्र (एविएशन सेक्टर) पर दिखने लगा है। रिपोर्ट के अनुसार एयर इंडिया ने जून से शुरू होने वाले अगले तीन महीने के लिए अपने इंटरनेशनल नेटवर्क में बड़ा बदलाव किया है। टाटा ग्रुप के मालिकाना हक वाली एयर इंडिया ने दिल्ली से शिकागो, नेवार्क, सिंगापुर और शंघाई जैसे प्रमुख शहरों के लिए अपनी सर्विस को पूरी तरह सस्पेंड कर दिया है। इसके अलावा सैन फ्रांसिस्को, पेरिस और टोरंटो जैसे बड़े शहरों के लिए भी फ्लाइट की फ्रीक्वेंसी कम कर दी गई है।

एचपीसीएल का मुनाफा 6,065 करोड़ हुआ

मुंबई, जेएनएन। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 6,065 करोड़ रुपये का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट (शुद्ध लाभ) दर्ज किया है। रिफाइनिंग मार्जिन में हुए महत्वपूर्ण सुधार की वजह से कंपनी के मुनाफे में पिछले साल की तुलना में 77 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान कंपनी का रेवेन्यू भी 4.4 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले शेयरों पर 19.25 रुपये के फाइनल डिविडेंड की सिफारिश की है। यह डिविडेंड पहले के 5 रुपये के अतिरिक्त होगा।

देशभर में लगेंगे 4,874 नए ईवी चार्जिंग स्टेशन

- सरकार ने मंजूर किया 503 करोड़ का प्लान
- कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और गुजरात समेत कई राज्यों में बिछेगा चार्जिंग नेटवर्क

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय ऑटोमोबाइल मार्केट में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की हिस्सेदारी 5.77 फीसदी तक पहुंच गई है। हालांकि, अभी भी लोगों के मन में बैठी रेंज एंजाइटी खत्म नहीं हुई है। देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए भारी उद्योग मंत्रालय ने चार्जिंग स्टेशन इंस्टॉल करने का ऐलान किया है। मंत्रालय देशभर में 4,874 इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जिंग स्टेशन लगाएगा। इस प्रोजेक्ट के लिए सरकार 503.86 करोड़ रुपये खर्च करेगी। यह प्रोजेक्ट पीएम ई-ड्राइव स्कीम का हिस्सा है। 12 मई को बेंगलुरु में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने इस बारे में जानकारी दी है। इन चार्जिंग स्टेशन पर इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स, थ्री व्हीलर्स, पैसेंजर कार, बस और हैवी ड्यूटी ट्रक्स को भी चार्ज किया जा सकेगा। सरकार के मुताबिक, इन चार्जिंग स्टेशन को प्लानिंग के तहत कर्नाटक, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, केरल, तेलंगाना और तमिलनाडु में लगाया जाएगा।

कर्नाटक में इंस्टॉल होंगे 1243 चार्जिंग स्टेशन: इस फंडिंग का बड़ा हिस्सा कर्नाटक में खर्च होगा। राज्य में 1243 चार्जिंग स्टेशन इंस्टॉल किए जाएंगे, जिस पर लगभग 123.66 करोड़ रुपये खर्च होंगे। प्रमुख तेल कंपनियां इस इंस्टॉलेशन प्रोजेक्ट को लीड करेंगी। मौजूदा स्थिति में पैसेंजर व्हीकल कैटेगरी में ईवी की हिस्सेदारी 5.77 फीसदी, टू-व्हीलर में 7.76 फीसदी, कमर्शियल में 2.26 फीसदी और थ्री व्हीलर कैटेगरी में 60.38 फीसदी है।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई. निविदा सूचना सं.: एस. जी.-664-05-संकेत-2026-27

भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई. निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं. : 1. कार्य का नाम: धनबाद मंडल के अंतर्गत डीएसटीई/सीपीयू खंड में दोषपूर्ण सिग्नल एवं दूरसंचार केबलों, जर्जर/क्षतिग्रस्त लोकेशन बॉक्स, अधिक आयु वाले ट्रैक रिले तथा अन्य उपकरणों का प्रतिस्थापन हेतु। **क्र. सं. : 2. कार्य का आकलित मूल्य:** ₹ 5,09,14,476.65 (लगभग) **क्र. सं. : 3. कार्य का अग्रधन राशि:** ₹ 10,18,300.00 **क्र. सं. : 4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 02.06.2026 (12:30 बजे)। **क्र. सं. : 5.** ऐसी ई. निविदाओं के तहत डाक/ कुरियर /फैक्स या व्यक्तिगत रुप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई. निविदा के ई. निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे। **द्रष्टव्य :-** प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई. निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट: http://www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

वरीय मण्डल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/0223/डीएचएन/एसएण्डटी./टी/26-27/40

खंड-I

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश शासन

कार्यालय - हरदा (सामान्य) वनमण्डल, मध्य प्रदेश

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या ...../ई-टेंडरिंग/2026-27 दिनांक ....

1- वनमण्डलाधिकारी हरदा (सामान्य) वनमण्डल व्दारा म.प्र. भण्डार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम, 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

अनु क्रमांक	सामग्री का विवरण	सत्यांकार निधि भौतिक)	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1	सीमेंट 53 ग्रेड आई.एस.आई. मार्का पी.पी.सी. 50 किलो ग्राम प्रति बेग।	60000.00	राशि 500.00

- निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्यारेमेंट पोर्टल पर नि:शुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते है।
- इच्छुक निविदाकार क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का आनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई प्रोक्योरेमेंट पोर्टल पर (दिनांक 27 अप्रैल 2026 बजे प्रात: 10.00 से दिनांक 17 मई 2026 तक बजे 6.00 तक केवल ऑनलाइन खरीद सकते हैं।
- ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लिखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होंगी।
- निविदा पूर्व बैठक दिनांक 13 मई 2026 समय दोपहर 12.00 बजे से 1.00 बजे तक को हरदा (सामान्य) वनमण्डल कार्यालय में आयोजित की जाएगी जिसमें इच्छुक निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिध स्वयं भाग ले सकते हैं। निविदा पूर्व बैठक में केवल वे ही भाग लेने के हकदार होंगे। जिन्होंने ई-टेंडर फॉर्म खरीदे हैं।
- ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं।
- ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल : https://www.mptender.gov.in

जी-12766/26

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

वनमण्डल अधिकारी
हरदा (सामान्य) वनमण्डल

भारत के पास 60 दिन का कच्चा तेल: पुरी

नई दिल्ली, जेएनएन। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत के पास 60 दिन का कच्चा तेल, 60 दिन की एलएनजी और 45 दिन की एलपीजी का स्टॉक है। सप्लाई के मामले में कोई दिक्कत नहीं है। हरदीप पुरी ने दिल्ली में आयोजित सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट में पीएम की बचत की अपील का भी जिक्र किया। पुरी ने कहा कि पीएम ने दो दिन पहले जो बातें कही हैं। उसको लेकर अफरा-तफरी मचाना बेकार है। पीएम की बातों को ध्यान से सुनें। उसका मनगढ़ंत मतलब न निकालें।

सेंसेक्स 50 अंक चढ़कर 74,609 पर बंद हुआ

मुंबई, जेएनएन। बुधवार को सेंसेक्स 50 अंक की तेजी के साथ 74,609 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 33 अंक की तेजी है, ये 23,413 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार के कारोबार में मेटल शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी रही, जबकि आईटी शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली रही। भारतीय एयरटेल, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील और एशियन पेंट जैसे शेयर बाजार के सबसे बड़े सपोर्ट सिस्टम बने। इन शेयरों में खरीदारी ने पूरे इंडेक्स को संभालने में अहम भूमिका निभाई। हालांकि बैंकिंग सेक्टर ने बाजार की इस वापसी में पूरा साथ नहीं दिया। निफ्टी बैंक इंडेक्स 99 अंक टूटकर 53,456 पर बंद हुआ। दिन के ऊपरी स्तर से फेडरल बैंक का शेयर 2 प्रतिशत से ज्यादा फिसल गया। इससे साफ दिखा कि बैंकिंग शेयरों में निवेशक अभी भी सतर्क बने हुए हैं। शेयर बाजार में 12 मई को भी 1,456 अंक की गिरावट देखी गई।

AU SMALL FINANCE BANK — A SCHEDULED COMMERCIAL BANK

एयू स्मॉल फाइनेन्स बैंक लिमिटेड (शिड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक)

रजिस्टर्ड ऑफिस: 19-ए, धूलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड, जयपुर-302001(CIN: L36911RJ1996PLC011381)

परिशिष्ट IV [देखें नियम 8(1) कब्जा सूचना]

जबकि, अद्योहस्ताक्षरकर्ता एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (शिड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक) का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए ष्वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनगर्ठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002'(2002 का 54) और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 13 (12) का सपठित नियमों के नियम 3 के तहत प्रदत शक्तियों के अनुप्रयोग में ऋणियों को मांग सूचना पत्र निम्नलिखित तालिका के अनुसार निर्गमितकर तालिका में राशि 60 दिवस के भीतर चुकाने के लिए कहा गया था।

ऋणी / सहऋणी / बंधककर्ता / गारन्टर / ऋण खाता संख्या	धारा 13(2) के अन्तर्गत नोटिस की दिनांक व राशि	स्थावर सम्पत्ति का विवरण	कब्जे की तारीख
(ऋण खाता संख्या) L9001060146368808, मैसर्स अनमोल दूध डेयरी (ऋणी), दिनेश लोधी (सहऋणी), श्रीमती रचना बाई (सहऋणी)	15 अक्टूबर 25 Rs. 2,10,545/- दो लाख दस हजार पांच सौ पैंतालीस रुपए मात्र, 10 अक्टूबर 25 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित सर्वे नं.- 170 1 1 1, पटवारी हल्का नं.- 20 60, वार्ड नं.- 14, लक्ष्मी बाई वार्ड परलापुरा, ग्राम एवं तहसील- सुठालिया, जिला- राजगढ़, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 50.11 वर्ग गज, पूर्व: रोड, पश्चिम: फकीरचंद की भूमि, उत्तर: विक्रेता की भूमि, दक्षिण: जसरत सिंह की भूमि	09-मई-26
(ऋण खाता संख्या) L9001070236440770 एवं L9001070241122079, ओमप्रकाश राजपूत (ऋणी), श्रीमती अपूर्णा सिंह (सहऋणी)	12 नवम्बर 25 Rs. 13,21,338/- तेरह लाख इक्कीस हजार तीन सौ अड़तीस रुपए मात्र एवं Rs. 3,34,213/- तीन लाख चौंतीस हजार दो सौ तेरह रुपए मात्र, 10 नवम्बर 25 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित पटवारी हल्का नं. 14/29, खसरा नं. 117/1/2/61 117/1/Kha/61 117/1/Ga/61, प्लॉट नं. L-9, ग्राम- लदानबाग, तहसील एवं जिला- दमोह, मध्य प्रदेश, 470661, क्षेत्रफल 1200 वर्ग फीट, पूर्व: परीहार जी का प्लॉट नं.- L-10, पश्चिम: गोविंद राजपूत का प्लॉट नं.- L-8, उत्तर: 20 फीट चौड़ी रोड, दक्षिण: सुरेखा की भूमि	08-मई-26
(ऋण खाता संख्या) L9001060143258190, मैसर्स श्री देव कृपा किराना स्टोर (ऋणी), जीवन गुर्जर (सहऋणी), हरि नारायण (सहऋणी), श्रीमती सुमंत्रा बाई (सहऋणी)	15 दिसम्बर 25 Rs. 2,90,274/- दो लाख नब्बे हजार दो सौ चौहत्तर रुपए मात्र, 11 दिसम्बर 25 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित सर्वे नं. 83-B, पटवारी हल्का नं.- 12, ग्राम - पसैया, तहसील - बैरसिया, जिला - भोपाल, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 1066 वर्ग फीट, पूर्व: खुली भूमि, पश्चिम: स्कूल, उत्तर: हाकम सिंह का मकान, दक्षिण: रास्ता	11-मई-26
(ऋण खाता संख्या) L9001060132034699, मैसर्स अर्पित किराना एंड आटा चक्की (ऋणी), श्रीमती गायत्री बाई डांगी (सहऋणी), रामबगस (सहऋणी), श्रीमती अनार बाई (सहऋणी), चौथमल डांगी (सहऋणी)	19 जनवरी 26 Rs. 7,03,356/- सात लाख तीन हजार तीन सौ छप्पन रुपए मात्र, 17 जनवरी 26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित मकान नं.- 98, पटवारी हल्का नं.- 68, पंजी पेज नं.- 7, सरल नं.- 7, ग्राम भाड़ाहेड़ी, तहसील - खिलचीपुर, जिला - राजगढ़, मध्य प्रदेश, 465689, क्षेत्रफल 1586.25 वर्ग फीट, पूर्व: रोड, पश्चिम: शिवनारायण डांगी का मकान, उत्तर: कैलाश एवं रमेश डांगी का मकान, दक्षिण: रोड एवं शिवनारायण डांगी का मकान	09-मई-26
(ऋण खाता संख्या) L9001060146827992, मैसर्स विश्वकर्मा किराना स्टोर (ऋणी), बंटी विश्वकर्मा (सहऋणी), श्रीमती मीना विश्वकर्मा (सहऋणी)	22 जनवरी 26 Rs. 4,54,134/- चार लाख चौवन हजार एक सौ चौंतीस रुपए मात्र, 19 जनवरी 26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित खसरा नं.- 279, पटवारी हल्का नं.- 40, पोस्ट बालाचोंग, ग्राम - रामपुरा, तहसील - बैरसिया, जिला - भोपाल, मध्य प्रदेश, 463106, क्षेत्रफल 138.88 वर्ग गज, पूर्व: रामनिवास मीणा, पश्चिम: रोड, उत्तर: धन सिंह, दक्षिण: खेम चंद	11-मई-26
(ऋण खाता संख्या) L9001060147041562, मैसर्स अरविंद विद्या सागर शिक्षा एवं जन सेवा समिति (ऋणी), श्रीमती विनीता धाकड़ (सहऋणी), विद्या सागर पब्लिक स्कूल (सहऋणी)	22 जनवरी 26 Rs. 25,54,119/- पच्चीस लाख चौवन हजार एक सौ उन्नीस रुपए मात्र, 19 जनवरी 26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित पटवारी हल्का नं. 60, खसरा नं.- 2981241, ग्राम - छटाहेड़ी, तहसील - बैरसिया, जिला - भोपाल, मध्य प्रदेश, 463106, क्षेत्रफल 1794.44 वर्ग गज, पूर्व: मेन रोड, पश्चिम: स्वयं का मकान, उत्तर: नीलेश धाकड़ का मकान, दक्षिण: लालाराम की कृषि भूमि	11-मई-26
(ऋण खाता संख्या) L9001060730192800 एवं L9001060836120417 एवं L9001060146142456, मैसर्स कृष्णा बर्तन भंडार (ऋणी), श्रीमती संतोष बाई (सहऋणी), रमेश कुमार सेन (सहऋणी)	22 जनवरी 26 Rs. 4,57,406/- चार लाख सत्तावन हजार चार सौ छ: रुपए मात्र एवं Rs. 2,98,829/- दो लाख अट्ठानवे हजार आठ सौ उनतीस रुपए मात्र एवं 28 जनवरी 26 Rs. 3,19,998/- तीन लाख उन्नीस हजार नौ सौ अट्ठानवे रुपए मात्र, 19 जनवरी 26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित सर्वे नं. 203, पुराना पटवारी हल्का नं. 03 नया 19, ग्राम नजीराबाद आरएनएम-01, ग्राम - नजीराबाद, तहसील - बैरसिया, जिला - भोपाल, मध्य प्रदेश, 462001, क्षेत्रफल 450 वर्ग फीट, पूर्व: विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम: नजीराबाद से बैरसिया मार्ग, उत्तर: महेश्वर सिंह का प्लॉट, दक्षिण: मोहन सिंह का प्लॉट	11-मई-26

ऋणियों द्वारा वह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणियों को तथा सामान्य जन कों एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) तथा सपठित प्रतिभूतिहित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में उपरोक्त तालिका में वर्णित सम्पत्ति का कब्जा ग्रहण कर लिया है।

ऋणियों का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के साथ सपठित नियम 8(6) की ओर आकर्षित किया जाता है, जिसके अन्तर्गत प्रतिभूति आस्तियों के मोचन के लिये उपलब्ध समय अर्थात इस सूचना से 30 दिवस के सम्बन्ध में है।

ऋणियों को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद् द्वारा सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार उपरोक्त तालिका में वर्णित राशि तथा आगे का ब्याज एवं कुल भुगतान होने तक "एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड" (ए शेड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक) के प्रभार के अधीन होगा।

दिनांक: 13.05.2026 स्थान: भोपाल, मप्र — प्राधिकृत अधिकारी — एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

LIC HFL — LIC HOUSING FINANCE LTD

एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.

बैंक ऑफिस : सुरी आर्केड, 6ए एवं 6बी गोविंद गार्डन, बिजली नगर कालोनी के सामने, रायसेन रोड़ गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) फोन - 0755-4063110

मांग सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्ननिर्माण और सिक्योरिटी इन्ट्रेस्ट एक्ट 2002 की प्रवर्तन की धारा 13 (2) के अन्तर्गत मांग नोटिस (1) क्रमांक (2) गृह ऋण खाता क्रमांक एवं ऋणी का नाम व पता (3) सम्पत्ति का पता (4) स्वीकृत ऋण राशि एवं दिनांक (5) बकाया राशि।

क्रं.	ऋणी का नाम व पता/ गृह ऋण खाता क्रं.	संपत्ति का पता	स्वीकृत ऋण राशि एवं दिनांक	बकाया राशि (₹)
1	श्री लक्ष्मण सिंह मेश्राम/श्रीमती काया मेश्राम पता: मकान नंबर- 38-ए, प्रगति नगर, बरखेड़ा, भेल, भोपाल, म.प्र. लोन नं. 12010001055	प्लाट नं. एच-282, एस्सआरजी संपदा, खजुरी कलां, पह नं. 19/31, वार्ड नं. 59, भोपाल म.प्र. मांग सूचना दिनांक 16/04/2026	27,50,000 26.04.2017	₹ 1182739.17 + ब्याज एवं अन्य खार्च
2	श्रीमती ममता साहू / श्री मोहन साहू पता: मकान नं. एलआईजी-324, बी, सेक्टर, राजीव नगर, अयोध्या बाईपास रोड, भोपाल, मध्य प्रदेश लोन नं. 12010003581/ 120100008457	प्लाट नं. 19, खसरा नं. 3/1/1 एवं 3/2/1, शंकर गार्डन कॉलोनी, ग्राम-हथाईखेड़ा, वार्ड नं. 62, भोपाल, म.प्र. मांग सूचना दिनांक 22/04/2026	44,00,000 26.12.2013 14,25,000 29.06.2016	₹ 47,42,186.01 + 17,52,306.83 + ब्याज एवं अन्य खार्च
3	श्री देवी शंकर शुक्ला/श्रीमती मंजूलता शुक्ला पता: मकान नं.131-ए, सागर एवेन्यू अयोध्या बायपास रोड, भोपाल, म.प्र. लोन नं.12010001337/ 120100004521/ 120100004623	मकान नं. 131-ए, सागर एवेन्यू, अयोध्या बायपास रोड, भोपाल, म.प्र. मांग सूचना दिनांक 16/04/2026	14,00,000 30.04.2012 12,00,000 25.07.2014 5,00,000 25.07.2014	₹ 4,71,734.61 + 9,18,040.93 + 3,17,641.83 + ब्याज एवं अन्य खार्च
4	श्री शील मोहाबे पता: मकान नं. बी-182, ऑर्चर्ड पैलेस, कोलार रोड, भोपाल, मध्य प्रदेश लोन नं.120100008260	मकान नं. बी-182, ऑर्चर्ड पैलेस, ग्राम-दामखेड़ा, कोलार रोड, वार्ड नं.82, भोपाल म.प्र. मांग सूचना दिनांक 16/04/2026	40,00,000 30.05.2016	₹ 4,71,734.61 + 9,18,040.93 + 3,17,641.83 + ब्याज एवं अन्य खार्च
5	श्री श्रीराम रघुवंशी / श्रीमती संगीता रघुवंशी पता: मकान नं.- 11/2, विराट शालीमार स्टर्लिंग, रायसेन रोड, भोपाल म.प्र. लोन नं.12100006639	कॉमर्शियल बिल्डिंग (वेयरहाउस), पह नं. 59, खसरा नं. 18/4 का भाग, ग्राम- चौथलई, होशंगाबाद, म.प्र. मांग सूचना दिनांक 15/04/2026	1,36,00,000 14.09.2022	₹ 14262362.69 + ब्याज एवं अन्य खार्च
6	श्री लाल सिंह शाक्य/ श्रीमा पन्ना लाल (गारंटर) पता: शासकीय माध्यमिक विद्यालय सनोती, थाना विदिशा, म.प्र. लोन नं.120100015703	मकान /प्लाट नं. सीनियर एलआईजी बी/ 242, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर, वार्ड नं. 10, विदिशा, म.प्र. मांग सूचना दिनांक 16/04/2026	22,50,000 23.09.2020	₹ 2000177.86 + ब्याज एवं अन्य खार्च
7	श्री विनोद कुमार सिन्हा/श्रीमती अंजली श्रीवास्तव पता: मकान नं सी-4, 89, पार्थसारथी एक्सटेंशन, बागमुगलिया, भोपाल, मध्य प्रदेश लोन नं.120100014808	फ्लैट नं. 403, चतूर्थ तल, ब्लॉक- बी, ईम्पेरियल हारमॉनी, कटारा हिल्स, वार्ड नं. 85, भोपाल, म.प्र. मांग सूचना दिनांक 16/04/2026	21,00,000 09.12.2019	₹ 4460559.63 + ब्याज एवं अन्य खार्च
8	श्री भरत मूलचंदानी पता: फ्लैट नं.एस-204, दूसरी मंजिल, मंगलम एन्क्लेव, विजय नगर कॉलोनी, हलालपुरा, लालघाटी, भोपाल, मध्य प्रदेश लोन नं .120100011657 /120100011687	फ्लैट नं. एस-204, द्वितीय तल, मंगलम एन्कलेव, खसरा नं. 51/2 एवं 52/2 का भाग, विजय नगर कॉलोनी, हलालपुरा, लालघाटी, भोपाल. म.प्र. मांग सूचना दिनांक 16/04/2026	12,00,000 31.01.2018 3,00,000 31.01.2018	₹ 13,01,845.97 + 2,97,654.34 + ब्याज एवं अन्य खार्च
9	श्री आदेश मूलचंदानी /श्रीमती पूजा बकत्यानी पता: वार्ड क्रमांक-28, कृष्णपुरी, सुंदरम बेकरी के पास, संत आसुदाराम मार्ग, होशंगाबाद, म.प्र. लोन नं.120900002161	प्लाट नं. 86, बुधवारा, पह नं. 15 बी. नं. 226, होशंगाबाद, म.प्र. मांग सूचना दिनांक 16/04/2026	10,00,000 27.03.2019	₹ 698815.61 + ब्याज एवं अन्य खार्च
10	श्री वैभव विनायक, श्रीमती रीता विनायक, श्री कमल नारायण विनायक, श्री विद्युत विनायक पता: मकान नंबर- 49, न्यू मार्केट, टी. टी. नगर, एसबीआई के सामने, भोपाल, म.प्र लोन नं.121000003371	जूनियर एमआईजी मकान नं. 162, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नेहरू नगर, वार्ड नं. 29, भोपाल, म.प्र मांग सूचना दिनांक 15/04/2026	59,50,000 23.03.2019	₹ 8396960.87 + ब्याज एवं अन्य खार्च
11	श्रीमती हेमलता बाई, श्री आनंद प्रकाश गर्ग, श्री सिद्धार्थ गर्ग पता: एफ-4, बालाजी बाग, पुरानापुरा, गली नंबर-5, वार्ड नंबर-37, विदिशा, म.प्र. लोन नं.8002090002580	प्लाट अर्जी नं. 2549/6/1/2 का भाग, पुरानापुरा, पह नं. 60, नया 02, पुराना वार्ड नं. 34, नया नं. 37, विदिशा, म.प्र. मांग सूचना दिनांक 16/04/2026	30,00,000 13.03.2025	₹ 3113642.17 + ब्याज एवं अन्य खार्च
12	श्री विपिन कुमार, श्रीमती अमृता मेहरा पता:सुरेला कलां वार्ड क्रमांक- 02, होशंगाबाद, म.प्र लोन नं.121000006624	प्लाट 54, आफिर्सस रेसीडेंसी, मौजा रसुलिया ,नर्मदापुरम, म.प्र मांग सूचना दिनांक 16/04/2026	27,00,000 23.08.2022	₹ 2848443.26 + ब्याज एवं अन्य खार्च
13	श्रीमती शैली गोरे, श्री पराग वल्लेचा पता:मकान नं. 155, ग्रीन पार्क कॉलोनी, बैरसिया रोड, भोपाल, मध्य प्रदेश लोन नं.121000005711/ 8002100003512	फ्लैट नं. ई-8, पंचम तल, ब्लॉक-बी, ऑर्चर्ड रेसीडेंसी, ऑर्चर्ड पैलेस, कोलार रोड, भोपाल, म.प्र. मांग सूचना दिनांक 22/04/2026	26,50,000 26,50,000 15,00,000 28.12.2024	₹ 27,10,961.13 + 15,86,302.79 + ब्याज एवं अन्य खार्च
14	श्री महेश धाकड़/ श्रीमती संजना धाकड़ पता:मकान नं.177 फेस -2, श्री अन्नपूर्णा ड्रीम्स, सीहोर भोपाल बाय पास रोड, सीहोर, मध्य प्रदेश - 466001 लोन नं . 121000007016/ 8002090001186	मकान नं. 177, फेस-2, अन्नपूर्णा ड्रीम्स्, सीहोर, भोपाल बाई पास रोड, सीहोर, म.प्र-466001 मांग सूचना दिनांक 22/04/2026	21,00,000 17.12.2022 5,00,000 14.02.2024	₹ 21,85,585.85 + 5,36,914.90 + ब्याज एवं अन्य खार्च
15	श्री राज कुमार यादव , श्रीमती पिंकी यादव गोपाल अहिरवार (गारंटर) पता:मकान नं. डी-49 द्वारिका धाम, संजीव नगर न्यू जेल रोड, भोपाल, मध्य प्रदेश - 462038 लोन नं. 121000006883	फ्लैट नं. 508, द्वारका हाईट्स, ब्लॉक नं. 02, पंचम तल, द्वारका धाम कॉलोनी, ग्राम-बरवई, न्यू जेल रोड, भोपाल, म.प्र-462038 मांग सूचना दिनांक 22/04/2026	12,90,000 11.11.2022	₹ 1264738.64 + ब्याज एवं अन्य खार्च
16	श्री राज कुमार यादव , श्रीमती पिंकी यादव गोपाल अहिरवार (गारंटर) पता:मकान नं. डी-49 द्वारिका धाम, संजीव नगर न्यू जेल रोड, भोपाल, मध्य प्रदेश - 462038 लोन नं.121000006884/ 121000006885	मकान नं. डी-49 द्वारका धाम कॉलोनी, ग्राम-बरवई, भोपाल, म.प्र-462038 मांग सूचना दिनांक 22/04/2026	18,00,000 11.11.2022 14,50,000 11.11.2022	₹ 17,75,784.31 + 14,69,227.34 + ब्याज एवं अन्य खार्च
17	श्री मोहम्मद अज़हर सिद्दीकी/श्रीमती फरहा सिद्दीकी/श्री. मजहर पता:मकान नंबर- 10, बाबा फरीद गली, जहांगीराबाद सईद खान(गारंटर) पता: मकान नं. 24/4, गुलाम मेहबूब मस्जिद, भोपाल म.प्र लोन नं.121000004439/ 121000004440/ 121000006421/ 8002100001868	मकान नं. 17 उत्तरी भाग (प्लाट), बाबा फरीद की गली, आम वाली मस्ज़िद के पास, जहांगीराबाद, हूज़ूर, वार्ड नं. 41, भोपाल, म.प्र मांग सूचना दिनांक 01/04/2026	17,00,000 29.09.2020 38,00,000 30.09.2020 12,50,000 14.07.2022 20,00,000 07.03.2024	₹ 16,22,428.91 + 30,86,951.44 + 12,24,549.36 + 20,25,845.68 + ब्याज एवं अन्य खार्च
18	मेसर्स संजीवनी अस्पताल (प्राथमिक आवेदक) पता- 211/2 सिरोलिया, एबी रोड बायपास, देवास, मध्य प्रदेश श्री मनोज अवस्थी (सह-आवेदक/गारंटर) पता - मकान नं. जीएच-85, स्कीम नं. 54, विजय नगर, इंदौर, मध्य प्रदेश श्री अनिमेष अवस्थी (सह-आवेदक) पता - मकान नं. जीएच-85, स्कीम नं. 54, विजय नगर, इंदौर, मध्य प्रदेश श्रीमती ज्योति यादव (सह-आवेदक/गारंटर) पता- मकान नं. जीएच-85, स्कीम नं. 54, विजय नगर, इंदौर, मध्य प्रदेश श्रीमती अनीता मंडलोई (सह-आवेदक/गारंटर) पता- विद्या नगर, सिरोलिया, सरकारी स्कूल के पास, देवास, मध्य प्रदेश श्री कांतिलाल मंडलोई (सह-आवेदक/गारंटर) पता- विद्या नगर, सिरोलिया, सरकारी स्कूल के पास, देवास, मध्य प्रदेश लोन नं.121000007014	पटवारी हल्की नं. 78, सर्वे नं. 211/2 एवं 211/17, ग्राम-सिरोलीया, देवास, म.प्र. मांग सूचना दिनांक 15/04/2026	9,50,00,000 30.01.2023	₹ 100148344.60 + ब्याज एवं अन्य खार्च
19	श्री मोहम्मद यामीन खान/ श्रीमती आसमा खान पता- मकान नं. 108, राजीव नगर, कोहेफिजा, भोपाल, मध्य प्रदेश लोन नं. 121000004248/ 121000004249 /121000006645 / 121000006647	प्लाट नं. 108, राजीव नगर, कोहेफिज़ा, भोपाल, म.प्र., प्लाट क्षेत्रफल 1210 वर्ग फिट मांग सूचना दिनांक 16/04/2026	17,50,000 03.07.2020 20,50,000 03.07.2020 20,00,000 29.09.2022 10,00,000 29.09.2022	₹ 16,22,567.18 + 18,03,085.00 + 19,67,504.22 + 9,66,714.89 + ब्याज एवं अन्य खार्च

आपके अनुरोध पर हमने आपको गृह ऋण वित्त राशि के रुप में इकरार नामे की शर्तो के अनुसार स्वीकृत की थी। जिनको आपने स्वीकार किया था। (1) स्वीकृत ऋण राशि स्वीकृति दिनांक एवं आपके खाता संख्या का ब्यौरा ऊपर दिया गया है। (2) आपको विदित है कि आपको प्रदत्त ऋण राशि उपरोक्त (कॉलम नं. 5) आस्ति। प्रतिभूति अनुबंध (रक्षित आस्ति) से रक्षित है। इसके लिए आपने आवश्यक दस्तावेज निष्पादन करके प्रतिभूति के रुप में सम्यबंधक किया है। (3) हम आपको यह भी सूचित करते है कि संपूर्ण ऋण अदा करने हेतु बार-बार मांग नोटिस भेजें गए और मौखिक रुप से अनुरोध किए जाने के पश्चात भी अभी तक आपने ऋण अदा नहीं किया है। इस तरह आपने ऋण की अदायगी में गंभीर अनियमितता बरती है। (4) आज दिनांक तक आपको उपरोक्त राशि देय है (कॉलम नं. 6)1 (5) ऊपर लिखे कारणों से हम एतद् द्वारा आपको सूचित करते है कि इस नोटिस की प्राप्ति के 60 दिन के अंदर आप समस्त देय राशियों की चोकोती करें, न करने की स्थिति में हम सिक्योरिटाईजेशन एक्ट की धारा 13 (4) की शक्तियों का उपयोग करेंगे। (6) उपरोक्त शक्तियों के अधीन कार्यवाही करने पर प्राप्त धनराशि प्रथमत: समस्त व्यय प्रभार व खार्चे हेतु उपयोग की जावेगी। जो हमारी राय में उचित प्रकार से किए है या संबंधित हो एवं इसके पश्चात् हमारे शेष जैसा की उपरोक्त अदित है में दिनांक 31/05/2026 से वसूली की तारीख की संविदा गत हित के निस्तारण में प्रयोग की जावेगी एवं शेष धनराशि (यदि कोई हो तो) आपको भुगतान दिया जाये। (7) एक्ट की धारा 13 (13) के अन्तर्गत हम आपको यह भी सूचित करते है कि यदि रक्षित ऋणदाता की लिखित पूर्ण सहमति के बिना नहीं कर सकेगें। (8) एक्ट की धारा 13 (10) के अन्तर्गत हम आपको यह भी सूचित करते है कि यदि रक्षित आस्तियों बिक्री से प्राप्त हमारे ऋण की भरपाई नहीं होती है तो हम आपके विरुद्ध ऋण वसूली अधिनियम (DRT) में जाकर शेष धन राशि की वूसली के लिए कार्यवाही करने का अधिकार सुरक्षित रखाते है। यह मांग नोटिस दो समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जा रहा है।

दिनांक : 14.05.2026, स्थान : भोपाल — प्राधिकृत अधिकारी

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

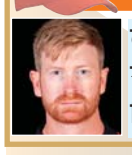

क्लासेन (हैदराबाद)	508
साई सुदर्शन (गुजरात)	501
विराट (बेंगलुरु)	484

पर्पल कैप (गेंदबाज)

भुवनेश्वर (बेंगलुरु)	22
कगीसो रबाडा (गुजरात)	21
अंशुल कंबोज (चेन्नई)	19

बाउंड्री मीटर

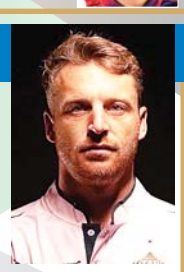

1066 छक्के
1745 चौके
112 अर्धशतक

विकेटकीपर जोस बटलर ने इस मैच में पांच कैच पकड़े, जो रिकॉर्ड है। उन्होंने गुजरात रिद्धिमान साहा के चार विकेट का रिकॉर्ड तोड़ा।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
बेंगलुरु	12	8	4	16	1.053
गुजरात	12	8	4	16	0.551
हैदराबाद	12	7	5	14	0.331
पंजाब	11	6	4	13	0.428
चेन्नई	11	6	5	12	0.185
राजस्थान	11	6	5	12	0.082
दिल्ली	12	5	7	10	-0.993
कोलकाता	11	4	6	9	-0.198
मुंबई	11	3	8	6	-0.585
लखनऊ	11	3	8	6	-0.907

खेल एक नजर

चोट के कारण लोरेंजो मुसेटी फ्रेंच ओपन से बाहर

रोम, जेएनएन। इटली के टेनिस खिलाड़ी लोरेंजो मुसेटी जांघ में चोट लगने के कारण इस महीने फ्रेंच ओपन में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। 10वीं रैंकिंग पर काबिज मुसेटी पिछले साल पेरिस में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। उन्होंने बुधवार को इस खबर की घोषणा की। यह घोषणा इटैलियन ओपन में कैस्पर रूड से हारने के ठीक अगले दिन की गई। इसी मैच के दौरान उन्हें अपनी बाईं जांघ का उपचार करवाना पड़ा था। मुसेटी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा, कल के मैच के बाद मैंने मेडिकल जांच करवाई जिसमें 'रेक्टस फेमोरिस' (जांघ की एक मांसपेशी) में चोट का पता चला। इस चोट के ठीक होने के लिए कई हफ्तों के आराम और रिकवरी की जरूरत है। दुर्भाग्य से, इसका मतलब है कि मैं हैम्बर्ग और रोलां गैरों में हिस्सा नहीं ले पाऊंगा। यह स्वीकार करना मेरे लिए बेहद मुश्किल है।

डॉसन ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट से तत्काल प्रभाव से लिया संन्यास

लंदन, जेएनएन। इंग्लैंड के लिए चार टेस्ट खेल चुके हैम्पशायर के ऑलराउंडर लियम डॉसन ने तत्काल प्रभाव से प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 36 साल के डॉसन ने अपने 20 सीजन लंबे करियर में 380 विकेट लेने के साथ ही 18 शतक भी लगाए। इंग्लैंड के लिए आठ वर्ष बाद वापसी करने से पहले डॉसन को 2024 में प्रोफ़ेशनल क्रिकेटर्स एसोसिएशन अवॉर्ड्स में पुरुष प्लेयर ऑफ द इयर चुना गया था। हालांकि 2026 के सीजन की शुरुआत में हैम्पशायर के पहले पांच मुकाबलों में चार मैच खेलने और सीमित सफलता के बाद उन्होंने लाल गेंद क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला कर लिया। वह हैम्पशायर के लिए सीमित ओवर प्रारूप में और द हंड्रेड में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के लिए खेलना जारी रखेंगे। इस साल टी-20 विश्व कप में इंग्लैंड के दल का हिस्सा होने को मद्देनजर देखते हुए वह सफेद गेंद क्रिकेट में करियर को आगे बढ़ा सकते हैं।

मैच 57: बेंगलुरु ने रायपुर में केकेआर को 6 विकेट से हराया, 19.1 ओवर में हासिल किया 193 रन का लक्ष्य

विराट के रिकार्ड शतक से आरसीबी टॉप पर

जेएनएन, रायपुर

गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने विराट कोहली (नाबाद 105 रन) के रिकॉर्ड शतक की बदौलत बुधवार को आईपीएल के 57वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को छह विकेट से हराकर अंक तालिका में एक बार फिर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। बारिश के चलते रायपुर में मुकाबला 75 मिनट की देरी से शुरू हुआ था। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर ने अंगकृष रघुवंशी (71) और रिंकू (नाबाद 49) की पारी मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने 19.1 ओवर में चार विकेट पर 194 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस दौरान विराट कोहली ने अपने आईपीएल करियर का नौवां आईपीएल शतक पूरा किया। कोहली लगातार दो डक के बाद इस मुकाबले में आ रहे थे और पहले ओवर में जब उन्होंने खाता खोलकर जश्न मनाया तो पिछले साल सिडनी में खेले गए तीसरे वनडे की याद आ गई। हालांकि कोहली ने सिर्फ खाता नहीं खोला, बल्कि अगले ही ओवर में उन्होंने वैभव अरोड़ा के खिलाफ लगातार तीन चौके सहित कुल चार चौके जड़े। दूसरे छोर पर जेकब बेथेल भी जल्द ही लय में आ गए, लेकिन कार्तिक त्यागी ने शॉर्ट गेंद पर अपने फॉलोथ्रू में बेथेल का कैच लपक लिया। हालांकि कोहली ने अपनी आक्रामक शुरुआत को भुनाया और पावरप्ले की समाप्ति तक आरसीबी को एक विकेट के नुकसान पर 66 के स्कोर तक ले गए। कोहली जब 21 के स्कोर पर थे तब एक्स्ट्रा कवर पर रोवमन पॉवेल से कोहली का कैच छूट गया, वहीं पडिक्कल को भी 22 के निजी स्कोर पर जीवनदान मिला। कोहली ने इस जीवनदान को भुनाया और वह अंत तक नाबाद रहकर लौटे। दूसरे विकेट के लिए पडिक्कल और कोहली के बीच कुल 91 रनों की साझेदारी हुई थी और त्यागी ने जब पडिक्कल के रूप में केकेआर को ब्रेकथ्रू दिलाया तब तक आरसीबी काफी मजबूत स्थिति में पहुंच गई थी। इसके बाद टिम डेविड और जितेश शर्मा के रूप में आरसीबी को दो नियमित झटके लगे लेकिन आरसीबी तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी और कोहली भी अपने शतक की ओर बढ़ रहे थे। कोहली ने मात्र 58 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया जो कि टी-20 में उनका 10वां शतक था। इससे पहले शुरुआती झटकों के बीच रघुवंशी ने केकेआर की रन गति को धीमा पड़ने नहीं दिया और उन्होंने कैमरन ग्रीन के साथ अर्धशतकीय साझेदारी पूरी की। ग्रीन शुरुआत में लय में नजर नहीं आ रहे थे लेकिन उनके लय में आते ही रसिख डार सलाम ने 34 के निजी स्कोर पर उन्हें पवेलियन चलता कर दिया। हालांकि इसके बाद रघुवंशी को रिंकू सिंह का साथ मिला और दोनों बल्लेबाज केकेआर को 192 के स्कोर तक ले गए।

09 वां शतक विराट कोहली का आईपीएल में है, जो रिकॉर्ड है। विराट के बाद दूसरे नंबर पर जोस बटलर (07) हैं। वहीं टी-20 में यह विराट का 10वां शतक है। बतौर भारतीय टी-20 में अब उनके नाम सर्वाधिक शतक हैं।

प्लेयर ऑफ द मैच विराट कोहली

105* रन
60 गेंद
11 चौके
03 छक्के

टी-20 में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	मैच	रन
क्रिस गेल	463	14562
किरोन पोलार्ड	735	14482
एलेक्स हेल्स	528	14449
डेविड वॉर्नर	439	14284
जोस बटलर	505	14200
विराट कोहली	426	14027

279 विराट कोहली सर्वाधिक आईपीएल मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया है। धोनी और रोहित ने 278-278 मैच खेले हैं।

12 वीं बार विराट ने एक आईपीएल सीजन में 400 से अधिक रन बनाए। डेविड वॉर्नर, रोहित शर्मा, शिखर धवन और सुरेश रैना नौ-नौ बार यह कारनामा कर चुके हैं।

स्कोर बोर्ड

कोलकाता नाइट राइडर्स: 192/4 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
रहाणे का. एंड बो. हेजलवुड	19	13	3	1
ऐलन का. जितेश बो. भुवनेश्वर	18	8	3	1
अंगकृष रघुवंशी रनआउट	71	46	7	3
कैमरन ग्रीन बो. सलाम	32	24	3	1
रिंकू सिंह नाबाद	49	29	3	2

अतिरिक्त: 3, **कुल:** 20 ओवर में 4 विकेट पर 192 रन, **विकेट पतन:** 1-23, 2-48, 3-116, 4-192, **गेंदबाजी:** भुवनेश्वर 4-0-34-1, डफी 4-0-48-0, जोश हेजलवुड 3-0-35-1, रसिख सलाम 4-0-35-1, कुणाल 4-0-39-0.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: 194/4 (19.1 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
जेकब बेथेल का. एंड बो. त्यागी	15	12	2	1
विराट कोहली नाबाद	105	60	11	3
पडिक्कल का. रहाणे बो. त्यागी	39	27	7	0
रजत पाटीदार का. रहाणे बो. नरेन	11	8	0	1
टिम डेविड का. पांडे बो. नरेन	2	3	0	0
जितेश शर्मा नाबाद	8	5	1	0

अतिरिक्त: 14, कुल: 19.1 ओवर में चार विकेट पर 194 रन, **विकेट पतन:** 1-37, 2-129, 3-157, 4-180, गेंदबाजी: सौरभ दुबे 2.1-0-21-0, वैभव अरोड़ा 4-0-48-0, कार्तिक त्यागी 4-0-32-3, सुनील नरेन 4-0-31-1, कैमरन ग्रीन 2-0-22-0, अनुकूल रॉय 3-0-36-0.

थाईलैंड ओपन: श्रीकांत, सिंधू और लक्ष्य सेन सीधे सेटों में जीतकर अगले राउंड में

बैंकॉक, जेएनएन। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू, लक्ष्य सेन और किदाम्बी श्रीकांत थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में बुधवार को सीधे गेम में जीत दर्ज करके दूसरे दौर में पहुंच गए, जबकि इस पांच लाख डॉलर इनामी टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों के लिए दिन मिश्रित सफलता वाला रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने चीनी ताइपे की तुंग सियू तोंग को 21-9, 21-12 से हराया, जबकि सातवें वरीय और ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के दो बार के फाइनलिस्ट लक्ष्य ने सिंगापुर के जिया हेंग जेसन को 21-16, 21-17 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने सिंगापुर के आठवीं वरीयता प्राप्त लो कीन यू को 21-14, 21-15 से हराकर उलटफेर किया। श्रीकांत का सामना प्री क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपै के सू लि यांग से होगा, जबकि सिंधू डेनमार्क की अमेली शूल्ज से खेलेंगी। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता थॉमस कप के दौरान लगी चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। वह चीनी ताइपे के वांग पो वेई और चीन के झू शुआन चेन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। इस साल थाईलैंड मास्टर के रूप में अपना पहला सुपर 300 खिताब जीतने वाली देविका सिहाग ने कड़े मुकाबले में दुनिया की 26वें नंबर की खिलाड़ी जापान की नात्सुकी निदाइरा को एक घंटे 11 मिनट में 21-19, 13-21, 21-15 से शिकस्त दी। एक अन्य मैच में मालविका बंसोड़ ने कनाडा की वेन यू झेंग को 13-21, 26-24, 21-13 से हराया।

धर्मशाला में मुंबई और पंजाब के बीच मुकाबला आज

लगातार चार हार के बाद मुंबई इंडियंस के खिलाफ वापसी करने उतरेंगे किंग्स

जेएनएन, धर्मशाला

पिछले चार मैच में हार से आहत पंजाब किंग्स गुरुवार को आईपीएल के 58वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस का सामना करने उतरेगी। यह मुकाबला धर्मशाला में खेला जाएगा, जहां पंजाब को पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार मिली थी। पंजाब के लिए अच्छी बात ये है कि वे अभी भी टॉप-4 में बने हुए हैं। हालांकि, अब उन्हें हर हाल में जीत के रास्ते पर वापस आना होगा वर्ना प्लेऑफ में जाने का उनका सपना चकनाचूर हो सकता है। वहीं मुंबई ने इस सीजन 11 में से आठ मैच गंवाए हैं और प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुके हैं। पंजाब को जीत के लिए मुंबई के खिलाफ अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा।

■ मुंबई के भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन इस सीजन निराशाजनक रहा है। सूर्यकुमार ने 11 पारियों में सिर्फ 195 रन बनाए हैं। तिलक वर्मा ने 261 रन बनाए हैं और पंजाब के खिलाफ उनका स्ट्राइक रेट 173 का रहा है। कप्तान हार्दिक पंड्या बल्ले और गेंद दोनों से संघर्ष करते दिखे हैं। हार्दिक ने सिर्फ 146 रन बनाए हैं, जबकि गेंदबाजी में उनका इकॉनमी भी महंगा रहा है। बुमराह ने 11 मैच में सिर्फ तीन विकेट लिए हैं, जो उनके स्तर के हिसाब से काफी साधारण प्रदर्शन है।

■ पंजाब की फील्डिंग लगातार चिंता का विषय रही है। दिल्ली के खिलाफ भी टीम ने आसान कैच छोड़े और कई मिसफील्ड किए, जिसका असर सीधे मैच के नतीजे पर पड़ा। पूरे सीजन में पंजाब ने 20 कैच छोड़े हैं और उनकी कैच एफिशिएंसी सिर्फ 70.1 फीसदी रही है। यह इस सीजन की सबसे खराब फील्डिंग टीमों में शामिल है।

बाबर को बनाया जा सकता है पाक टेस्ट टीम का कप्तान

कराची, जेएनएन। बांग्लादेश से पहले टेस्ट में 104 रन से मिली शर्मनाक हार के बाद पाकिस्तान शान मसूद की जगह बाबर आजम को टेस्ट कप्तान के तौर पर लाने की तैयारी कर रहा है। ढाका में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद मसूद की कप्तानी को लेकर पाकिस्तान में कड़ी आलोचना हुई। बल्ले से भी मसूद का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह दोनों पारियों में नाकाम रहे। टीम के करीबी एक सूत्र के अनुसार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के बाकी मैच के लिए बाबर को टेस्ट कप्तान के तौर पर फिर से नियुक्त करने का अभियान शुरू हो गया है, क्योंकि पाकिस्तान को इस साल अभी सात और टेस्ट खेलने हैं। मसूद दिसंबर 2023 से टेस्ट कप्तान नियुक्त हुए थे और तब से उनके कार्यकाल में पाकिस्तान ने 15 में से 11 मैच गंवाए हैं। वहीं बाबर घुटने की चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट नहीं खेल पाए थे और 18 मई से शुरू होने वाले दूसरे मैच में उनकी वापसी की संभावना है। सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के कुछ प्रभावशाली लोग भी चाहते हैं कि बाबर कप्तान के तौर पर वापस आएं।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने नए चयनकर्ता और नई टेस्ट टीम का ऐलान किया

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए बेन स्टोक्स इंग्लैंड टीम के कप्तान

लंदन, जेएनएन। एशेज सीरीज में हार के मद्देनजर आत्ममंथन के दौर के बाद इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने पहली बार विदेशी राष्ट्रीय चयनकर्ता नियुक्त किया है और नई टेस्ट टीम चुनी है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मार्कस नॉर्थ को चयनकर्ता बनाया गया है, जो 2018 के बाद से छह इंग्लिश काउंटी टीमों के लिए खेल चुके हैं और डरहम के क्रिकेट निदेशक भी रहे हैं, जहां उन्होंने इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स के साथ काम किया है। इंग्लैंड के पास ब्रेंडन मैकुलम जैसा विदेशी मुख्य कोच है। नॉर्थ अब ल्यूक राइट की जगह लेंगे, जो तीन साल इस पद पर रहे। एशेज सीरीज में मिली 1-4 से हार के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ चार जून से शुरू हो रही सीरीज के लिए सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली और तीसरे नंबर के बल्लेबाज ओली पोप को टीम में जगह नहीं मिली है। जोफ्रा आर्चर टी-20 व्यस्तताओं के कारण उपलब्ध नहीं हैं, जबकि ब्रायडन कार्स और मार्क वुड चोटिल है।

पहले टेस्ट के लिए टीम: बेन स्टोक्स (कप्तान), रेहान अहमद, गस एटकिंसन, सोनी बेकर, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, बेन डकेट, मैथ्यू फिशर, एमिलियो गे, जेम्स रियू, ओली रॉबिनसन, जो रूट, जैमी स्मिथ, जोश टंग।

सारा पुरुष टीम में नियुक्त होने वाली पहली महिला कोच बनीं

लंदन, जेएनएन। इंग्लैंड की पूर्व विकेटकीपर सारा टेलर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए सीनियर पुरुषों की टेस्ट टीम का फील्डिंग कोच नियुक्त किया गया है। महिला क्रिकेट के इतिहास की महानतम खिलाड़ियों में से एक मानी जाने वाली 37 साल की टेलर ने एंड्रयू फ्लिंटॉफ के नेतृत्व में इंग्लैंड लायंस (इंग्लैंड-ए) टीम के साथ भी काम किया है। वहां उनके शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें सीनियर टीम के सहयोगी स्टाफ में जगह मिली है। सभी प्रारूप में कुल 226 मैच खेलने वाली टेलर ने ससेक्स की पुरुषों की टीम के साथ-साथ मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के साथ भी काम किया है। उन्हें फील्डिंग कोच के तौर पर एक संक्षिप्त कार्यकाल के अनुबंध की पेशकश की गई है। इस पद पर वह कार्ल हॉपकिंसन की जगह लेंगी।

सिटी स्पोर्ट्स

रोइंग चैंपियनशिप में आरएनटीयू के खिलाड़ियों का स्वर्णिम छक्का

भोपाल, खेप्र। रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) के खिलाड़ियों ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी रोइंग चैंपियनशिप (पुरुष एवं महिला) में छह स्वर्ण सहित 19 पदक अर्जित किए। इसमें सात रजत और छह कांस्य पदक शामिल हैं। चंडीगढ़ में आयोजित चैंपियनशिप में आरएनटीयू की पुरुष टीम रनरअप रही, जबकि महिला टीम द्वितीय रनरअप रही। विश्वविद्यालय की प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स और आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. नितिन वत्स ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

पीआर श्रीजेश का आरोप-विदेशी कोच के लिए मुझे हटाया हॉकी इंडिया ने कहा-दिसंबर में ही खत्म हो गया था करार

जेएनएन, नई दिल्ली

भारत के महान गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने विदेशी कोचों को तरजीह देने के हॉकी इंडिया के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद जूनियर टीम के कोच के पद से उन्हें हटा दिया गया। सोशल मीडिया पर मंगलवार को एक पोस्ट में दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता श्रीजेश ने लिखा कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें हटाया गया, क्योंकि हॉकी इंडिया जूनियर स्तर पर भी विदेशी कोच चाहता है। इस पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने श्रीजेश के आरोपों का जवाब देते हुए कहा है कि उन्हें पद से हटाया नहीं गया है, बल्कि उनका कार्यकाल दिसंबर 2025 में ही खत्म हो गया था और उचित चयन प्रक्रिया का पालन करके मेरिट के आधार पर नया कोच चुना गया है। टिर्की ने कहा कि श्रीजेश को डेवलपमेंट टीम (भारत-ए) का कोच बनने की पेशकश की गई थी, जो लॉस एंजिलिस ओलंपिक और अगले ओलंपिक चक्र के लिए अहम है। उन्होंने इसे ठुकरा दिया और फैसले पर पुनर्विचार करने के अनुरोध पर भी नहीं माने।

डेढ़ साल के बाद ही खत्म हो गया कोचिंग करियर

श्रीजेश ने 'एक्स' पर लिखा, लगता है कि मेरा कोचिंग करियर डेढ़ साल के बाद ही खत्म हो गया है, जिसमें हमने पांच टूर्नामेंट खेले और जूनियर विश्व कप समेत पांच बार पोडियम पर रहे। उन्होंने कहा कि मैंने सुना है कि खराब प्रदर्शन के बाद कोचों को हटाया जाता है, लेकिन पहली बार विदेशी कोच की नियुक्ति के लिए मुझे हटाया जा रहा है। श्रीजेश ने कहा कि हॉकी इंडिया अध्यक्ष का कहना है कि सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच जूनियर स्तर पर भी विदेशी कोच चाहते हैं, क्योंकि उनका मानना है कि इससे जूनियर स्तर से सीनियर स्तर पर भारतीय हॉकी के विकास में मदद मिलेगी। श्रीजेश ने आगे लिखा कि क्या भारतीय कोच भारतीय हॉकी का विकास नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी कहा था कि देश को उनके जैसे कोचों की जरूरत है, लेकिन हॉकी इंडिया का भरोसा सिर्फ विदेशी कोचों पर है।

फ्रांस के फ्रेडरिक सोयेज हो सकते हैं नए कोच

पेरिस ओलंपिक 2024 में फ्रांस की पुरुष हॉकी टीम के कोच रहे फ्रेडरिक सोयेज भारत की अंडर-21 टीम के अगले मुख्य कोच हो सकते हैं। खेल प्रबंधन में मास्टर्स 48 वर्ष के सोयेज 1995 से 2010 तक फ्रांस के लिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी खेले। इसके बाद 2011 से 2014 तक फ्रांस टीम के मुख्य कोच रहे और 2014 से 2021 तक स्पेन के मुख्य कोच थे जब रियो ओलंपिक 2016 में स्पेन की टीम पांचवें स्थान पर रही थी। इसके बाद वह 2021 से 2024 तक फ्रांस हॉकी के हाई परफॉर्मेंस निदेशक भी रहे।

आयुष के दोहरे प्रदर्शन से रेड हाउस 116 रन से जीता

भोपाल, खेप्र। प्लेयर ऑफ द मैच आयुष यादव के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत रेड हाउस ने सेंट माइकल इंटर हाउस क्रिकेट टूर्नामेंट में ब्लू हाउस को 116 रन से शिकस्त दी। बाबेअली मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने उतरी रेड हाउस ने आयुष यादव (80) और अतीत टोप्पो (59) के अर्धशतक की मदद से 310 रन का बड़ा स्कोर बनाया। सोहेल ने 42 और उमेद ने 29 रन का योगदान दिया। ब्लू हाउस के अजहर एवं शैंकी ने तीन-तीन विकेट हासिल किए। जवाब में ब्लू हाउस 194 रन ही बना पाया। टीम के आशु शेख ने सर्वाधिक 86 रन बनाए। रुद्राक्ष ने 25 रन का योगदान दिया। रेड हाउस के ओम पाटिल ने तीन, जबकि आयुष एवं शरद ने दो-दो विकेट प्राप्त किए। सीनियर क्रिकेटर जावेद अख्तर ने आयुष को अवॉर्ड दिया।

गौतम की घातक गेंदबाजी से नर्मदापुरम फाइनल में

भोपाल, खेप्र। प्लेयर ऑफ द मैच गौतम रघुवंशी की शानदार गेंदबाजी की बदौलत नर्मदापुरम ने 14वें स्व. अरविंद चतुर्वेदी क्रिकेट टूर्नामेंट 'रमेश शर्मा गुड्डू भैया ट्रॉफी' में भोपाल लेपर्ड्स को चार विकेट से शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश किया। गुरुवार को फेथ क्लब और मयंक अकादमी के बीच सेमीफाइनल खेला जाएगा। ओल्ड कैंपियन मैदान पर भोपाल लेपर्ड्स 104 रन पर सिमट गई। विकास शर्मा और अंकुर सिंह ने एकसमान 24-24 रन बनाए। नर्मदापुरम के गौतम रघुवंशी ने 5 विकेट झटके। वहीं साहिल सिंह जादौन को दो सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नर्मदा पुरम की टीम ने 13.1 ओवर में 6 विकेट खोकर मुकाबला जीत लिया। एकसमय टीम 34 रन पर 4 विकेट खोकर मुश्किल में थी। करण तिवारी ने 43 और शाश्वत ने 22 रन बनाए।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी
हिंदू धर्म जीने का तरीका मंदिर जाना जरूरी नहीं

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हिंदू धर्म की प्रकृति को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि हिंदू धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। अदालत ने कहा कि हिंदू बने रहने के लिए मंदिर जाना या विशेष धार्मिक अनुष्ठान करना अनिवार्य नहीं है। घर में दीया जलाना भी आस्था व्यक्त करने के लिए पर्याप्त माना जा सकता है। यह टिप्पणी चीफ जस्टिस सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली 9 जजों की संविधान पीठ ने की। पीठ धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश, सबरीमाला मंदिर विवाद और दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़े धार्मिक स्वतंत्रता मामलों की सुनवाई कर रही है। बुधवार को संविधान पीठ में जस्टिस बी वी नागरत्ना, एमएम सुंद्रेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह आदि शामिल रहे।

किश्तवाड़ में आतंकी को पनाह देने वाला गिरफ्तार

किश्तवाड़/पुंछ, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा एजेंसियों ने शिक्षक समेत दो लोगों को

गिरफ्तार किया है। इन पर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों को पनाह, खाना और अन्य रसद सामग्री उपलब्ध कराने का आरोप है। शिक्षक की पहचान मशकूर अहमद के रूप में हुई है, जो इंदरवाल के एक सरकारी स्कूल में तैनात है। उसके खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, मशकूर अहमद चटरू इलाके में आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट देता था। यह मामला 4 फरवरी 2026 को डिच्छर-चटरू में हुए एनकाउंटर से जुड़ा है, जिसमें आतंकी आदिल मारा गया था।

निदा को छिपाया: पार्षद की संपत्ति पर चला बुलडोजर

पुणे, जेएनएन। महाराष्ट्र के चर्चित नासिक टीसीएस कथित धर्मांतरण मामले

में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को छत्रपति संभाजीनगर (पूर्व में औरंगाबाद) में एआईएमआईएम के पार्षद मतीन पटेल की संपत्ति पर बुलडोजर चलाया गया। मतीन पटेल पर इस मामले की मुख्य आरोपी निदा खान को छिपाने का आरोप है। स्थानीय प्रशासन ने पार्षद के आवास और कार्यालय के अवैध हिस्सों सहित दुकानों को ध्वस्त कर दिया। स्थानीय मंत्री संजय शिरसाट के ऐलान के बाद पुलिस सुरक्षा के बीच यह कार्रवाई की गई। मतीन पटेल ने इस कार्रवाई पर रोक लगाने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

रुटीन चेकअप के बाद सोनिया गांधी डिस्चार्ज

नई दिल्ली, जेएनएन। सोनिया गांधी बुधवार को गुरुग्राम स्थित मेदांता

हॉस्पिटल में रुटीन चेकअप के लिए भर्ती हुईं। कुछ घंटों तक डॉक्टरों की निगरानी में रहने के बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक सोनिया गांधी को सुबह अस्पताल लाया गया था। शुरुआती तौर पर कहा गया कि उनकी एक छोटी सर्जरी होनी है, हालांकि बाद में सूत्रों ने बताया कि वह नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल पहुंची थीं। अस्पताल प्रशासन की ओर से फिलहाल उनकी सर्जरी या स्वास्थ्य संबंधी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। इससे पहले 24 मार्च 2026 को दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टर अरूप बासु ने बताया गया था कि फेफड़ों से संबंधित परेशानी के चलते

प्रधानमंत्री के रूट पर अब मिला टाइमर

बेंगलुरु, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 मई को बेंगलुरु दौरे के दौरान सुरक्षा में चूक और साजिश का बड़ा मामला सामने आया है। मौके से

जिलेटिन की छड़ों के बरामद होने के तीन दिन बाद अब पुलिस को वहां से एक इलेक्ट्रॉनिक सर्किट और टाइमर भी मिला है। पुलिस का मानना है कि साजिशकर्ता विस्फोटक को असेंबल (जोड़ने) में विफल रहे, जिस कारण बड़ी अनहोनी टल गई। प्रधानमंत्री 10 मई को बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के 45वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। विस्फोटक सामग्री कार्यक्रम स्थल के पास कागलीपुरा इलाके से बरामद की गई थी। पुलिस को उसी दिन सुबह करीब 7 बजे एक गुमनाम फोन कॉल आया था, जिसमें बम लगाने का दावा किया गया था। कॉल के आधार पर पुलिस ने कोरमंगला इलाके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

फ्लोर टेस्ट में पास हुई विजय सरकार 118 वोट की जरूरत थी, मिले 144

एआईएडीएमके के 25 बागी विधायक साथ आए, विरोध में पड़े महज 22 वोट

डीएमके का वॉकआउट

मुख्यमंत्री बोले - हमारी सरकार घोड़े की रफ्तार से काम करेगी

चेन्नई, जेएनएन। तमिलनाडु विधानसभा में बुधवार को मुख्यमंत्री विजय की टीवीके सरकार ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। वोटिंग के वक्त सदन में 171 विधायक मौजूद थे, जिनमें से 144 ने टीवीके का समर्थन किया। सरकार को बहुमत साबित करने के लिए 118 वोटों की जरूरत थी। टीवीके के पक्ष में एआईएडीएमके के 25 बागी विधायकों ने भी वोट डाला। एआईएडीएमके के कुल 47 विधायकों में से 22 ने सरकार का विरोध किया। फ्लोर टेस्ट के दौरान 59 विधायकों वाली डीएमके ने सदन से वॉकआउट कर दिया। वहीं सदन में मौजूद पीएमके के 4 और भाजपा के एक विधायक वोटिंग में शामिल नहीं हुए। इस फ्लोर टेस्ट के साथ ही एआईएडीएमके में औपचारिक रूप से फूट पड़ गई है और पार्टी पलानीस्वामी व सीवी

षणमुगम गुटों में बंट गई है।

विजय का समर्थन करने वाले एआईएडीएमके विधायक निलंबित: तमिलनाडु के पूर्व सीएम एडप्पडी पलानीस्वामी ने सीएम विजय का साथ देने वाले कई बड़े नेताओं को अपनी पार्टी एआईएडीएमके से निकाल दिया है। पार्टी के महासचिव एडप्पडी पलानीस्वामी (ईपीएस) ने साफ कहा कि पार्टी का अनुशासन तोड़ने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीएम सुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम सीट छोड़ी

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को कहा कि राज्य की नई भाजपा सरकार विधानसभा के कामकाज में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करेगी। नई सरकार के गठन के बाद विधानसभा की कार्यवाही के पहले दिन भवानीपुर क्षेत्र से विधायक पद की शपथ लेने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की। सुभेंदु अधिकारी ने हालिया चुनावों में नंदीग्राम और भवानीपुर, दोनों सीटों से जीत हासिल की थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह एक साथ दो सीटों से विधायक नहीं रह सकते, इसलिए उन्होंने भवानीपुर से शपथ ली है और अब उन्हें नंदीग्राम सीट छोड़नी होगी। उन्होंने जोर दिया कि जनता की सरकार के मूल सिद्धांत विधानसभा की कार्यवाही में पूरी तरह दिखाई देंगे।

पुडुचेरी में फिर बनी एनडीए सरकार, एन रंगास्वामी पांचवीं बार बने मुख्यमंत्री

पुडुचेरी। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में एक बार फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार बन गई है। एनआर कांग्रेस प्रमुख एन रंगास्वामी ने बुधवार को पांचवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। पुडुचेरी में आयोजित भव्य समारोह में उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन ने उन्हें शपथ दिलाई। रंगास्वामी के साथ गठबंधन के दो अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इनमें एनआर कांग्रेस समर्थित क्षेत्रीय दल के विधायक के. मल्लादी कृष्णा राव और भाजपा के वरिष्ठ नेता ए. नमाशिवायम शामिल हैं। मल्लादी कृष्णा राव ने तेलुगु भाषा में शपथ ली।

उपराज्यपाल ने दिलाई पद और गोपनीयता की शपथ; भाजपा नेता भी बने मंत्री

शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और बीएल संतोष समेत कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। रंगास्वामी इससे पहले चार अलग-अलग कार्यकालों में मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

सीएम विजय के ज्योतिषी का 'बुरा समय' 24 घंटे में ही ओएसडी पद से हटाए गए

चेन्नई, जेएनएन। तमिलनाडु में फ्लोर टेस्ट पास करने के कुछ ही घंटों बाद मुख्यमंत्री विजय ने ज्योतिषी राधन पंडित को विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) के पद से हटा दिया है। विजय ने उन्हें पद पर नियुक्त करने के मात्र 24 घंटे के भीतर यह फैसला वापस लिया। दरअसल, विपक्ष और सहयोगी पार्टियों ने एक ज्योतिषी को सरकारी पद दिए जाने का कड़ा विरोध किया था। राधन पंडित लंबे समय से विजय के करीबी रहे हैं और उनकी सलाह पर ही 10 मई को शपथ ग्रहण का समय बदला गया था। सहयोगी दल एमजेके के प्रमुख थमीमुन अंसारी ने विधानसभा में कहा कि निजी विश्वास अलग बात है, लेकिन सरकार में ज्योतिष नहीं आना चाहिए। डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने भी इस पर तंज कसते हुए कहा था कि अब से विधानसभा की कोई भूमिका नहीं रह जाएगी और समय ज्योतिषियों द्वारा ही बताया जाएगा।

ट्रंप का 8 साल बाद चीन दौरा

9 लाख करोड़ रुपए की बोइंग विमान डील संभव

बीजिंग, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार को 8 साल बाद चीन दौरे पर पहुंचे। बीजिंग कैपिटल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर चीनी उपराष्ट्रपति हान जेंग ने उन्हें रिसीव किया। ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच गुरुवार और शुक्रवार को व्यापार, ताइवान, रेयर अर्थ मिनरल्स, एआई और ईरान युद्ध जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। ट्रंप 15 मई तक चीन में रहेंगे। इस दौरे के दौरान 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की बोइंग विमान डील होने की उम्मीद है, जिसके तहत चीन सैकड़ों बोइंग 737 मैक्स और अन्य विमान खरीद सकता है। ट्रंप के साथ एलन मस्क और एपल सीईओ टिम कूक सहित 17 दिग्गज अमेरिकी कारोबारी भी गए हैं। हालांकि,ट्रंप ने स्पष्ट किया कि उन्हें ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए चीन की मदद की जरूरत नहीं है और अमेरिका यह युद्ध हर हाल में जीत जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान के पास परमाणु हथियार न हों।

ट्रंप बोले- ईरान के खिलाफ हर हाल में जंग जीतेंगे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन रवाना होने से पहले कड़े शब्दों में कहा कि ईरान के खिलाफ जारी जंग अमेरिका हर हाल में जीतेगा। उन्होंने कहा, 'ईरान या तो समझौता करेगा या फिर तबाह हो जाएगा।' ट्रंप ने संकेत दिया कि शी जिनपिंग के साथ बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट संकट पर भी चर्चा होगी, हालांकि व्यापार मुख्य मुद्दा रहेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ने 74 दिनों की जंग में अब तक कम से कम 29 अरब डॉलर (करीब 2.4 लाख करोड़ रुपये) खर्च किए हैं। यह खर्च केवल हथियारों और सैन्य उपकरणों पर हुआ है। इसी बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दुनिया की सबसे ताकतवर सैन्य शक्ति बने रहने के लिए कांग्रेस से 1.5 लाख करोड़ डॉलर के अतिरिक्त रक्षा बजट की मांग की है।

अब वेनेजुएला पर ट्रंप की नजर, 51वां अमेरिकी राज्य दर्शाते हुए मैप शेयर किया: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने 'ट्रुथ सोशल' प्लेटफॉर्म पर वेनेजुएला का एक मैप पोस्ट किया है, जिसमें ग्राफिक की मदद से वेनेजुएला के अंदर अमेरिकी झंडा बनाया गया है और उसे '51वां राज्य' लिखा गया है। यह पोस्ट वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के विरोध के बाद आया है।

नीट पेपर लीक मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, फैमा की मांग

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में दोबारा हो परीक्षा

नई दिल्ली, जेएनएन। नीट यूजी 2026 परीक्षा परीक्षा रद्द किए जाने का मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (फैमा) ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर परीक्षा दोबारा कराने की मांग की है। संगठन ने कहा है कि नेशनल टैस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर अब छात्रों और अभिभावकों का भरोसा नहीं रह गया है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में री-एग्जाम कराया जाना चाहिए। फैमा ने अपनी याचिका में यह भी मांग की है कि एनटीए की मौजूदा गवर्निंग बॉडी का पुनर्गठन किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

एनटीए ने पेपर लीक के बाद 12 मई को नीट यूजी 2026 परीक्षा रद्द कर दी थी। एजेंसी ने स्वीकार किया कि परीक्षा प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ी हुई है। 3 मई को आयोजित परीक्षा में करीब 22.79 लाख छात्र शामिल हुए थे। पेपर लीक

नीट यूजी पेपर लीक के विरोध में दिल्ली में एनटीए दफ्तर के बाहर प्रदर्शन करते एबीवीपी के छात्र।

मामले की जांच अब तक सीबीआई ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें तीन आरोपी जयपुर, एक गुरुग्राम और दो नासिक से पकड़े गए हैं। सीबीआई ने नासिक से शुभम खैरनार और अहिल्याबाई नगर से धनंजय नामक आरोपी को हिरासत में लिया है। आरोप है कि धनंजय ने शुभम को परीक्षा का पेपर उपलब्ध कराया था। मुंबई की अदालत ने शुभम खैरनार को दो दिन की ट्रांजिट रिमांड पर सीबीआई को सौंप दिया है।

मणिपुर में तीन चर्च नेताओं की गोली मारकर हत्या

कांगपोकपी जिले में वारदात के बाद तनाव

इंफाल, जेएनएन। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में बुधवार को थाडौ बैपटिस्ट एसोसिएशन (टीएबी) के तीन चर्च नेताओं की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि 5 अन्य लोग घायल हुए हैं। यह हमला अज्ञात हथियारबंद लोगों ने घात लगाकर उस समय किया जब नेता एक सम्मेलन से लौट रहे थे। इस वारदात के बाद कांगपोकपी और आसपास के कुकी-जो बहुल इलाकों में भारी तनाव फैल गया है।

आक्रोशित लोगों ने पत्थर और लकड़ियां लगाकर नेशनल हाईवे-2 को पूरी तरह बंद कर दिया है। यह राजमार्ग मणिपुर को नागालैंड और देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है। मृतकों की पहचान मणिपुर बैपटिस्ट कन्वेंशन (एमबीसी) के पूर्व महासचिव रेव. वी. सितल्होउ, रेव. वी.

कैगौलुन और पास्टर पाओगौलेन के रूप में हुई है। घायलों में रेव. एसएम हाओपु, रेव. हेकाई सिमटे, रेव. पाओथांग और दो ड्राइवर शामिल हैं। ये सभी चुराचांदपुर जिले के लमका में आयोजित टीबीए सम्मेलन से लौट रहे थे। हमलावरों ने कोतजिम व कोतलेन इलाकों के बीच फायरिंग कर दी।

यूपी, बिहार, महाराष्ट्र में आंधी-बारिश से 22 मौतें

नई दिल्ली, जेएनएन। देशभर में दो तरह का मौसम देखने को मिल रहा है। राजस्थान में बुधवार को चार जिलों में 45 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान रहा। बाड़मेर लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा, यहां 48.3 डिग्री सेल्सियसतापमान दर्ज किया गया। फलोदी, चित्तौड़गढ़ और बीकानेर में पारा 45 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। वहीं, उत्तर प्रदेश के संभल में बुधवार को दिन में अंधेरा छा गया। तेज हवा के साथ धूलभरी आंधी चली। राज्य के 38 जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट है। बदायूं में आंधी-बारिश से पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं बरेली में तेज आंधी के चलते एक महिला की जान चली गई। हरदोई में दीवार गिरने से एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि उन्नाव में अलग-अलग हादसों में दो लोगों की जान चली गई। बिहार के जमुई और बांका में बिजली गिरने से एक बच्चा समेत 5 लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र के सांगली में आंधी से मंदिर की दीवार गिर गई जिससे 6 लोगों की मौत हो गई।

ईपीएफओ: ऑटोमैटिक होगी क्लेम निपटारे की प्रक्रिया

जल्द से जल्द आवेदक के खाते में पैसे किए जाएंगे ट्रांसफर

नई दिल्ली, जेएनएन। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) रिटायरमेंट फंड बॉडी जल्द ही फाइनल प्रोविडेंट फंड विदड्रॉल के क्लेम निपटाने की प्रक्रिया को ऑटोमेटेड कर देगी। इससे एप्लीकेंट के बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर होने की प्रक्रिया तेज हो जाएगी। बुधवार को एक टॉप अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अभी 5 लाख रुपये तक के पार्शियल या एडवांस विदड्रॉल के क्लेम ऑटो मोड के जरिए निपटाए जाते हैं। नए लेबर कोड्स पर एसोचैम के नेशनल समिनार पहुंचे ईपीएफओ के सेंट्रल प्रोविडेंट फंड कमिश्नर रमेश कृष्णमूर्ति ने कहा, 'हम, जहां तक संभव हो, अभी के लिए ऑटो-निपटान शुरू करने जा रहे हैं... जो (पहले) केवल एडवांस के लिए उपलब्ध था। अब हम फाइनल विदड्रॉल के ऑटो-सेटेलमेंट की ओर बढ़ रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई मेंबर अपना इम्प्लॉयर (कंपनी) बदलता है तो ईपीएफओ प्रोविडेंट फंड खातों के ऑटो-सेटेलमेंट और ऑटो-ट्रांसफर की सुविधा शुरू करने जा रहा है। उन्होंने बताया, 'अब आपको कोई फॉर्म भरने की जरूरत नहीं है। हम आपके खातों को आपके सबसे नए मेंबर अकाउंट में ऑटो-माइग्रेट करने की कोशिश करेंगे।' नए लेबर कोड्स के बारे में बात करते हुए कृष्णमूर्ति ने कहा कि परिभाषाओं और अन्य शब्दों को सरल बनाने, संहिताबद्ध करने और स्टैंडर्डाइज करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास किए हैं।

ईरानी मूल की अभिनेत्री मंदाना ने हमेशा के लिए छोड़ा भारत

कहा-कभी नहीं सोचा था कि भारत को अलविदा कहूंगी

मनोरंजन जगत से एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने फैंस को हैरान और भावुक कर दिया है। पिछले 16 सालों से भारत को अपना दूसरा घर कहने वाली ईरानी मूल की अभिनेत्री मंदाना करीमी ने आधिकारिक तौर पर इस देश को अलविदा कह दिया है। 'बिग बॉस' और 'लॉक अप' जैसे रियालिटी शोज से घर-घर में पहचान बनाने वाली मंदाना ने सोशल मीडिया पर एक बेहद भावुक पोस्ट के जरिए इस फैसले की जानकारी दी।

मंदाना ने इंस्टाग्राम पर एक 'आस्क मी एनीथिंग' (एएमए) सेशन के दौरान फैंस के सवालों का जवाब देते हुए इस खबर की पुष्टि की। जब एक प्रशंसक ने पूछा कि क्या वह सच में मुंबई छोड़ रही हैं, तो मंदाना ने एयरपोर्ट से एक वीडियो साझा किया। भारी मन से उन्होंने कहा, 'मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मुझे एक दिन 'गुडबाय इंडिया' कहना पड़ेगा। यह मेरे लिए बहुत कठिन निर्णय है। यहां मैंने अपनी जिंदगी के 16 खूबसूरत साल बिताए हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि मैं एक नए देश में, एक नए घर के साथ अपनी जिंदगी की नई शुरुआत करूं।' मंदाना ने दर्द साझा करते हुए बताया कि इस कठिन लड़ाई में वह खुद को अकेला महसूस कर रही थीं और उन्हें वह सहयोग नहीं मिला जिसकी उन्हें उम्मीद थी। उन्होंने कहा, 'भारत में मेरी लड़ाई लंबे समय से चल रही थी, लेकिन अब इसे और खींचने का कोई मतलब नहीं रह गया है।'

करियर और पहचान

मंदाना करीमी ने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक खास जगह बनाई थी। वह 'क्या कूल हैं हम 3' जैसी फिल्मों में नजर आईं, लेकिन उन्हें असली प्रसिद्धि रियलिटी शोज से मिली। उन्हें आखिरी बार नेटफ्लिक्स की फिल्म 'थार' में देखा गया था। एक विदेशी होने के बावजूद उन्होंने भारतीय संस्कृति और भाषा को बड़ी खूबसूरती से अपनाया था, यही वजह है कि उनके जाने की खबर ने उनके चाहने वालों को उदास कर दिया है।

कीर्तिमान मधेपुरा फैक्ट्री में बना रेल इंजन; 12,000 हॉर्स पावर की क्षमता से है लैस

दुनिया का शक्तिशाली इंजन बना डब्लूएजी 12बी

ताकत ऐसी कि एक साथ 16 वंदेभारत ट्रेनों को पटरी पर दौड़ा ले

मधेपुरा, जेएनएन। भारत में बना डब्लूएजी 12बी रेल इंजन दुनिया का सबसे ताकतवर इंजन है, जो अमेरिका और जापान जैसे विकसित देशों को भी पछाड़ता है। इस इंजन की पावर का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि वह एक साथ 16 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को खींच सकता है। सिर्फ खींच ही नहीं सकता, बल्कि 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ा सकता है। साल 2020 में पहली बार इस इंजन से सफर की शुरुआत हुई। आज भारत के पास पांच सौ से ज्यादा ऐसे इंजन तैयार हो चुके हैं। इस इंजन में 12,000 हॉर्स पावर की क्षमता है।

क्या है इंजन की खूबियां

- डब्लूएजी 12बी इंजन पूरी तरह से इलेक्ट्रिक इंजन है।
- यह एक ट्विन सेक्शन लोकोमोटिव इंजन है, जिसे ब्रॉड गेज ट्रैक पर दौड़ने के लिए तैयार किया गया है।
- इसके व्हील्स मैनेजमेंट बो'बो'+बो'बो' कैटेगरी का है।
- इसका वजन करीब 180 टन है, जो 6000 टन वजन तक को खींचने की क्षमता रखता है।

कहां बन रहा है यह इंजन: डब्लूएजी 12बी का यह इंजन पूरी तरह से मेक इन इंडिया के तहत बनाया गया है, जिसे मधेपुरा इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव फैक्ट्री में तैयार किया गया है। इंजन की लंबाई 35 मीटर है।

किस देश के पास कितना ताकतवर इंजन

- अमेरिका का सबसे ताकतवर इंजन यूनियन पैसिफिक जीटीईएल की ताकत 8500 हॉर्स पावर की है।
- वहीं जापान के सबसे शक्तिशाली रेल इंजन जेआर फ्रेट क्लास ईएफ 200 की क्षमता 8000 हॉर्स पावर की है।

जापान में कितना पॉवर फुल इंजन

जापान का सबसे शक्तिशाली रेल इंजन जेआर फ्रेट क्लास ईएफ 200 है। इसकी क्षमता 8000 एचपी है। यह इलेक्ट्रिक फ्रेट लोकोमोटिव है, जो व्हील अरेंजमेंट के साथ हिताची द्वारा बनाया गया। यह नरो गेज का सबसे पावरफुल सिंगल-फ्रेम लोकोमोटिव था, लेकिन 2007 में रिटायर्ड हो गया। मौजूदा समय जापान के मॉडर्न लोकोमोटिव्स जैसे ईएच 200 की है, जिसकी क्षमता 6,000 एचपी की है। इस तरह मौजूदा समय की बात करें, तो भारत का इंजन दोनों देशों के मौजूदा लोकोमोटिव्स से दोगुना-तिगुना पावरफुल है।

वर्गीकृत

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 520/-

Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

कान्हा में रेस्क्यू के बाद क्वारंटाइन सेंटर लाया गया तेंदुआ

जागरण, मंडला। कान्हा टाइगर रिजर्व के भैसानघाट परिक्षेत्र में एक घायल तेंदुए का सफल रेस्क्यू किया है। कुछ दिन पहले गश्ती दल के कर्मचारियों ने जंगल में गश्त के दौरान एक तेंदुए को घायल अवस्था में देखा था। सूचना मिलते ही कान्हा प्रबंधन ने तेंदुए की तलाश और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। तेंदुए को बेहतर इलाज और निरंतर चिकित्सकीय निगरानी के लिए मुक्की क्वारंटाइन सेंटर भेजा है। गश्ती टीम लगातार इलाके की निगरानी कर रही थी।

भागीरथपुरा में जलसंकट, नहीं पहुंच रहे टैंकर

जागरण, इंदौर। दूषित पानी के कारण 35 से ज्यादा मौतों के लिए चर्चित हुई इंदौर की भागीरथपुरा बस्ती में अब नलों में दूषित पानी नहीं आ रहा है, लेकिन बस्ती के बड़े हिस्से में जलसंकट का सामना करना पड़ रहा है। बस्ती के जिस हिस्से में चौड़ी सड़क है, वहां तक तो टैंकर पहुंच रहे हैं, लेकिन जहां संकरी गलियाँ हैं, वहां न टैंकर जा रहे हैं और न नल आ रहे हैं, क्योंकि नर्मदा लाइन बस्ती के 30 प्रतिशत हिस्से में ही पहुंच पाई है।

''ट्वीट ऑफ द डे''

जोसेफ विजय
सीएम तमिलनाडु

तमिलनाडु सरकार शुरुआत से ही नीट का लगातार और सर्वसम्मति से विरोध करती रही है। नीट के लागू होने से ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों, सरकारी स्कूलों के छात्रों, तमिल माध्यम के छात्रों और सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों के छात्रों को गंभीर नुकसान हुआ है। नीट को पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए और राज्यों को ये अधिकार दिया जाना चाहिए कि वे 12वीं की परीक्षा के अंकों के आधार पर ही छात्रों का मेडिकल कालेज में आवेदन और एडमिनशन ले सकें।

संक्षिप्त खबरें

केवई नदी पर बैराजों के खिलाफ जल सत्याग्रह

जागरण, अनूपपुर। जिले के कोतमा जनपद पंचायत क्षेत्र में अडानी कंपनी द्वारा स्थापित किए जा रहे 3200 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट और केवई नदी पर बन रहे अनिकट और 9 बैराजों के विरोध में बुधवार को युवाओं और ग्रामीणों ने जल सत्याग्रह शुरू कर दिया। केवई बचाओ आंदोलन के तहत अन्नू गौतम की अगुवाई में और चंगेरी में जिला पंचायत सदस्य राम जी रिंकू मिश्रा के नेतृत्व में युवाओं ने नदी में उतरकर जल सत्याग्रह कर रहे हैं। दोपहर में नदी के जल में उतरकर केवई नदी को बचाने की अपील की गई। जल सत्याग्रह को देखते हुए मौके पर प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस बल मौजूद रहा। आंदोलनकारियों का आरोप है कि उद्योगपति और प्रशासन की मिलीभगत से नदी के प्राकृतिक प्रवाह को रोककर पूरे क्षेत्र को भविष्य में जल संकट की ओर धकेला जा रहा है। केवई नदी पूरे क्षेत्र की जीवनरेखा है और इसी से उनकी प्यास बुझती है। अब इस नदी को पावर प्लांट की जरूरतों के लिए बांधने की तैयारी की जा रही है, जिससे निचले इलाकों तक पानी पहुंचना कम हो गया है और कई गांवों में जल संकट की स्थिति बन रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि पावर प्लांट की जनसुनवाई के दौरान केवई नदी से पानी लेने या बैराज निर्माण का कोई उल्लेख नहीं किया गया था। उस समय दावा किया गया था कि प्लांट के लिए सोन नदी से पाइपलाइन के जरिए पानी लाया जाएगा।

दिव्यांग बोर्ड के प्रभार को लेकर विवाद, ताला तोड़ा

जागरण, निवाड़ी। जिले में दिव्यांग बोर्ड के प्रभार को लेकर चल रहा विवाद अब प्रशासनिक कार्रवाई तक पहुंच गया है। बुधवार को तहसीलदार की मौजूदगी में विवादित कार्यालय कक्ष का ताला तोड़कर उसे खुलवाया। अधिकारियों ने पूरे घटनाक्रम की निगरानी में कार्रवाई कराई ताकि किसी प्रकार की विवाद की स्थिति न बने। सीएमएचओ ने नेत्र सहायक राजकुमार बाजपेयी को दिव्यांग बोर्ड का प्रभार लेने के आदेश जारी किए थे। आरोप है कि निवर्तमान प्रभारी अरविंद आर्या ने तय समय सीमा के भीतर प्रभार नहीं सौंपा। इसी विवाद के चलते कार्यालय कक्ष पर पहले अरविंद आर्या ने ताला लगाया था। इसके बाद राजकुमार बाजपेयी ने भी दूसरा ताला लगा दिया। दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ने पर मामला उच्च अधिकारियों तक पहुंचा। कलेक्टर के निर्देश पर बुधवार को तहसीलदार जगदीश रंधावा और बीएमओ आरसी मलारिया मौके पर पहुंचे। राजकुमार बाजपेयी ने अपनी चाबी से एक ताला खोल दिया। अरविंद आर्या के मौके पर नहीं पहुंचने के कारण दूसरा ताला प्रशासन की मौजूदगी में तोड़ा और कार्यालय खुलवाया गया।

प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा- 2025 : विवादित मेरिट लिस्ट को चुनौती पर कोर्ट का निर्णय

13089 चयनित उम्मीदवारों को हाईकोर्ट से बड़ा झटका, फिर बनेगी मेरिट लिस्ट

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकलपीठ ने कर्मचारी चयन मंडल की प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा – 2025 की मेरिट लिस्ट फिर से बनाने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने परीक्षा परिणामों में कथित गड़बड़ी और अपात्र उम्मीदवारों को गलत तरीके से पांच प्रतिशत बोनस अंक दिए जाने के विरुद्ध दायर याचिका निरस्त कर दी है। कोर्ट ने राज्य शासन और कर्मचारी चयन मंडल को गैर-आरसीआई डिप्लोमा धारी अपात्र अभ्यर्थियों को उनकी अभ्यर्थिता समाप्त कर चयन प्रक्रिया से बाहर करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने टिप्पणी में कहा कि यदि उम्मीदवारों को पकड़े जाने के बाद अपने अंकों को कम करने या नहीं का विकल्प चुनने की अनुमति दी जाती है, तो यह बेईमानी को बढ़ावा देने और ईमानदार उम्मीदवारों को दंडित करने के समान होगा। इस आदेश से 13089 चयनित उम्मीदवारों को बड़ा झटका लगा है।

नरसिंहपुर निवासी सोनम अगरैया एवं अन्य दो उम्मीदवारों के द्वारा याचिका दाखिल कर कहा गया था कि प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा –2025 भर्ती विज्ञापन की कंडिका 7.7 के तहत केवल उन उम्मीदवारों को फीसद बोनस अंक मिलने थे, जिनके पास भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) से मान्यता प्राप्त विशेष शिक्षा में डिप्लोमा है। लेकिन, चयन सूची में लगभग 14,964 उम्मीदवारों ने खुद को इस श्रेणी में दिखाकर बोनस अंक प्राप्त कर लिए हैं। याचिका में भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) के आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया है कि पूरे मध्य प्रदेश में आरसीआई पोर्टल पर केवल 2,194 कार्मिक और 3,077 पेशेवर ही पंजीकृत हैं । ऐसे में लगभग 15,000 उम्मीदवारों का विशेष शिक्षा प्रमाणपत्र धारक होना प्रथम दृष्टया फर्जी प्रतीत होता है।

बिना भौतिक सत्यापन के बोनस अंक दे दिए

याचिका के अनुसार, लोक शिक्षण संचालनालय ने भी जनवरी 2026 में विभाग को आगाह किया था कि लगभग 18,000 उम्मीदवारों ने हां का विकल्प चुना है, जो अत्यधिक प्रतीत होता है। इसके बावजूद, सुधार के लिए पोर्टल खोलने के बाद भी मंडल द्वारा उम्मीदवारों से आरसीआई पंजीकरण संख्या या प्रमाणपत्र नहीं मांगा गया। परिणाम स्वरूप, बिना किसी भौतिक सत्यापन के साफ्टवेयर के माध्यम से उम्मीदवारों के डिक्लेरेशन के आधार सीधे बोनस अंक दे दिए गए। जिससे वास्तविक और योग्य उम्मीदवारों की मेरिट गिर गई और वे चयन से बाहर हो गए । कोर्ट में दलील दी गई थी कि झूठी जानकारी देकर चयन होने के बाद सैकड़ों अभ्यर्थी जिन्हें मेरिट में फीसद बोनस अंक मिले हैं, वे भी हाइकोर्ट की शरण में पहुंचे हैं और मांग की है कि जल्दबाजी में हुई त्रुटि के कारण उनके द्वारा बोनस अंक का लाभ प्राप्त कर लिया । जबकि उनके पास उससे संबंधित कोई भी प्रमाण पत्र नहीं है। उनकी याचिकाओं को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। याचिका में 27 फरवरी 2026 को जारी दोषपूर्ण मेरिट लिस्ट को रद्द करने की मांग की गई थी तथा केवल वैध आरसीआई प्रमाणपत्र धारकों को ही बोनस अंक देकर नई मेरिट सूची जारी करने के निर्देश देने का आग्रह किया गया था। 12 मई को अंतिम सुनवाई के बाद कोर्ट ने मामले में आदेश सुरक्षित रखा था।

सामान्य वर्ग की ओर से ओबीसी आरक्षण के विरोध में दलील

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष बुधवार को अन्य पिछड़ा वर्ग, ओबीसी आरक्षण के मामले पर दायर 86 याचिकाओं पर तीन दिवसीय अंतिम स्तर की सुनवाई शुरू हो गई। सर्वप्रथम सामान्य वर्ग की ओर से ओबीसी आरक्षण के विरोध में तर्क दिया गया। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अमन लेखी ने कहा कि जनसंख्या के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि ओबीसी आरक्षण बढ़ाएंगे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के इंद्रा साहनी केस का हवाला दिया। इसके साथ ही जोर देकर कहा कि बिना किसी अध्ययन के अचानक इस तरह का फैसला लिया जाना गलत है। कोर्ट ने तर्कों को संज्ञान में लेकर गुरुवार को दोपहर तीन बजे से आगे की सुनवाई करने के निर्देश दिए।

हाईकोर्ट में अंतिम स्तर की सुनवाई आरंभ आज भी जारी रहेगी बहस

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में अशिता दुबे व अन्य की ओर से दायर याचिका में ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षण बढ़ाकर 27 प्रतिशत किए जाने को चुनौती दी गई थी। इसके बाद से लगातार ओबीसी आरक्षण बढ़ाने के पक्ष और विपक्ष में याचिकाएं दायर हुईं। इस मामले की सुनवाई 27, 28 और 29 अप्रैल को लगातार होनी थी, लेकिन दूसरे दिन ही तकनीकी कारणों के चलते यह टल गई। 27 अप्रैल को कोर्ट ने सभी पक्षों के अधिवक्ताओं के लिए बहस की समय-सीमा तय कर दी थी। इसके बाद 28 अप्रैल को हुई सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता ने हाई कोर्ट में बताया कि सुप्रीम कोर्ट के सालिसिटर जनरल तुषार मेहता और एडिशनल सालिसिटर जनरल केएम नटराज राज्य शासन की ओर से पक्ष रखेंगे।

ओबीसी के होल्ड अभ्यर्थियों ने किया प्रदर्शन

दूसरी ओर ओबीसी आरक्षण के होल्ड अभ्यर्थियों को पुलिस ने कोर्ट परिसर में जाने से रोक दिया। ओबीसी के कई अभ्यर्थियों ने महाधिवक्ता के निवास के समक्ष घेराव के बाद हाई कोर्ट परिसर तक तख्ती लेकर प्रदर्शन करते हुए पैदल सफर किया। ओबीसी के होल्ड अभ्यर्थियों को मुख्य न्यायाधीश की कोर्ट में सुरक्षा अधिकारियों ने प्रवेश करने से रोक दिया। आक्रोशित प्रदर्शनकारी महाधिवक्ता को लेकर जमकर नारेबाजी कर रहे थे। चेतावनी दे रहे थे कि महाधिवक्ता को न हटाए जाने पर उग्र आंदोलन करेंगे। इसके बाद महाधिवक्ता के चेम्बर में उनका प्रतिनिधि मंडल मिलने भी गया। महाधिवक्ता ने भरोसा दिलाया कि अन्याय नहीं होने देंगे। इस तरह मामला शांत हो गया।

कांस-2026

उर्वशी, आलिया, ऐश्वर्या राय मौनी रॉय ने भी की शिरकत

पेरिस, जेएनएन। प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल और कल्चरल इवेंट कांस 12 मई से शुरू हो चुका है। फेस्टिवल 23 मई तक फ्रांस के फ्रेंच रिवेरा में जारी रहेगा। लोरियल पेरिस की तरफ से कांस पहुंचीं आलिया भट्ट के अब तक तीन लुक सामने आ चुके हैं। तीसरे लुक में आलिया डिजाइनर तरुण तहिलियानी की आइवरी साड़ी में दिखाई दीं। वे फ्रेंच रिवेरा में भारत पैवेलियन पहुंचीं, जहां उन्होंने फिल्म मेकर आशुतोष गोवारिकर के साथ 57वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई) का पोस्टर और क्रिएटिव विजन लॉन्च किया। आलिया भट्ट और उर्वशी रौतेला के अलावा इस साल भारत से ऐश्वर्या राय, मौनी रॉय, अदिति राव हैदरी और एहसास चन्ना कांस के रेड कार्पेट में पहुंचेंगी। एक्ट्रेस तारा सुतारिया भी कांस रेड कार्पेट पर डेब्यू करने वाली हैं। आलिया भट्ट, लॉरियल पेरिस की तरफ से कांस में आई हैं। तभी से कयास लग रहे हैं कि उन्होंने ऐश्वर्या राय को रिप्लेस किया है।

अब वीवीआईपी सुरक्षा में होगा एआई तकनीक का उपयोग

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मप्र में वीवीआईपी और वीआईपी की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए पुलिस एआई के साथ आधुनिकतम तकनीक का भी सहारा लेगी। प्रदेश के पुलिस अफसरों को इसकी ट्रेनिंग दी जा रही है। राजधानी के श्यामला हिल्स स्थित विशेष शाखा प्रशिक्षण संस्थान में वीवीआईपी सिक्योरिटी एंड प्रोटेक्शन कोर्स के जरिए यह प्रशिक्षण 15 मई तक दिया जाएगा। इस ट्रेनिंग सेशन में आए डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा कि इसका मकसद सुरक्षा में तैनात होने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को आधुनिक सुरक्षा मानकों (एसओपी) और इमरजेंसी में तत्काल कार्यवाही का प्रशिक्षण देना है। इस ट्रेनिंग में साइबर और एआई एक्सपर्ट के अलावा इंटेलिजेंस विंग, मुख्यमंत्री सुरक्षा शाखा, बम डिस्पोजल यूनिट और डॉग स्क्वॉड के विशेषज्ञ फील्ड में तैनात अफसरों को सुरक्षा के नए गुर सिखाएंगे।

ये तकनीकें होंगी शामिल

वीडियो एनालिटिक्स: सीसीटीवी से संदिग्ध गतिविधियों, किसी के द्वारा भीड़ में असामान्य रूप से रुकने या संदिग्ध व्यवहार की पहचान।
लावारिस वस्तु की पहचान: एआई सिस्टम से भीड़ में छिपे हथियारों या लावारिस बैगों को स्वचालित रूप से पहचान कर अलर्ट देना।
फेशियल रिकग्निशन: डेटाबेस से लिंक होकर प्रतिबंधित इलाके में अनधिकृत व्यक्तियों या वॉचलिस्ट में शामिल लोगों की पहचान करना।
पैटर्न एनालिसिस: सामान्य मानवीय गतिविधियों से अलग, जैसे अचानक दौड़ने या संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत अलर्ट जारी करना।
ड्रोन सुरक्षा: वीआईपी काफिले की सुरक्षा के लिए एआई-संचालित ड्रोन्स का उपयोग करना, जो संदिग्ध ड्रोंस या खतरों को पहले भांप सकें।
डीपफेक और वॉयस डिटेक्शन: फर्जी वीडियो और कॉल के बढ़ते खतरों को देखते हुए एआई के जरिए इनकी पहचान करना, ताकि किसी आयोजन के दौरान इससे बचाव किया जा सके।

गर्मी ने किया बेहाल, भोपाल में 43.2 डिग्री पहुंचा पारा

खजुराहो सबसे गर्म: 28 जिलों में लू का अलर्ट, प्रदेश में अगले तीन दिन में और बढ़ेगी गर्मी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। गर्मियों के दौर में पारे की तेज चाल ने लोगों की परेशानी में इजाफा कर दिया है। बुधवार को भी प्रदेश के अधिकांश अंचलों में पारे की तेज चाल जारी रही। खजुराहो में बुधवार को अधिकतम तापमान 45.4 डिग्री तक पहुँच गया, जो प्रदेश में सर्वाधिक रहा। इसके अलावा रतलाम में 45.2 और धार में 45.0 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार आने वाले तीन दिनों में तापमान में तेजी का दौर जारी रहेगा और कई जिलों का तापमान 46 डिग्री के पार जा सकता है। भोपाल में बुधवार को गर्मी के दूसरे स्पेल में अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री रहा। प्रदेश में तेज गर्मी का यह दूसरा स्पेल है। पहले स्पेल में 14 से 30 अप्रैल के बीच भोपाल का अधिकतम तापमान 43.7 डिग्री था, जो इस सीजन का सर्वाधिक है।

अनुमान के मुताबिक आने वाले दिनों में भोपाल का तापमान 44 डिग्री को भी पार कर जाएगा। तेज गर्मी का दूसरा दौर 10 मई से शुरू हुआ है, जो 16 मई तक जारी रहने की उम्मीद है। इसके बाद पारा गिर सकता है। बुधवार को रतलाम में तीव्र लू और धार एवं छतरपुर में लू का प्रकोप रहा। इसके अलावा इंदौर में गर्म रात दर्ज की गई।

15 से एक्टिव होंगे नए सिस्टम, मिलेगी तपन से राहत: फिलहाल देश के कई इलाकों में चक्रवातीय गतिविधियां और ट्रफ लाइन सक्रिय हैं, जिनका सीधा असर आने वाले दिनों में प्रदेश के मौसम पर भी होगा। मौसम विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान एवं जम्मू के आसमान में एक्टिव है। इसके अलावा दक्षिण हरियाणा और उससे सटे क्षेत्रों के साथ-साथ उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के ऊपर भी चक्रवातीय गतिविधि जारी है। प्रदेश के दक्षिण-पश्चिम इलाकों के आसमान में भी 0.9 किमी की ऊंचाई पर एक चक्रवातीय घेरा बना हुआ है।

इन 28 जिलों में चलेगी लू

मौसम विभाग ने दो दर्जन से अधिक जिलों में गुरुवार को लू का अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश के इंदौर, झाबुआ, धार, खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर, आलीराजपुर, खंडवा, उज्जैन, नीमच, रतलाम, मंदसौर, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, दतिया, सतना, श्योपुर, गुना, रीवा, सीहोर, नर्मदापुरम, हरदा, राजगढ़ और सीधी में लू का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा जिन जिलों में 45 डिग्री से अधिक तापमान रहेगा, वहां भी लू का प्रकोप माना जाएगा। गर्मी के इस दौर में कई जिलों में धूल भरी आंधी चलने के भी आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार दोपहर में छिंदवाड़ा, बैतूल, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, अनूपपुर, सीधी, शहडोल, नरसिंहपुर, जबलपुर, रायसेन, सतना, पन्ना और दमोह में भी हल्की गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलीं।

अलविदा — 5.28 करोड़ रुपए की लैंबोर्गिनी ह्यूराकैन कार से चर्चा में आए थे, अपर्णा से की थी लव-मैरिज

लग्जरी कार और बॉडी बिल्डिंग के शौकीन थे प्रतीक

लखनऊ, जेएनएन। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया।अपनी लग्जरी लाइफस्टाइल, फिटनेस और करोड़ों की सुपरकारों के शौक को लेकर चर्चा में रहने वाले प्रतीक यादव के निधन से राजनीतिक और सामाजिक हलकों में शोक की लहर है। उनकी सबसे चर्चित कारों में से एक थी करीब 5.28 करोड़ रुपये की लैंबोर्गिनी ह्यूराकैन। यह कार उस समय काफी सुर्खियों में आई थी, जब प्रतीक यादव ने खुद इसके साथ तस्वीरें शेयर की थीं। उस वक्त सोशल मीडिया पर इसे लेकर काफी चर्चा हुई थी। प्रतीक यादव ने उस दौरान यह भी कहा था कि बचपन से उन्हें महंगी गाड़ियों का काफी शौक था. उन्होंने बताया कि छोटे दिनों में पजेरो और लैंड क्रूजर जैसी गाड़ियों को देखकर उनमें भी वैसी कार खरीदने का सपना पैदा हुआ था. बाद में वही सपना लैंबोर्गिनी तक पहुंच गया। लग्जरी कारों

के अलावा प्रतीक यादव फिटनेस को लेकर भी काफी लोकप्रिय थे। उन्होंने लखनऊ में हाई-एंड जिम शुरू किए और खुद भी रेगुलर वर्कआउट करते थे। सोशल मीडिया पर उनके ट्रांसफॉर्मेशन वीडियो और फिटनेस पोस्ट अक्सर वायरल होते रहते थे।

एक समय उनका वजन काफी ज्यादा था, लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत और फिटनेस के जरिए खुद को पूरी तरह बदल लिया। यही वजह थी कि कई युवा उन्हें फिटनेस इंस्पिरेशन के तौर पर भी देखते थे। प्रतीक यादव की लग्जरी लाइफस्टाइल, सुपरकारों का पैशन और फिटनेस के प्रति उनका जुनून उन्हें हमेशा चर्चा में बनाए रखता था।

ब्रिटेन से एमबीए, राजनीति नहीं कारोबार चुना

प्रतीक यादव की शुरुआती पढ़ाई लखनऊ के सिटी मॉन्टेसरी स्कूल से हुई। इसके बाद उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से बीकॉम किया। फिर ब्रिटेन चले गए और यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स से एमबीए किया। पढ़ाई पूरी कर जब वे भारत लौटे, तो पिता मुलायम चाहते थे कि वह राजनीति में कदम रखें। लेकिन प्रतीक ने राजनीति की राह नहीं चुनी और रियल एस्टेट में अपनी किस्मत आजमाने लगे।

बचपन में पिता ने छोड़ा, फिर मां ने मुलायम से शादी की

7 जुलाई 1987 में फर्रुखाबाद के व्यवसायी चंद्रप्रकाश गुप्ता के घर प्रतीक का जन्म हुआ। लेकिन एक साल बाद ही पिता चंद्रप्रकाश गुप्ता ने उनकी मां को छोड़ दिया। तीन साल बाद यानी 1990 में दोनों का तलाक हो गया। उस वक्त साधना सैफई मेडिकल कॉलेज में नर्स थीं। 2003 में साधना ने मुलायम सिंह यादव से शादी कर ली। मुलायम ने उन्हें पुत्र के रूप में अपनायाा था।

उतार-चढ़ाव भरी रही जिंदगी, राजनीति से रहते थे दूर

प्रतीक की जिंदगी उतार-चढ़ाव से भरी रही है। यादव परिवार से होने के बावजूद प्रतीक को राजनीति पसंद नहीं थी। वह कभी सार्वजनिक कार्यक्रमों में नजर नहीं आते थे। न ही मीडिया में कभी कोई बयान देते थे। वह अपनी कहानी सिर्फ सोशल मीडिया से बयां करते थे। प्रतीक जब 3 साल के थे, तभी उनके माता-पिता का तलाक हो गया। फिर मां साधना ने मुलायम सिंह यादव से शादी की। मुलायम ने प्रतीक को बेटे का हक दिया। प्रतीक ने 15 साल पहले अपर्णा बिष्ट से लव मैरिज की। इसके बाद प्रतीक कभी पत्नी से विवाद, तो कभी प्रॉपर्टी विवाद को लेकर ही चर्चा में आए।

जल की गुणवत्ता जांच के लिए संयुक्त विशेषज्ञ समिति गठित करें

जबलपुर। एनजीटी के न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति एसके सिंह व विशेषज्ञ सदस्य डा. अफरोज अहमद की युगलपीठ ने राज्य में जल की गुणवत्ता जांच के लिए संयुक्त विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश दिया है। यह कदम राजधानी भोपाल निवासी कमल कुमार राठी की याचिका पर उठाया। सुनवाई के दौरान आवेदक पक्ष के अधिवक्ताओं द्वारा सक्षम तकनीकी विशेषज्ञों की जल परीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए जल गुणवत्ता संबंधी गंभीर मुद्दे उठाए गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए एनजीटी ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल के क्षेत्रीय निदेशक को तीन सदस्यीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए। समिति में सीपीसीबी से, एक जल विज्ञान से और एक वाटर एंड लैंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट से शामिल किया जाएगा। इस समिति को आवेदन में उल्लेखित विभिन्न स्थानों की जल गुणवत्ता की जांच कर विशेषज्ञ रिपोर्ट एवं सुधारात्मक सुझाव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।